राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

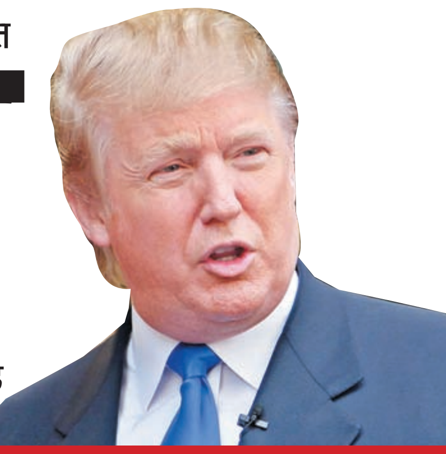

11 हार्दिक-क्रूणाल से सौतेले भाई ने की ...

पॉर्न स्टार मामले में ट्रंप की एक बार फिर ... 12

वर्ष : 14 | अंक : 328 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 12 अप्रैल, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 30°C
न्यूनतम तापमान 21°C

बाजार

सोना 73,970
चांदी 82,800
सेंसेक्स 75,038
निफ्टी 22,753

पूरे अकीदत और ऐहतराम के साथ मनाई गई ईद

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में आज ईद उल फित्र का त्यौहार पूरे अकीदत और ऐहतराम के साथ मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मुसलमानों के जरिए ऐतिहासिक शाहजहानी जामा मस्जिद के अलावा तमाम ईदगाहों और छोटी-बड़ी मस्जिदों में नमाज अदा की गई और एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी गई। ऐतिहासिक जामा मस्जिद में शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने सबसे पहले सुबह 6:30 ईद की नमाज अदा कराई। इस मौके पर बड़ी तादाद में जमा मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए भीड़ पहुंची। नमाज पढ़ने वाले लोगों की भीड़ का आलम यह रहा कि जामा मस्जिद का अंदरुनी हिस्सा, सहेन, सीढ़ियां और यहां तक की तीनों तरफ की रोड पर भी लोगों ने नमाज अदा की है। इस मौके पर शाही इमाम ने शांति -सद्भाव और सभी के साथ मिलजुल कर ईद की खुशियां मनाने की अपील की है। ऐतिहासिक मस्जिद फतेहपुरी में भी शाही इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने ईद की नमाज अदा कराई।यहां पर भी नमाजियों का बड़ा मजमा देखने को मिला। मस्जिद के बाहर चांदनी चौक, टाउनहॉल, खारी बाउली और बल्लीमारान तक लोगों को ईद की नमाज अदा करते हुए देखा गया। इस मौके पर डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने ईद की खुशियों में सभी को शामिल करने और मिलजुल कर ईद मनाने की बात कही। उन्होंने देश में अमन व अमान के साथ-साथ पूरे दुनिया में शांति और सद्भाव के लिए विशेष दुआएं कीं। ईद की नमाज अदा करने के लिए राजधानी दिल्ली का तीसरा बड़ा हुजूम शाही ईदगाह सदर बाजार में उमड़ा। इसके अलावा राजधानी के अन्य मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में मस्जिदों में मुसलमान ने ईद की नमाज अदा की है। दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया और दरगाह हजरत बख्तियार काकी महरौली में भी ईद की नमाज अदा की गई जिसमें हजारों की संख्या में मुसलमानों ने भाग लिया।

देवभूमि से कांग्रेस पर हमला, उनका परिवार ही सबकुछ....मोदी के लिए पूरा देश ही परिवार

प्रातः किरण/एजेंसी

ऋषिकेश। लोकसभा चुनाव के रण में उतरकर विरोधियों पर हमले कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर कांग्रेस की परिवारवादी राजनीति पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए उनका परिवार ही सबकुछ है, जबकि मोदी के लिए पूरा भारत ही परिवार है। मोदी कहता है कि भ्रष्टाचार हटाओ जबकि कांग्रेस का कहना है कि भ्रष्टाचारियों को बचाओ। भ्रष्टाचार पूरे देश के लिए हानिकारक हो चुका है। जब कांग्रेस की सरकार थी, तब लोगों के हक का पैसा बिचौलिए खाते थे। अब लोगों के हक का पैसा सीधे उनके बैंक खातों में पहुंच रहा है। ये लूट मोदी ने बंद की है, इसकारण मोदी पर उनका गुस्सा सातवें आसमान पर है। कांग्रेस वालों ने राम मंदिर के अस्तित्व को नकार दिया। हमने सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ भव्य राम मंदिर बनवाया। पीएम ने गुरुवार को गढ़वाल से बीजेपी उम्मीदवार नरेंद्र बलूनी के समर्थन में रैली को संबोधित किया। पीएम मोदी ने देवभूमि को प्रणाम कर अपने भाषण की शुरूआत की। पीएम मोदी ने कहा कि वह उत्तराखंड के लोगों के आभारी हैं। पूरा देश बोल रहा है कि एक बार फिर मोदी सरकार बन रही है। आज भारत में मोदी की मजबूत सरकार है। दक्षिण में भी बीजेपी की प्रचंड लहर है। हमारी सरकार ने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर बड़ा और कड़ा फैसला लिया। पिछली कमजोर सरकारों में ऐसा फैसला लेने का साहस नहीं था। पीएम मोदी ने इस मौके पर वन रैंक वन पेंशन योजना पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार कभी यह योजना नहीं लागू कर सकी, हमारी सरकार ने इस योजना को लागू कराया। आज सैनिकों के पास सभी तरह की सुविधाएं हैं। वन रैंक वन पेंशन योजना की बात कर मोदी ने रिटायर्ड सैन्य जवानों को साधने का प्रयास किया। गौरतलब है कि उत्तराखंड से भारी संख्या में सेना के रिटायर्ड जवान रहते हैं। रैली के दौरान उपस्थित भीड़ ने मोदी मोदी के जमकर नारे लगाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं कभी भी उत्तराखंड वालों के प्यार को जीवन में भूल नहीं सकता हूं। कांग्रेस पर करारा वार करते हुए पीएम ने कहा कि कमजोर सरकार की वजह से वे लोग देश की सीमाओं को सुरक्षित नहीं कर सके। आज आप देखिए पूरी सीमा पर आधुनिक सुरंगें बना रहे हैं। नई सड़कें बन रही हैं। आज देश के पास रायफल से लेकर लेकर लड़ाकू विमान तक स्वदेशी है। पहले हमारे देश के सैनिकों के पास बुलेटप्रूफ जैकेट तक नहीं थे। आज सभी सुविधाएं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार उत्तराखंड में रोजगार के नए अवसर तैयार कर रही है। यहां देश और विदेश से आने वाले पर्यटकों को कई सुविधाएं दी जाती हैं। ऋषिकेश को पर्यटन नगरी बनाया जा रहा है। चारधाम यात्रा पर श्रद्धालुओं के लिए आना कितना सरल हो गया है। पिछले साल करीब 20 लाख यात्री केदारनाथ यात्रा पर आए थे। पूरे चारधाम में 55 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने यात्रा की है। इसने एक नया रिकॉर्ड बनाया है।

बीते 10 वर्ष में भारत पहले की तुलना में कई गुना मजबूत: मोदी

ऋषिकेश। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्ष में भारत को पहले की तुलना में उनकी सरकार ने कई गुना मजबूत बनाया है। श्री मोदी ने आज यहां आईडीपीएल के हॉकी मैदान में गढ़वाल मंडल के पौड़ी, टिहरी और हरिद्वार लोकसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में कहा कि जब-जब देश में कमजोर और अस्थिर सरकार रही है, तब-तब दुश्मनों ने फायदा उठाया और आतंकवाद ने पैर पसारे। आज भारत में मोदी की मजबूत सरकार है, इसलिए आतंकियों को घर में घुस कर मारा जाता है। उन्होंने कहा कि आज भारत में मजबूत सरकार है, इसलिए भारत का तिरंगा युद्ध क्षेत्र में भी सुरक्षा की गारंटी बन जाता है। उन्होने कहा कि यह भाजपा की मजबूत सरकार ही है, जिसने सात दशक बाद जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 समाप्त करने का साहस किया। जिसने तीन तलाक के खिलाफ मजबूत कानून बनाया, यह भाजपा की सरकार ही है जिसने महिलाओं को संसद में आरक्षण दिया, जिसने सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में तो जवानों के पास बुलेटप्रूफ जैकेट तक की कमी थी। दुश्मन की गोली से बचाने के लिए पुख्ता इंतजाम नहीं था। उन्होंने कहा कि ये भाजपा है, जिसने भारत में बनी बुलेटप्रूफ जैकेट अपने सैनिकों को दी, उनके जीवन की रक्षा की। आज आधुनिक रायफल से लेकर लड़ाकू विमान और विमानवाहक पोत तक देश में ही बन रहे हैं। श्री मोदी ने विपक्षी कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि वह विकास और विरासत दोनों की विरोधी है। कांग्रेस ने प्रभु राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए, राम मंदिर का विरोध किया, जितने अड़ंगे डालने थे, डाले। इसके बाद भी राम मंदिर निर्माण वालों ने कांग्रेस के सभी गुनाहों को माफ कर दिया और उन्हें प्राण-प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया।

चीन पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया 'निष्प्रभावी और कमजोर': कांग्रेस

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सीमा उल्लंघन को लेकर चीन को 'निष्प्रभावी और कमजोर' प्रतिक्रिया देने के लिए बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए मांग की कि वह अपने जून 2020 के उस बयान के लिए 140 करोड़ भारतीयों से माफी मांगें जिसमें उन्होंने दावा किया था कि न तो किसी ने भारत में प्रवेश किया और न ही किसी चौकी पर कब्जा किया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि न्यूजवीक पत्रिका को दिए गए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया बेहद कायरतापूर्ण है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि भारतीय संप्रभुता का चीन द्वारा बार-बार उल्लंघन किए जाने पर प्रधानमंत्री की एकमात्र टिप्पणी यह थी कि भारत-चीन सीमा स्थिति पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है ताकि द्विपक्षीय संवादों में "असामान्यता" को दूर किया जा सके। रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री के पास चीन को एक शक्तिशाली संदेश भेजने का अवसर था। लेकिन उनकी निष्प्रभावी और कमजोर प्रतिक्रिया से भारतीय क्षेत्र पर अपना दावा जताने के लिए चीन का हौसला और बढ़ सकता है।" उन्होंने कहा, "चीन के मुद्दे पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया न केवल अपमानजनक है बल्कि यह हमारे शहीदों का भी अपमान है जिन्होंने हमारे देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।" रमेश ने कहा "प्रधानमंत्री को 19 जून, 2020 को राष्ट्रीय टेलीविजन पर 'ना कोई घुसा है, ना ही कोई घुस आया है' बयान देकर 140 करोड़ भारतीयों को धोखा देने और चीन से लगती हमारी सीमाओं की रक्षा करने में अपनी विफलताओं के बारे में देश को अंधेरे में रखने के लिए माफी मांगनी चाहिए।" न्यूजवीक पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत और चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सकारात्मक और रचनात्मक द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से राजनयिक और सैन्य स्तर पर, दोनों देश अपनी सीमाओं पर शांति बहाल करने और बनाए रखने में सक्षम होंगे। न्यूयॉर्क स्थित पत्रिका ने कहा कि भारत का "तेजी से आगे बढ़ता आर्थिक विकास और बढ़ती राजनयिक, वैज्ञानिक और सैन्य ताकत इसे अमेरिका और दुनिया के लिए लगातार बढ़ते महत्व वाली एक उभरती हुई महाशक्ति बनाता है।" पत्रिका में "नरेन्द्र मोदी और भारत का अजेय उदय" शीर्षक के तहत दिए गए साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री ने आगामी लोकसभा चुनाव, पाकिस्तान के साथ रिश्ते, क्वाड, राम मंदिर और लोकतंत्र सहित विभिन्न मुद्दों पर बात की।

संक्षिप्त खबरें

पुलवामा मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने आज तड़के पुलवामा के फ्रैसीपोरा गांव में तलाश अभियान चलाया। इसी दौरान सुरक्षा बल के जवान लक्षित स्थान पर पहुंचे, तभी वहां छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलायी। दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। उन्होंने बताया कि आतंकवादी का शव बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने मौके से हथियार, गोला-बारूद और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। अंतिम सूचना मिलने तक अभियान जारी था।

उप्र : मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा की

लखनऊ। ईद उल फितर के मौके पर बृहस्पतिवार को प्रदेश की राजधानी में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा की। नगर के पुराने इलाके में ऐशबाग ईदगाह में ईद की नमाज अदा करने के लिए भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्रित हुए। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, अल्पसंख्यक मामलों के राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने ईदगाह में मंच साझा किया। इन नेताओं ने लोगों को ईद की बधाई दी। लोगों को एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई देते हुए देखा गया।

खड़गे ने कस्तूरबा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पत्नी कस्तूरबा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री खड़गे ने गुरुवार को एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय आंदोलन में महिला सशक्तिकरण की मजबूत स्तंभ और हमारी आदर्श, कस्तूरबा गाँधी जी की जयंती पर सादर श्रद्धांजलि। उन्होंने आगे कहा कि कस्तूरबा जी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कई बार जेल जाने के बाद, अस्पृश्यता को दूर करने, खादी के उपयोग को बढ़ावा देने और बाल विवाह उन्मूलन सहित, कई सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों के लिए सक्रिय रूप से अभियान चलाया। श्री खड़गे ने कहा कि महात्मा गांधी के जीवन और कार्यशैली पर उनका गहरा प्रभाव था। गांधी जी के अभियानों में उनका समर्थन, प्रेरणा और सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण थी, और उनके साहस, प्रतिबद्धता और करुणा का उदाहरण आज भी लोगों को प्रेरित करता है।

छत्तीसगढ़ : अलग-अलग दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बुधवार को अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मृत्यु हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को जिले के बालको थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हुई है। वहीं सिविल लाइंस थाना क्षेत्र और कटघोरा थाना क्षेत्र में एक-एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। उन्होंने बताया कि बुधवार देर रात बालको थाना क्षेत्र के अंतर्गत रूमगढ़ा बाईपास मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया।

हम हिंदू-मुसलमान नहीं, सभी धर्मों की बात करते हैं : राजनाथ सिंह

प्रातः किरण/एजेंसी

रीवा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम सबको साथ में लेकर चलते हैं। मध्यप्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा, मप्र ग्रोथ का इंजन बन गया है। जब अधिकार नहीं, कर्तव्य का बोध हो तब रामराज्य होता है। भाजपा वाले हिंदू-मुसलमान नहीं करते, सभी धर्मों की बात करते हैं। हम जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं। रक्षा मंत्री सिंह गुरुवार को रीवा लोकसभा क्षेत्र में मऊगंज जिले के देवतालाब में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इकोनॉमी में भारत दुनिया में 11वें स्थान पर था। आज पांचवें स्थान पर है और 2024 के खत्म होते ही भारत टॉप तीन देशों में होगा। विश्व की कोई आर्थिक शक्ति बनेगा तो वह भारत बनेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम जो कहते हैं, वह करते हैं। हम सोच-समझ कर और नाप-तौल कर घोषणापत्र तैयार करते हैं। भाजपा 1984 से लगातार अपने घोषणापत्र में कहती चली आ रही है कि हमारी सरकार बनेगी, संसद के दोनों सदनों में हमें बहुमत मिलेगा तो अयोध्या की धरती पर भव्य राममंदिर बनाने से हमें दुनिया की कोई ताकत नहीं रोग पाएगी। यह हुआ है अदालत के फैसले से, लेकिन अवसर हम लोगों को मिला है। भगवान राम अपनी झोपड़ी से निकल कर अपने महल में स्थापित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैं देश के किसी भी कोने में जाता था तो लोग कहते थे कि मध्यप्रदेश में 2003 से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है लेकिन इस बार चुनाव में मामला डवांडोल है।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहन गुप्ता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहन गुप्ता गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। गुप्ता ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े मौजूद रहे। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर से डॉ. जहानजिद सिरवाल, परमपाल कौर, गुरुप्रीत सिंह मालुका ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर रोहन गुप्ता ने बताया कि कांग्रेस के रवैए के कारण एक महीना पहले ही उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

केजरीवाल के पीए बिभव कुमार बर्खास्त

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को दिल्ली विजिलेंस डायरेक्टरेट ने बर्खास्त कर दिया है। विशेष सचिव, सतर्कता वाईवीवीजे राजशेखर ने एक आदेश में बिभव कुमार के खिलाफ लंबित 2007 के मामले का हवाला दिया, जिसमें उन पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप था। आदेश में तत्काल प्रभाव से बिभव कुमार की नियुक्ति समाप्त कर दी गई है। हालांकि, आम आदमी पार्टी की लीगल टीम बिभव की बर्खास्तगी के खिलाफ केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में जाने की योजना बना रहे हैं। लीगल टीम इस बात पर मंथन कर रही है कि किस आधार पर उक्त आदेश को चुनौती दी जा सकती है।

ओलावृष्टि-बारिश से फसलें तबाह

नई दिल्ली/भोपाल। बेमौसम बारिश और ओला गिरने से कई राज्यों में फसलों को नुकसान पहुंचा है। मप्र के अलग-अलग जिलों में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण खरीदी केन्द्रों पर गेहूं भीगने की खबरें सामने आई हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसी भी जिले में जनहानि, पशुहानि या किसी प्रकार का नुकसान होगा तो सरकार उसके प्रति गंभीर रहेगी। उसकी क्षतिपूर्ति करने के लिए मुआवजा दिया जाएगा, प्रदेश सरकार इसके लिए संकल्पित है। एक तरफ जहां देश में बारिश के दौर से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, कुछ इलाके ऐसे भी है जहां तेज गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान, गुजरात और उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच रिकॉर्ड किया गया है। मप्र में गुरुवार को भी मौसम बदल गया। रतलाम, सागर और छिंदवाड़ा में बारिश हुई।

हरियाणा में स्कूली बस पलटने से पांच बच्चों की मौत, 15 घायल

प्रातः किरण/एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिले के उन्हाणी गांव के पास गुरुवार को एक स्कूल बस के पलट जाने से पांच बच्चों की मौत हो गयी और 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जीएल पब्लिक स्कूल में आज सार्वजनिक अवकाश था, लेकिन यहां एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बच्चों को लेने के लिए बस भेजी गयी थी जिसमें करीब 35-40 बच्चे सवार थे। ल्ल इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर पलट गयी। घटना की वजह ओवरटेकिंग बतायी गयी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच एवं बचावकार्य शुरू किया। घायल बच्चों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल बच्चों को रेवाडी अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के समय बस चालक नशे में था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

राजनीतिक दलों के नगर निकाय चुनाव लड़ने पर रोक नहीं, चिह्नों का आवंटन मनमाने तरीके से नहीं : अदालत

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि संविधान के तहत उन राजनीतिक दलों पर नगर निकाय चुनाव लड़ने पर कोई रोक नहीं है, जिन्हें राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने मान्यता दी है। अदालत ने कहा कि नगर निकाय चुनावों के लिए एसईसी द्वारा राजनीतिक दलों को चुनाव चिन्हों का आवंटन उचित है और यह मनमाना नहीं है। अदालत ने उस याचिका को खारिज करते हुए यह व्यवस्था दी, जिसमें एसईसी को, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची में वे चुनाव चिह्न डालने से रोकने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है जो राजनीतिक दलों के लिए आरक्षित हैं। याचिका में एसईसी को आरक्षित चुनाव चिह्नों के बिना दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का चुनाव कराने का निर्देश देने की भी अपील की गई है। अदालत ने कहा "उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित कानून के आलोक में, एसईसी द्वारा राजनीतिक दलों को नगर निकाय चुनाव लड़ने के लिए दी गई मान्यता उसके अधिकार क्षेत्र में है न कि इससे बाहर है।

नगर निकाय चुनाव लड़ने के लिए राजनीतिक दलों पर अनुच्छेद 243जेडए या अनुच्छेद 243आर के तहत कोई रोक नहीं है।" कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ लोग स्वयं हैं, जो प्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनते है। पीठ ने कहा "जब भारत का पहला आम चुनाव हुआ, तो मतदाताओं में बड़ी संख्या में ऐसे लोग थे जो निरक्षर थे और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के नाम नहीं पढ़ सकते थे। इसलिए, विचार-विमर्श के बाद और विभिन्न विकल्पों पर गौर करने के बाद, चुनाव चिह्नों के उपयोग की एक प्रणाली बनाई गई।" पीठ के अनुसार, इस प्रणाली के तहत मतदाताओं को अपनी पसंद के उम्मीदवार के पक्ष में अपने मताधिकार का उपयोग करने में मदद के उद्देश्य से, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए प्रतीक चिह्न मतपत्र में अंकित किए गए थे।

राजनीति यशवंत सिन्हा: भाजपा ने कच्चातिवु द्वीप को लोकसभा चुनाव में मुद्दा बनाने में भारत-श्रीलंका के संबंधों पर इसके असर के बारे में नहीं सोचा

भारत-श्रीलंका रिश्तों के बारे में सोचे बिना कच्चातिवु को चुनावी मुद्दा बनाया गया: यशवंत सिन्हा

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने कच्चातिवु द्वीप को लोकसभा चुनाव में मुद्दा बनाने में भारत-श्रीलंका के संबंधों पर इसके असर के बारे में नहीं सोचा। कच्चातिवु द्वीप के आसपास दशकों पुराना क्षेत्रीय और मछली पकड़ने के अधिकार से जुड़ा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है और भाजपा और विपक्षी दलों के बीच इस पर जुबानी जंग चल रही है। भारत के वित्त मंत्री और विदेश मंत्री रह चुके सिन्हा ने कहा कि यह द्वीप समुद्री सीमा के श्रीलंका की तरफ वाले हिस्से में पड़ता है। उन्होंने कहा, "मैं बेहद निराश हूं कि इस मुद्दे को किसी और ने नहीं बल्कि देश के प्रधानमंत्री ने उठाया। मैं इस तथ्य से अवगत हूं कि कच्चातिवु एक द्वीप था जो समुद्री, अंतरराष्ट्रीय समुद्री रेखा खींचे जाने पर श्रीलंका की तरफ था और इसलिए श्रीलंका में चला गया।" सिन्हा ने कहा, "और इसलिए विदेश मंत्रालय ने बार-बार कहा है कि श्रीलंका को कोई द्वीप देने का कोई सवाल ही नहीं है क्योंकि यह द्वीप श्रीलंका की तरफ पड़ता है।" उन्होंने कहा, "इसलिए अब इस मुद्दे को उठाने पर मैं सिर्फ इतना ही कह सकता हूं कि इससे श्रीलंका के साथ रिश्ते खराब होंगे। और आप क्या करेंगे? क्या आप द्वीप को वापस लेने के लिए बल प्रयोग करने जा रहे हैं? इसलिए यह एक चुनावी मुद्दे के अलावा और कुछ नहीं है।" सिन्हा ने कहा, "आप चुनाव में कई मुद्दे उठा सकते हैं। लेकिन आपको उन मुद्दों को लेकर सतर्क रहना होगा जिन्हें आप उठाते हैं। यहां, प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ने वाले असर पर विचार किए बिना इस मुद्दे को उठाया है।" मोदी ने 1974 में तत्कालीन कांग्रेस नीत सरकार द्वारा इस द्वीप को श्रीलंका को सौंपे जाने को लेकर विपक्षी पार्टी के साथ-साथ द्रमुक पर भी पिछले दिनों निशाना साधा था।

संक्षिप्त समाचार

मतदान पर हुई रंगोली प्रतियोगिता में मोहिनी एंड ग्रुप ने मारी बाजी

रूड़की, एजेंसी। केएलडीएवी पीजी कॉलेज में बुधवार को सांस्कृतिक क्लब और स्वीप की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई। मतदान पर हुई रंगोली प्रतियोगिता में मोहिनी एंड ग्रुप प्रथम रहा। विदुषी एंड ग्रुप द्वितीय और नेहा एंड ग्रुप तृतीय स्थान पर रहा। मतदान जागरूकता पर हुई इस रंगोली प्रतियोगिता ने सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एमपी सिंह ने किया। उन्होंने मतदान का महत्व बताया और सभी को अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए कहा। कार्यक्रम के दौरान नारा लेखन प्रतियोगिता में नेहा बिष्ट प्रथम, विदुषी द्वितीय और भाविका चौधरी तृतीय स्थान पर रहीं। बेस्ट आउट आफ वेस्ट प्रतियोगिता में सुधांशु प्रथम, विदुषी द्वितीय और श्रद्धा तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में डॉ. पूजा अरोड़ा, डॉ. किरण भारती, डॉ. मेघा जुयाल, पूर्णिमा श्रीवास्तव ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मिथिलेश कुमारी, प्रिया कश्यप ने किया। इस मौके पर चांदनी सिंह, इरम, आदिबा, मीना देवी और तेजपाल आदि मौजूद रहे।

ऊर्जा निगम के कर्मचारियों से मारपीट में दो आरोपियों के वारंट जारी

रूड़की, एजेंसी। ऊर्जा निगम की टीम से मारपीट के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों के कोर्ट ने गैरजमानती वारंट जारी किए हैं। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। उधर, एक सुनार की दुकान से जेवर चोरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी कर्मचारी के भी गैरजमानती वारंट जारी किए गए हैं। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित जौरासी गांव में 16 मार्च को ऊर्जा निगम की टीम बिजली चोरी की शिकायत पर चेकिंग करने गई थी। आरोप था कि इस दौरान गांव के दो लोगों ने टीम के साथ अभद्रता कर दी थी। विरोध करने पर टीम के साथ मारपीट कर दी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मोबिन और इरफान उर्फ लंगड़ा निवासी ग्राम जौरासी जबरदस्तपुर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था। तभी से दोनों आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस लगातार उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है लेकिन आरोपी हत्थे नहीं चढ़ पा रहे हैं। इस मामले में कोर्ट ने दोनों आरोपियों के गैरजमानती वारंट जारी किए गए हैं। उधर, वीसी ज्वेलर्स की दुकान से कर्मचारी खोखन मंडल उर्फ अल्ताफ निवासी झिनके, पोस्ट नालीकुल जिला हुगली कलकत्ता हाल गुलाबनगर, रुड़की के खिलाफ जेवर चोरी का केस दर्ज किया गया था। तभी से आरोपी फरार चल रहा है। इस मामले में भी कोर्ट ने आरोपी के गैरजमानती वारंट जारी किए हैं। कोतवाली प्रभारी आरके सकलानी ने बताया कि तीनों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

चालानी कार्रवाई से भड़के टैक्सी चालक, कोतवाली में हंगामा

नैनीताल, एजेंसी। नगर में सड़क के किनारे अनधिकृत रूप से पार्क दोपहिया वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने से भड़के टैक्सी चालकों ने बुधवार को कोतवाली में हंगामा किया। उन्होंने पुलिस पर परेशान करने व हाथापाई करने का आरोप लगाया। हंगामे की खबर मिलने पर राजनीतिक दल से जुड़े कुछ नेता भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। वहीं कोतवाल ने दो टूक कहा कि नियमों का पूरा तरह अनुपालन कराया जाएगा। किसी को नियम तोड़ने नहीं दिया जाएगा। नो पार्किंग जोन में खड़ी बाइक बर्दाश्त नहीं होगी। लगभग पांच सौ से ज्यादा बाइक प्रतिदिन या तो सड़क पर दौड़ती हैं या फिर सड़क किनारे पार्क कर दी जाती हैं। जिससे पर्यटकों व राहगीरों को पैदल चलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क किनारे पार्क वाहनों से यातायात भी बाधित होता है। बुधवार को कोतवाली पुलिस ने मल्लीताल में अभियान चलाया। पुलिस द्वारा सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में वाहन पार्क करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई तो दोपहिया टैक्सी चालक भड़क गए। उन्होंने कोतवाली में करीब एक घंटे तक हंगामा किया। टैक्सी चालकों ने पुलिस पर बेवजह परेशान करने व हाथापाई करने का आरोप लगाया। हंगामे के दौरान राजनीतिक दल से जुड़े नेताओं के दखल व जनप्रतिनिधि के फोन से हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

भैंसियाछाना के 54 गांवों में 21 घंटे गुल रही बिजली गुल

अल्मोड़ा/धौलछीना, एजेंसी। मौसम की बेरुखी ने भैंसियाछाना विकासखंड के 54 गांवों के लोगों को रुलाया। अंधड़ से पेड़ गिरने से बिजली लाइन टूट गई और इन गांवों में बत्ती गुल हो गई। क्षेत्र की 40 हजार से अधिक की आबादी को इससे परेशानी झेलनी पड़ी। दूसरे दिन बुधवार को 21 घंटे बाद आपूर्ति बहाल हुई।

भैंसियाछाना के बाड़ेछीना, पेटशाल, धौलछीना, पल्यू, कसाण, जमराड़ी, मंगलता, कनारीछीना, शेराघाट सहित आसपास के 54 से अधिक गांवों को बिजली आपूर्ति करने वाली 11 केवीए लाइन में बीते मंगलवार शाम चतुर्भुज गांव के पास चीड़ का बड़ा पेड़ गिरने से टूट गई। ऐसे में तोली सब स्टेशन से जुड़े इन गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई और यहां ब्लैक आउट हो गया। क्षेत्र की 40 हजार की आबादी देर रात तक बिजली

का इंतजार करती रही, लेकिन लोगों को मायूस होना पड़ा। सूचना के बाद यूपीसीएल की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। ऐसे में लोगों को मोमबत्ती के सहारे घरों को रोशन करते हुए पूरी रात बगैर बिजली के गुजारनी पड़ी। वहीं, क्षेत्र के अस्पतालों में भी बिजली गुल रहने से मरीज, तीमारदार और स्वास्थ्य कर्मी परेशान रहे। अस्पतालों की लैब में मशीनरी ठप रहने से जांच भी नहीं हो सकी। धौलछीना। क्षेत्र के शेराघाट, मंगलता, नाली सहित अन्य घाटी वाले क्षेत्रों में तापमान बढ़ने के साथ ही उमस भरी गर्मी शुरू हो गई है और लोगों को पंखे का सहारा लेना पड़ रहा है। बिजली आपूर्ति ठप रहने से पंखे, फ्रिज शोपीस बने रहे, इससे लोगों को गर्मी सहने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं लोग मोबाइल भी चार्ज नहीं कर सके।

सीएमओ के नाम रुपये मांगने के शक में पकड़ा संदिग्ध

रुद्रपुर, एजेंसी। काशीपुर के निजी अस्पताल के पंजीकरण के लिए सीएमओ के नाम पर एक अस्पताल के मैनेजर की ओर से रुपये लेने की चर्चा रही। सीएमओ ने सिडकुल पुलिस को बुलाकर मैनेजर को उनके सुपुर्द कर दिया। जांच में सीएमओ के नाम पर रुपये लेने की पुष्टि नहीं हो सकी। इस पर मैनेजर को हिदायत देकर छोड़ दिया गया। बुधवार को मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा को उनके नाम पर किसी व्यक्ति की ओर से अस्पताल का पंजीकरण कराने के लिए धन वसूली करने की शिकायत मिली। सीएमओ ने शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रांजिट कैंप क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल के मैनेजर को दफ्तर में तलब किया। मैनेजर की ओर से संतोषजनक जवाब न देने पर उसे सिडकुल चौकी पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने भी उससे पूछताछ की थी। सीएमओ ने बताया कि शिकायत मिली थी कि आरोपी मैनेजर की ओर से काशीपुर क्षेत्र के एक अस्पताल का पंजीकरण कराने के लिए उनके नाम रुपये लिए गए। इस पर आरोपी को बुलाकर उससे पूछताछ की गई। उसे पुलिस को पूछताछ के लिए दिया गया था। लेकिन उनके नाम पर रुपये लेने के आरोप सही नहीं पाए गए। जिसके बाद मैनेजर को हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

पहाड़ के दर्द ने बनाया प्रह्लाद मेहरा को लोकगायक

लालकुआं, एजेंसी। उत्तराखंड के लोक गायक प्रह्लाद मेहरा का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। इसके साथ लोक गायकी का अनमोल सितारा अपने प्रशंसकों को हमेशा के लिए निराश कर गया।

प्रह्लाद मेहरा ने पहाड़ की पीड़ा और वहां की दुश्वारियों को करीब से देखा। यही पीड़ा उनके अंतरमन से बाहर आई और यह दर्द एक गीत के रूप में तब्दील हो गया, जिसे प्रह्लाद मेहरा को गायकी के क्षेत्र में एक पहचान दिलाई। गीत एवं संगीत को अपने जीवन का अभिन्न अंग मान चुके प्रह्लाद मेहरा आकाशवाणी अल्मोड़ा में परीक्षा देने गए जहां उनकी आवाज का जादू दिखाई दिया और उन्हें वर्ष 89 में आकाशवाणी अल्मोड़ा द्वारा ए ग्रेड का दर्जा दिया गया। यहीं से मेहरा का स्वर्णिम सफर शुरू हुआ और एक के बाद एक डेढ़ सौ से अधिक गाने उन्होंने अपने कैरियर में गाए। प्रह्लाद मेहरा वास्तव में गायक ही नहीं स्टेज कलाकार के रूप में जाने जाते थे। प्रख्यात लोक गायक ललित मोहन जोशी जो प्रह्लाद मेहरा को अपना आदर्श मानते हैं। एक मुलाकात में उन्होंने बताया था कि प्रह्लाद मेहरा एक मझे हुए आर्टिस्ट हैं और जिनके अंदर गायकी के अलावा संगीत और अभिनय सारी क्षमताएं समाई हुई हैं। बिंदुखत्ता के ही कॉमेडियन मंगल सिंह और जीवन दानू प्रह्लाद मेहरा की प्रतिभा के कायल रहे। मेहरा ने हुड़के की थाप में कई नाटकों को मूर्त रूप दिया है हास्य कलाकार मंगल सिंह और जीवन दोनों ही प्रह्लाद मेहरा के निधन से बेहद व्यथित हैं। प्रह्लाद मेहरा ने जहां पहाड़ के दर्द को अपनी आवाज दी और पहाड़ी की चेली ले नी खाया द्वी रवाटा सुखे ले गाने के माध्यम से दर्द को बयां किया। उन्होंने पहाड़ की नैसर्गिक आभा को भी अपने गीतों का माध्यम बनाया और एक से बढ़कर एक गीत गाए। इसके अलावा उन्होंने प्रेमियों के युगल गीत को भी अपनी आवाज दी। प्रह्लाद मेहरा ने पहाड़ की कई खूबियों को बहुत ही नजदीकी से समझा। सुदूर पहाड़ियों में जाकर लकड़ी और घास लाने वाली महिलाओं की जिंदगी को भी उन्होंने बहुत नजदीक से समझा। पहाड़ की महिलाएं जब घास और लकड़ी लाकर किसी दुकान में जलेबी खाती थी तो उस जलेबी का महत्व भी उन्होंने अपने गीतों में बताया है और गाया है का छ तेरो जलेबी को डाब। प्रह्लाद मेहरा कुमाऊनी नाटक की प्रस्तुति भी बहुत ही बारीकी और खूबसूरती से करते थे। उन्होंने भस्मासुर नाटक का निर्देशन भी बड़ी ही बखूबी से किया। प्रह्लाद मेहरा इसके अलावा देवीधुरा के बग्वाल मेले में अपनी आवाज का जादू बिखेरते रहे। पर्वतीय उत्थान मंच में भी वह एक विशेष किरदार की भूमिका निभाते रहे। मेहरा आज हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनकी यादें हमेशा हम सबके बीच में रहेंगी।

तीन बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की छह बाइकें बरामद

रूड़की, एजेंसी। पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक चोरी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह बाइक बरामद की है। सभी बाइकें झबरेड़ा थाने के अलावा भगवानपुर, गंगनहर और पिरान कलियर थाना क्षेत्र से चुराई गई थीं।

झबरेड़ा थाना क्षेत्र के भलस्वागाज निवासी राजीव की बाइक उसके घर से चोरी हुई थी। हथियाथल निवासी बचन की बाइक इकबालपुर साप्ताहिक पीठ बाजार से चुराई गई थी। झबरेड़ा पुलिस ने दोनों बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर बाइक खोजबीन शुरू कर दी थी। थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा ने एक पुलिस टीम का गठन किया था। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो तीन आरोपी चोरी में संलिप्त मिले। इसके बाद पुलिस ने कुंजा बहादुरपुर मार्ग पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक बाइक पर आ रहे तीन लोगों को रोका तो वह भागने लगे लेकिन पुलिस ने आरोपियों को कुछ दूर ही पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो उनके पास से चोरी की छह बाइकें बरामद हुईं। उनमें दो बाइक झबरेड़ा थाना क्षेत्र से, एक बाइक गंगनहर क्षेत्र से, दो बाइक भगवानपुर थाना क्षेत्र से व एक पिरान कलियर क्षेत्र से चोरी की हुई थी। पुलिस ने आरोपियों के नाम अनूप व सौरभ निवासी महेश्री थाना भगवानपुर व कौशिक निवासी तेजूपुर थाना भगवानपुर बताए हैं। थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा ने बताया कि आरोपियों के पास से छह बाइक बरामद की गई हैं।

बाजारों में लगा जाम, पुलिस और अर्धसैनिक बल रहा तैनात

रूड़की, एजेंसी। ईद की खरीदारी के लिए बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी जिससे बाजारों में जाम लग गया। जाम लगता देख अधिकारियों ने पुलिस के साथ-साथ अर्द्धसैनिक बल को भी जगह-जगह तैनात कर दिया ताकि बाजारों में चार पहिया वाहन और ई-रिक्शा प्रवेश न कर सकें।

बृहस्पतिवार को ईद का त्योहार होने के कारण बुधवार को बाजार बंदी के दिन भी मेन बाजार, बीटी गंज और सिविल लाइंस बाजार में दुकानें खुली रहीं। ईद की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ सुबह से ही बाजार में जुटना शुरू हो गई थी। दोपहर बाद बाजारों में खरीदारी के लिए भीड़ जुट गई। खरीदारी करने आए लोग चार पहिया और बाइकों से बाजार में पहुंचे। उन्होंने दुकान और सड़क किनारे अपने वाहन पार्क कर दिए जिससे बाजारों की सड़कें गली में तब्दील हो गई।

वहीं दूसरी तरफ बाजार में दौड़ने वाली ई-रिक्शा ने परेशानी और बढ़ा दी। ऐसे में जाम के हालात बन गए। बाजार में जाम के हालात को देखते हुए सिविल लाइंस, गंगनहर कोतवाली पुलिस के साथ यातायात पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवानों की ड्यूटी नगर निगम पुल, पंडित दीन दयाल उपाध्याय पुल, चंद्रशेखर चौक, बीटी गंज चौक, मच्छी चौक पर लगाई गई ताकि चार पहिया वाहन व ई-रिक्शाओं को बाजार में जाने से रोका जा सके लेकिन रात आठ बजे बाजारों में खरीदारी के लिए भारी भीड़ जुट गई। इससे सभी बाजारों में जाम लग गया। जाम खुलवाने के लिए पुलिसकर्मी और जवान डटे रहे लेकिन हालात सामान्य नहीं हो पाए। ऐसे में खरीदारी करने आए लोगों को परेशानी से गुजरना पड़ा।

वर्तमान की आवश्यकता को देख व्यवसाय का करें चुनाव

गदरपुर, एजेंसी। राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 12 दिनी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे बैच का समापन हुआ। प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना ने उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षुओं से फीडबैक लिया। उन्होंने वर्तमान समय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए व्यवसाय का चुनाव करने पर जोर दिया। नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने उद्यमिता योजना के प्रशिक्षुओं को प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए सुझाव दिया।

वहां पर उद्यमिता विकास संस्थान की सदस्य मंजरी राठौर, अविनाश गुप्ता, डॉ. तनुजा परिहार, डॉ. प्रमोद वर्मा, डॉ. अर्चना वर्मा, मनोज पनेरू, बृजेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

मंदिर में जले दीये से मकान में लगी आग

अल्मोड़ा, एजेंसी। नगर के पास मल्ला चीनाखान में दीये से भड़की आग से अधिवक्ता का मकान जल गया। घर में रखा सामान भी आग की भेंट चढ़ गया। संयोग से उसमें रह रहे लोग सुरक्षित बच गए। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर समय रहते आग पर काबू पाया, इससे बड़ी घटना होने से बच गई।जानकारी के मुताबिक मंदिर में जलते दीये की आग यहां लगे कैलेंडर में भड़क गई जो मकान में फैल गई।

बुधवार तड़के अधिवक्ता भगवती प्रसाद पांडे के मकान के दूसरी मंजिल में अचानक आग लग गई। जब निचले तल में धुएं का गुबार पहुंचा तो पीड़ित और उनके परिजनों को घटना का पता चला। सभी गहरी नींद से उठकर बाहर की तरफ दौड़े और उनकी जान बच सकी। उनके चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। मकान से उठती आग की लपटें देख उनमें भी अफरातफरी मच गई।

लोगों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। तत्परता दिखाते दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। छत के पत्थर निकालकर हौज पाइप की मदद से पानी डालकर दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस घटना में घर में रखा सामान जल गया। अग्निशमन अधिकारी महेश चंद्र ने बताया कि टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। नगर में संचालित एक निजी होटल की छत में रखे सामान में अचानक आग लग गई, इससे होटल संचालक और कर्मियों में अफरातफरी मच गई। होटल के निचले तल में संचालित सूचना विभाग कार्यालय में तैनात कर्मियों में भी दहशत का माहौल रहा। होटल कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाई, इससे बड़ी घटना होने से बच गई। हालांकि मामले की सूचना फायर ब्रिगेड को नहीं दी गई।

दिनदहाड़े तीन बच्चों के अपहरण के शोर से फैली सनसनी

देहरादून, एजेंसी। प्रेमनगर में एक महिला ने दिनदहाड़े तीन बच्चों का अपहरण होने का शोर मचाया तो पूरे बाजार में सनसनी फैल गई। तुरंत पुलिस हरकत में आई और दुकानों में लगे सीसीटीवी खंगाले जाने लगे। मौके पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। एक घंटे की अफरातफरी के बाद तीनों बच्चे एक स्कूल से पास सुरक्षित मिल गए। बच्चों को स्कूटी पर बिठाकर ले जाने वाली महिला को पुलिस ने जमकर फटकार लगाई।

मामला बुधवार सुबह करीब 11 बजे का है। प्रेम नगर निवासी सुनीता का चार साल का बेटा अक्षित नर्सरी दुनिया स्कूल में पढ़ता है। महिला स्कूल से बच्चे को लेकर अपने घर जा रही थी। उसके साथ दो अन्य बच्चे भी थे। बताया जा रहा है कि उसी दौरान स्कूटी सवार एक महिला आई और सुनीता को कहने लगी कि पास में विद्या भारती स्कूल है और वहां वह इन बच्चों को निःशुल्क दाखिला करा देगी। इसके बाद महिला ने तीनों बच्चों को स्कूटी पर बैठा लिया और यह कहते हुए

चली गई कि आप पीछे-पीछे स्कूल आ जाओ, मैं इन्हें वहीं लेकर जा रही हूं। स्कूटी सवार महिला तीनों बच्चों को ले जाने लगी तो सुनीता को कुछ गड़बड़ लगी और उसने अपहरण का शोर मचा दिया। ये सुनते ही मौके पर लोग एकत्र होने लगे, लेकिन जब तक लोग महिला को पकड़ पाते तब तक वह तीनों बच्चों को लेकर दूर जा चुकी थी। अपहरण का शोर सुनते ही आस-पास के व्यापारी भी इकट्ठा होने लगे। महिला समेत कई लोग प्रेमनगर कोतवाली पहुंचे और पुलिस को घटना की सूचना दी।

तीन बच्चों के अगवा होने की सूचना पर पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस ने संदेश फ्लैश कर तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी के माध्यम से महिला की पहचान करने की कोशिश की। उसके बाद पुलिस बाल भारती स्कूल भी पहुंची।

नैनीझील में सेवानिवृत वनकर्मी का उतराता मिला शव

नैनीताल, एजेंसी। नगर की नैनीझील के तल्लीताल थाना क्षेत्र में बुधवार को एक शव उतराता मिला। जिसकी पहचान भवाली श्यामखेत निवासी रमेश आर्य के रूप में हुई। मृतक वन विभाग से सेवानिवृत्त थे और ट्रेजरी के काम से नैनीताल आए थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

बुधवार सुबह तल्लीताल क्षेत्र में झील किनारे टहल रहे राहगीरों ने पुलिस को बुजुर्ग का शव झील में उतराते देखे जाने की सूचना दी। सूचना के बाद तल्लीताल एसओ रमेश बोहरा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कुछ ही दूरी पर एक मोबाइल फोन भी बरामद किया। जिस पर संपर्क करने के बाद मृतक की पहचान की गई।

बिना मान्यता वाले विद्यालयों पर कसा शिकंजा, पांच को नोटिस

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। शैक्षिक सत्र में फीस सहित कापी-किताबों पर हो रही बेतहाशा वृद्धि पर प्रशासन की भौंहे तन गई हैं। शिक्षा विभाग अभियान चलाकर बिना मान्यता संचालित हो रहे निजी विद्यालयों पर कार्रवाई करने जा रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी रुद्रपुर ने पांच विद्यालयों को नोटिस जारी किया है। सात दिन के भीतर मान्यता न लेने पर एक लाख और प्रतिदिन 10 हजार की दर से जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

यूएसनगर में धड़ल्ले से निजी विद्यालय संचालित हो रहे हैं। बिना मानक के अवैध रूप से विद्यालयों में प्रतिवर्ष सैकड़ों की तादाद में एडमिशन किया जा रहा है। इसके एवज में ऐसे निजी विद्यालय अवैध रूप से लाखों रुपये की कमाई कर रहे हैं। अब विभाग ने ऐसे विद्यालयों पर कार्रवाई करने का मन बनाया है। ऐसे विद्यालयों के विरुद्ध लोकसभा चुनाव का मतदान बीतते ही अभियान चलाया जाएगा।

बीईओ रुद्रपुर मो. सावेद आलम ने बिना मान्यता संचालित ट्रांजिट कैंप के दो, ठाकुर नगर के दो सहित पांच विद्यालयों को नोटिस जारी किए हैं। विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए गए हैं कि एक सप्ताह के अंदर सभी मानकों को पूरा करते हुए मान्यता ले लें या विद्यालय का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद कर दें। अन्यथा शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत एक लाख रुपये आर्थिक दंड लगाया जाएगा। साथ ही 10 हजार रुपये प्रतिदिन संचालन के हिसाब से जुर्माना देना होगा।

दस सालों में नहीं हुआ कोई घोटाला : मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

रामनगर, एजेंसी। 2014 से पहले देश में भ्रष्टाचार होता था, लेकिन जब से मोदी सरकार आई है तब से एक भी भ्रष्टाचार व घोटाला नहीं हुआ है। यह बात मालधनचौड़ में पौड़ी लोकसभा सीट से प्रत्याशी अनिल बलूनी के समर्थन में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में मुस्लिम पर्सनल लॉ की बातों को लागू करने की कह रही है। ऐसे में यह घोषणा पत्र मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र लग रहा है। जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपने युवराज (राहुल गांधी) को बार-बार असफल लॉन्च कर रही है। कांग्रेस एक बार फिर से चार जून को ईवीएम को कोसेगी। जब इनकी हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में सरकार बनी तो वहां ईवीएम को दोष नहीं दिया। ये लोग सनातन विरोधी हैं, इनको सबक सिखाने का

समय आ गया है। सीएम ने प्रदेश में यूसीसी, नकल विरोधी कानून, धर्मांतरण कानून, अतिक्रमण अभियान, सरकारी नौकरियों में पारदर्शी ढंग से युवाओं की भर्ती आदि योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के वन ग्रामों में चाक-चौबंद चौबंद व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सशक्त बन रहा है। प्रधानमंत्री उत्तराखंड से विशेष स्नेह रखते हैं और उनके द्वारा राज्य हित में कई विकास योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

लोकसभा सहसंयोजक हेमंत द्विवेदी, पूर्व विधायक बलराज पासी, विधायक दीवान सिंह बिष्ट, जिलाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, प्रताप सिंह बोरा, ब्लॉक प्रमुख रेखा रावत, वीरेंद्र रावत, मदन जोशी, निर्मला रावत, दीपा भारती, रूचि गिरी शर्मा आदि कार्यकर्ता रहे।

शिक्षकों की स्थाई नियुक्ति के बाद कॉलेजों ने नहीं कराई जाति प्रमाणपत्रों की जाँच : केपी सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

एससी/एसटी ओबीसी टीचर्स फोरम दिल्ली विश्वविद्यालय (शिक्षक संगठन) के अध्यक्ष प्रोफेसर के.पी. सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह को पत्र लिखकर मांग की है कि पिछले दो वर्षों में विभागों/कॉलेजों में एससी/एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस व विकलांग के आरक्षित पदों पर हुई शिक्षकों की स्थायी नियुक्तियों के जाति प्रमाणपत्रों की जाँच कराई जाए।

उन्होंने बताया है कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति पिछले दो वर्षों में एससी/एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस व विकलांग के आरक्षित पदों पर हुई है, वहाँ संबंधित कॉलेजों ने अभी तक उनके आरक्षण प्रमाणपत्रों की फोरेंसिक लैब में जाँच नहीं कराई है। उनका कहना है कि सेमेस्टर परीक्षाएँ शुरू होने से पहले या आगामी शैक्षिक सत्र 2024-25 के आरंभ होने से पूर्व जाति प्रमाणपत्रों की जाँच की मांग पुनः की जा रही है। उनका कहना है कि इस समय आरक्षित पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त हुए शिक्षकों का प्रोबेशन टाइम भी पूरा हो चुका है, लेकिन कॉलेजों ने अभी तक उनके जाति प्रमाणपत्रों की जाँच नहीं कराई है।

प्रोफेसर सिंह ने बताया है कि जाति प्रमाणपत्रों की जाँच की मांग इसलिए कि जा रही है कि पिछले कई वर्षों से फर्जी जाति प्रमाणपत्रों के आधार पर फर्जी छात्र एडमिशन ले लेते थे जिससे आरक्षित वर्ग के हकदार छात्र समय पर प्रवेश लेने से वंचित रह जाते थे। प्रोफेसर सिंह का कहना है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में पहली बार बहुत अधिक संख्या में शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति हुई है। ऐसे में आनन फानन में बनाए गए जाति प्रमाणपत्रों की जाँच जरूरी हो जाती है। जाँच प्रक्रिया को व्यवस्थित करना विश्वविद्यालय/कॉलेजों की नैतिक जिम्मेदारी होती है।

आरक्षित पदों पर हुई स्थायी नियुक्ति के शिक्षकों के जाति प्रमाण पत्रों की जाँच इसलिए भी जरूरी है कि अन्य पिछड़ा वर्ग में क्रीमीलेयर संबंधी प्रावधान को जाति प्रमाणपत्र में पूरा करना आवश्यक होता है। इसी तरह कई राज्यों में एससी/एसटी, ओबीसी की जातियों में काफी फेरबदल है। कुछ जातियाँ एक राज्य में एससी कटेगरी में हैं तो दूसरे राज्य में ओबीसी कटेगरी में हैं। इस तरह के जाति प्रमाणपत्रों की राज्यों के अनुसार जाँच बहुत जरूरी हो जाती है। सामान्य वर्ग की जातियों के साथ यही स्थिति उत्तर पूर्व के राज्यों में देखने को मिलती है। अतः ऐसे प्रमाणपत्रों की वैधता के लिए प्रशासनिक स्तर पर जाँच तो की ही जानी चाहिए साथ ही इसकी फोरेंसिक लैब में भी जाँच कराई जानी चाहिए।

प्रोफेसर सिंह का कहना है कि कॉलेजों में एससी/एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस व विकलांग कोटे के जाति प्रमाणपत्रों की मुकम्मल जाँच नहीं की जाती है। दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी कॉलेज ने अपने स्तर पर कोई भी ऐसी कमेटी गठित नहीं की है जो शिक्षकों/कर्मचारियों और छात्रों के जाति प्रमाणपत्रों की जाँच करे। प्रोफेसर सिंह ने बताया है कि यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों / कॉलेजों /संस्थानों को सख्त निर्देश दिया है कि वे अपने यहाँ आरक्षित वर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए और जाति प्रमाणपत्रों की जाँच के लिए एससी/एसटी, ओबीसी सेल बनाएँ। जबकि अधिकांश कॉलेजों ने इस निर्देश पर कोई ध्यान नहीं दिया है। यूजीसी का इस तरह की सेल बनाने के लिए निर्देश देने का कारण स्पष्ट था कि आरक्षित जातियों के शिक्षकों, कर्मचारियों की नियुक्ति एवं पदोन्नति संबंधी भेद-भाव की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर किया जा सके। प्रोफेसर सिंह ने डीयू के कुलपति से यह भी मांग की है कि वह कॉलेजों के प्रिंसिपलों को एक सर्कुलर जारी करें जिसमें यह निर्देश दिया गया हो कि वह अपने कॉलेज में फॉरेंसिक लेब की व्यवस्था करें। इससे कि जाति प्रमाणपत्रों की जाँच संबंधी प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूरा किया जा सके।

कीर्ति नगर में 3 दिन में 2 घरों में लाखों चोरी की वारदात

- 15 किलोमीटर के रूट पर लगे CCTV से खोला राज
- लगभग 16 लाख की ज्वैलरी, 21 लाख कैश बरामद
- अमृतसर से गैंग का मास्टर माइंड भी हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

कीर्ति नगर थाना की पुलिस टीम ने दिनदहाड़े घरों में चोरी करने वाले गैंग का खुलासा किया है। इस मामले में शातिर सेंधमार शिवम सोनकर उर्फ सिब्बू, उसके चचेरे भाई और रिसीवर को भी गिरफ्तार किया गया है। सिब्बू 16 मामलों में शामिल रहा है, यह पिछले महीने 18 मार्च को ही जेल से बाहर आया था और उसके बाद फिर यह तीन दिनों के अंदर दो वारदात को अंजाम देकर पुलिस की नींद उड़ा दी थी। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि इसके पास से 21 लाख से ज्यादा कैश, 15 लाख से ज्यादा की ज्वेलरी, आठ महंगी घड़ियां, तीन मोबाइल इत्यादि बरामद किए हैं। दो मामलों का खुलासा किया गया है, जो इन्होंने घरों में अंजाम दिए थे। एसीपी विजय सिंह की देखरेख में एसएचओ संजीव डोढ़ी, इंस्पेक्टर अरविंद कुमार की टीम ने मामले की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पता लगाने में कामयाब हुई। कीर्ति नगर से जहांगीरपुरी तक के 15 किलोमीटर की दूरी में लगे सीसीटीवी फुटेज को चेक किया गया। इस दौरान पुलिस को पता चला कि रास्ते में तीन ऑटो को चेंज किया गया है। पुलिस टीम छानबीन करती हुई जी ब्लॉक जहांगीरपुरी पहुंच गई है फिर वहां से एक को पकड़ा गया। फिर रिसीवर की पहचान अश्विनी कुमार के रूप में हुई है, उसकी ज्वेलरी शॉप है। उसके बाद पुलिस ने पंजाब में छापा मारा और वहां से गैंग के मास्टरमाइंड शिवम सोनकर को दबोचा। उसके पास से गोल्ड और डायमंड की ज्वैलरी और मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।

197वीं जयंती पर सामाजिक सदाशयता के क्रांतिदूत महात्मा ज्योतिबा फुले को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

- शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में महात्मा ज्योतिबा फुले का स्मारक बनवाने की मांग की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

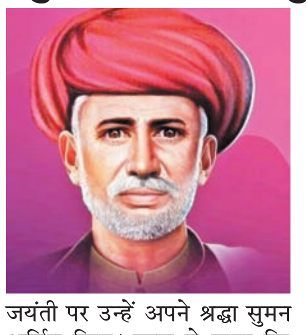

नेशनल चाइल्ड एंड वूमेन डेवलपमेंट चेरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने आज संघ के मुख्यालय बरवाला में महात्मा ज्योतिबा फुले की 197वीं जयंती पर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले सामाजिक सदाशयता के क्रांतिदूत थे। उन्होंने ही सर्वप्रथम महिला शिक्षा के महत्व को समझा और उसके क्रियान्वयन के लिए अपनी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फुले के सहयोग से बाधाओं के बावजूद सफलता अर्जित की। शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से एक्स पर पोस्ट करके उनसे महात्मा ज्योतिबा फुले की स्मृति में नई दिल्ली में एक स्मारक बनवाने की मांग की है।

दिल्ली शराब नीति केस: बीआरएस नेता के. कविता की मुसीबत बढ़ी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तेलंगाना के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता की मुश्किलें थमती नहीं नजर आ रही हैं। ताजा मामले में सीबीआई ने बृहस्पतिवार बीआरएस नेता के. कविता को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत से गिरफ्तार किया है। वह फिलहाल राष्ट्रीय राजधानी स्थित तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में बंद हैं। पिछले शनिवार को सीबीआई ने उनसे जेल के अंदर पूछताछ की थी। जिसके बाद आज सीबीआई ने यह एक्शन लिया है। के. कविता आज तिहाड़ जेल में ही रहेंगी। सीबीआई ने कल शुक्रवार को उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग करेगी। इससे पहले सीबीआई ने बुधवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में एक आवेदन दायर कर के. कविता से पूछताछ करने की अनुमति मांगी थी। इस पर कोर्ट ने एजेंसी को आदेश मिल गया था। बीआरएस नेता के. कविता को झटका, कोर्ट ने 23 अप्रैल तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं के. कविता उल्लेखनीय है कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 9 अप्रैल दिन मंगलवार को के. कविता की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी थी। इससे पहले शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को तिहाड़ जेल में उनसे पूछताछ करने की अनुमति दे दी थी। ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद से लिया था हिरासत में मालूम हो कि ईडी ने मामले में उन्हें 15 मार्च को हैदराबाद से हिरासत में लिया और अगले दिन दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें सात दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया था और 23 मार्च को अदालत ने केंद्रीय एजेंसी को उनकी तीन और दिनों की हिरासत दी थी। के. कविता पर ईडी का आरोप है कि उन्होंने अन्य लोगों के साथ मिलकर आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में लाभ पाने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ साजिश रची।

राधास्वामी संगठन द्वारा आयोजित कार्यकर्ता सम्मान समारोह धूमधाम से संपन्न

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राधास्वामी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा के जन्मदिवस के अवसर पर कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में विभिन्न जगह से आए कार्यकर्ताओं ने भाग लिया तथा अपने अपने विचार रखें। इस अवसर पर जितने भी कार्यकर्ता समर्पण एवं निष्ठा भाव से कार्यकर रहे हैं और जितने भी कार्यकर्ता कार अचीवर्स बने है, उन्हें राधास्वामी संगठन की तरफ से सम्मानित किया गया तथा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार की अध्यक्षता में उन सभी कार्यकर्ताओं को अध्यक्ष जी की तरफ से कार प्रदान की गई।

इस अवसर पर राधास्वामी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक शर्मा, कोषाध्यक्ष अरुण शर्मा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सुनील कुमार, पूर्वी गाजियाबाद की जिला प्रभारी किरण प्रजापति, सूर्यदेव प्रजापति, सत्येन्द्र सिंह, वरुण राघव, महेन्द्र प्रजापति एवं रामपुर उत्तर प्रदेश के जिला प्रभारी जुबेर सहित संगठन के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई थी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा ने संगठन के कार्य व गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह संगठन एक सामाजिक संगठन है। यह समाज के सभी समुदाय के लोगों के लिए घर बनाने, किराना सामान उपलब्ध कराने, बच्चों की शिक्षा व बहन व बेटियों की शादी में आर्थिक मदद करती है। स इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि संगठन का उद्देश्य है कि बेटी बहन की शादी में किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो व परिवार खुशी खुशी अपनी बहन बेटी की शादी संपन्न कर सके। उन्होंने कहा कि संगठन इस प्रकार के सहयोगात्मक कार्य करती रहेगी ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके।

पति-पत्नी की शातिर जोड़ी को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। वेस्ट जिले के विकासपुरी थाना पुलिस ने पति-पत्नी की ऐसी शातिर जोड़ी को गिरफ्तार किया है, जो मिलकर आपराधिक वारदातों को अंजाम देते थे. पुलिस के अनुसार अब तक इन दोनों ने मिलकर 30 से अधिक आपराधिक वारदातों को अंजाम दिया है.वेस्ट जिले के डीसीपी विचित्र वीर से मिली जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी का नाम प्रशांत और मनिंदर कौर है. पुलिस ने बताया कि पति पर 23 आपराधिक मामले दर्ज हैं. जबकि, पत्नी पर सात मामले दर्ज हैं. दरअसल, कुछ दिन पहले ही विकासपुरी थाना इलाके में एक स्कूटी चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी तब पुलिस को यह कतई अंदाजा नहीं था कि जिन दो अपराधियों ने इस चोरी की वारदात को अंजाम दिया है वह कोई और नहीं बल्कि पति-पत्नी है. पुलिस ने जब छानबीन शुरू की तो वारदात वाली जगह और उसके आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी चेक किया. तब पुलिस के लिए भी वह फुटेज किसी हैरानी से कम नहीं थी. जब पुलिस को इस बात का पता चला की चोरी करने वाले में एक औरत शामिल है. फिर पुलिस ने टेक्निकल इंटेलिजेंस के साथ-साथ लोकल इनफार्मर की मदद से पहले आरोपी महिला को पकड़ा और फिर उसकी निशानदेही पर उसके पति को गिरफ्तार किया. बता दें, यह लोग दिल्ली के अलग-अलग इलाके में चोरी और झपटमारी की वारदातों को अंजाम देते थे. फिलहाल, पुलिस ने चोरी किया हुआ स्कूटी बरामद कर लिया है. पुलिस का दावा है कि इन दोनों की गिरफ्तारी से दो मामले फिलहाल सुलझाए गए हैं, दोनों पति-पत्नी को तिहाड़ जेल भेज दिया गया है.

नौकरी के नाम पर ठगने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक जालसाज को पुलिस की साइबर सेल ने छह अप्रैल को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय विशाल आहूजा के रूप में हुई। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि 28 मार्च को सागर रंगा ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर हुई अपने साथ ठगी की ऑनलाइन शिकायत दर्ज की थी। इस पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। आरोपी ने पूसा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पढ़ाई की है। वह केएफसी और पिज्जा हट में नौकरी भी कर चुका है। पिछले साल एक दुर्घटना का शिकार होने के बाद उसने नौकरी छोड़ दी। घर का खर्च चलाने के लिए वह धोखाधड़ी करने लगा। उसके पास से पुलिस ने दो मोबाइल फोन, सिम कार्ड और एक लैपटॉप बरामद किया।

बीमार पेड़ों का उपचार करने के लिए एनडीएमसी ने ट्री-एम्बुलेंस लांच की

- इसमें 750 लीटर और 250 लीटर भंडारण क्षमता वाले दो पानी के टैंक और जेट पंप लगे हुए हैं। जिसमें उपकरण, कीटनाशक रखने और ले जाने की व्यवस्था है।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र के बीमार पेड़ों का उपचार करेगी। इसके लिए गुरुवार को ट्री-एंबुलेंस लांच किया है। ट्री-एम्बुलेंस का उपयोग बीमारियों, कीटों और दीमक आदि से पीड़ित पेड़ों के इलाज के लिए किया जाएगा। इस पर कर्मी भी तैनात रहेंगे। एनडीएमसी प्रवक्ता के मुताबिक एनडीएमसी क्षेत्र में 1.80 लाख पेड़ों सहित समृद्ध हरियाली है। पेड़ की सर्जरी की प्रक्रिया संक्रमित या खोखले हुए हिस्से को हटाने, उसे ब्रश से साफ करने, ठीक से धोने, संक्रमित हिस्से पर कीटनाशक, फफूंद-नाशक लगाने और खोखले तने को फोम जैसे अक्रिय पदार्थ से भरने और चिकन जाल से ढकने से शुरू होती है। एनडीएमसी ने जिस ट्री-एंबुलेंस को लांच किया है वह इको-फेंडली सीएनजी आधारित वाहन है। इसमें 750 लीटर और 250 लीटर भंडारण क्षमता वाले दो पानी के टैंक और जेट पंप लगे हुए हैं। जिसमें उपकरण, कीटनाशक रखने और ले जाने की व्यवस्था है। ट्री एंबुलेंस पर प्रशिक्षित कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

नई दिल्ली क्षेत्र में एनडीएमसी लगभग 1500 एकड़ हरित क्षेत्र और 135 हरित सड़कों, 10 प्रमुख पार्क, 1400 आवासीय कॉलोनी पार्क, 3 हाई-टेक नर्सरी, 3 अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर आधारित पार्क सहित 10 विभागीय नर्सरी का रखरखाव कर रही है। जिनमें 3 मेमोरियल पार्क, हैप्पिनेस एरिया और नेहरू पार्क, लोदी गार्डन, तालकटोरा गार्डन और संजय झील, चिल्ड्रेन पार्क-इंडिया गेट, सेंट्रल पार्क-कनॉट प्लेस, सीडब्ल्यूजी पार्क, शांति पथ जैसे प्रतिष्ठित उद्यान शामिल है।

वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी के 5 दोपहिया वाहन बरामद

- उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि एएटीएस टीम को लोनी गोल चक्कर के पास वाहन चोर के आने की सूचना मिली थी।

नई दिल्ली। वाहन चोरी के आरोप में उत्तर पूर्वी जिला एएटीएस टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी अभिषेक उर्फ छोटू है। पुलिस ने उसके पास से चार स्कूटी, एक बाइक समेत कुल पांच वाहन बरामद किए है। उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि एएटीएस टीम को लोनी गोल चक्कर के पास वाहन चोर के आने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने जांच करते हुए इलाके में पिकनिक हाट पार्क के पास जाल बिछाकर आरोपी बाइक सवार वाहन चोर को मौके से धर दबोचा। जांच में बाइक जाफराबाद इलाके से चोरी पाई गई। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने नशे की लत को पूरा करने के लिए वारदातें करता था। उसकी निशानदेही पर चोरी की चार अन्य स्कूटी बरामद की है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

कार से लडकी को रैंदने वाला आरोपी कार चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली। कार से लडकी को रैंदने वाले आरोपी को नदंनगरी थाना पुलिस ने किया है। पकड़ा गया आरोपी सन्नी रावल है। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी डॉक्टर जॉय टिर्की ने बताया कि शिकायतकर्ता दीपक कुमार परिवार के साथ हर्ष विहार इलाके में रहता है। उसकी छावड़ा कॉलोनी, शालीमार गार्डन, उत्तर प्रदेश में आरओ वाटर प्योरिफायर की दुकान है। उसकी दुकान में चार अन्य लोग काम करते हैं। उसकी दुकान में अबीबा नामक एक लडकी भी कार्य करती है। वह दुकान में रिसेप्शनिस्ट है। अबीबा परिवार के साथ सुंदर नगरी में रहती है। उसके परिवार में पिता, दो छोटे भाई और तीन बहने हैं। मां की एक महीने पहले ही मौत हुई है, जो बीमार थी। वह दोपहर को अपने मालिक दीपक कुमार की बाइक पर सवार होकर नंद नगरी तांगा स्टैंड स्थित एक ऑटो पार्ट्स की शॉप पर जा रही थीं। तांगा स्टैंड पहुंचने पर एक कार से बाइक टकरा गई। इससे बाइक का बैलंस बिगड़ा। अबीबा रोड की दाई तरफ बाइक से नीचे आ गई। कार वाले ने पीछे करने के बाद अचानक स्पीड बढ़ा दी, जिसकी चपेट में अबीबा आ गई। आरोपी ड्राइवर कार को उसके ऊपर से गुजार कर भाग गया। घायल हालत में दीपक उसे सडक किनारे लाए और अस्पताल ले गए। पूरा हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। इसके आधार पर पुलिस ने कार चला रहे आरोपी की पहचान कर उसे पकड़ लिया गया। अबीबा अभी वेंटिलेटर पर है, जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस कार चालक से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

इंटरनेशनल चिल्ड्रन मस्ती डे आर्य सभागार दिल्ली में आयोजित

नई दिल्ली । यूनाइटेड अरब अमीरात के हंसी के ब्रांड अम्बेस्डर एवं अंतराष्ट्रीय लाफ्टर योगा को देश विदेश में फैलाने वाले योग गुरु सुमन सुनेजा ने आर्य सभागार ईस्ट ऑफ कैलाश अंतर्राष्ट्रीय चिड्रन्स मस्ती डे -2024 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बच्चे इंटरैक्टिव गेम, गाने और नृत्य जिसमें हस दे इंडिया, हंसी और डांस और बॉलीवुड डांस जैसी मूल रचनाएँ शामिल हैं वह प्रस्तुत दी। अंतर्राष्ट्रीय लाफ्टर योग गुरु सुमन सुनेजा ने इस आयोजन के बारे में उपस्थित जनसमूह को बताया कि चिल्ड्रन मस्ती दिवस 2024 मनाने का उद्देश्य बच्चों को मूल्यवान जीवन कौशल सिखाना है। सुमन सुनेजा ने बताया की विषम परिस्थितियों में भी कैसे खुश और तनाव मुक्त रहें। अंतर्राष्ट्रीय चिल्ड्रन मस्ती दिवस के पुरोधा श्री सुमन सुनेजा बच्चों को मजेदार गतिविधियों और हँसी की तकनीकों के माध्यम से मानसिक तनाव को दूर करके और सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के कई टिप्स बच्चों की सिखाये। सुमन सुनेजा के मुताबिक मानसिक शक्ति के लिए हँसी ही एकमात्र उपाय है। आप हँसी की तकनीकें मानसिक विश्राम और खुशी को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। ज्ञात हो कि सकारात्मक रोल मॉडल और अंतर्राष्ट्रीय लाफ्टर योग गुरु सुमन सुनेजा, दुबई के एक सम्मानित लाफ्टर एंबेसडर, युवा दर्शकों के लिए एक प्रेरणादायक छवि प्रदान करते रहे हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुमन सुनेजा ने कहा कि हँसी या हसना योग एक जानबूझकर किया जाने वाला व्यायाम है जिसमें लंबे समय तक स्वैच्छिक हँसी को बढ़ावा देने के लिए गति और यौगिक साँस लेने के व्यायाम (प्राणायाम) शामिल हैं। यहां किसी चुटकुले की जरूरत नहीं है। हंसी नकली हो सकती है, और मानव शरीर और दिमाग को पता नहीं चलता कि यह नकली है।

एक दिन की महिला डूसू अध्यक्ष के रूप में तीसरे दिन अंशिता चौहान ने संभाला कार्यभार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) द्वारा छात्र राजनीति में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की 10 दिन 10 महिला अध्यक्ष की पहल के तहत तीसरे दिन गुरुवार को दौलतराम कॉलेज की छात्रा अंशिता चौहान ने एक दिन की डूसू महिला अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला. इस दौरान अंशिता ने बताया कि आज डूसू अध्यक्ष के रूप में छात्र हित में डीयू के सभी कॉलेजों के आसपास के पीजी की सूची बनाने की मांग उठाई है, जिससे दूसरे राज्यों से डीयू में दाखिला लेने वाले छात्रों को पीजी के लिए ज्यादा भटकना न पड़े.

इसके अलावा डूसू अध्यक्ष ने सभी कॉलेजों में छात्राओं के लिए सेनेटरी पैड के लिए वेडिंग मशीन लगाने और सभी कॉलेजों के टॉयलेट की साफ-सफाई और उनमें 24 घंटे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई. उन्होंने कहा कि डूसू ने छात्राओं को इस तरह से नवरात्रि में एक-एक दिन की डूसू अध्यक्ष बनाने की जो पहल की है उसके लिए डूसू अध्यक्ष तुषार डेढ़ा का धन्यवाद देती हूं.

बता दें, अंशिता दौलतराम कॉलेज में बॉटनी ओनर्स प्रथम वर्ष की छात्रा हैं. वह हिमाचल प्रदेश के शिमला की रहने वाली हैं. उल्लेखनीय है इससे पहले मंगलवार को सत्यवती कॉलेज की छात्रा साक्षी पटेल और बुधवार को किरोड़ीमल कॉलेज की छात्रा प्रीति सिंह नैन ने एक दिन की डूसू महिला अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था. इस दौरान प्रीति सिंह ने डूसू अध्यक्ष के रूप में छात्र हित में डीयू के सभी कॉलेजों में दिव्यांग छात्रों के लिए इनेबलिंग यूनिट (सक्षमता इकाई) स्थापित करने की मांग उठाई है. साथ ही किरोड़ीमल कॉलेज में गर्ल्स हॉस्टल बनाने की मांग भी की है. किरोड़ीमल नॉर्थ कैंपस का अकेला ऐसा कॉलेज है, जिसमें गर्ल्स हॉस्टल नहीं है. वहीं, साक्षी ने डीयू के सभी कॉलेजों में तीन सुविधाएं बढ़ाने की मांग उठाई थी. इनमें पहली सुविधा हर कॉलेज में किताबों का बैंक बनाने, दूसरी एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज को बढ़ाने और तीसरी कक्षाओं के बीच में जो गैप रहता है उस गैप को कम करने की मांग शामिल है. बता दें कि डूसू की ओर से 10 महिला अध्यक्ष चुनी गई छात्राएं अलग-अलग कॉलेज और अलग-अलग राज्यों से संबंध रखती हैं. आज दिल्ली विश्वविद्यालय में ईद की छुट्टी है लेकिन छात्र संघ कार्यालय खुला हुआ है.

बल, वीरता के साथ नम्रता, सौम्यता देती है मां चंद्रघंटा

नई दिल्ली। ब्रह्मलीन सदगुरु श्री राजमाता जी महाराज द्वारा स्थापित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर गोरख पार्क शाहदरा में स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में चल रहे 120वा नवरात्रि महोत्सव एवम शक्ति अनुष्ठान के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा देवी की विधिवत पूजा अर्चना की गई। संस्थान के सहप्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में नवरात्र महोत्सव के तीसरे दिन संस्थान के महापुरुषों द्वारा भोर के समय चंडी यज्ञ में आहुतियां अर्पित करते हुए मां चंद्रघंटा की धूप दीप नैवेद्य अर्पित करते हुए पूजा अर्चना की गई।मां चंद्रघंटा के घंटे की ध्वनि से राक्षसों का नाश हो जाता है।जिसका तत्वज्ञान यह है कि मां चंद्रघंटा के मस्तक पर शीतलता का सूचक अर्धचंद्र शोभायमान है।जोकि साधक को शांति प्रदान करता है।मानव की सबसे बड़ी शक्ति शांति ही है जिसके पास शांति रूपी शक्ति है वह अपने किसी भी दुर्गुण काम क्रोध ईर्ष्या अहंकार रूपी दानव राक्षस का निर्मूल नाश करने में सक्षम हो जाता है।मंदिर प्रांगण में प्रसिद्ध गायक महंत दलीप चोपड़ा जी जोकि विभिन्न चैनलों पर भजन गायक के रूप में विख्यात हैं उन्होंने अपने साथी कलाकारों के साथ महामाई का गुणगान करते हुए कभी भाव विभोर करके नेत्रों में जल तो कभीभक्तसमूह को नाचने पर विवश कर दिया।नृत्य नाटिका कलाकारों द्वारा श्री राधेकृष्ण जी की नृत्य नाटिका श्यामा रोज न बजाया करो बंसरीह्वभजन पर प्रस्तुत की गई जिस पर हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित हुआ। भक्तो ने पंक्तिबद्ध होकर गर्भगृह स्थित गुफा में मत्था टेकने के बाद फलाहार भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आखिर में सामूहिक रूप से दुर्गा चालीसा का पाठ किया गया भक्त लोगो में जिसका विशेष महत्व बताया गया।

वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी के 5 दोपहिया वाहन बरामद

नई दिल्ली। वाहन चोरी के आरोप में उत्तर पूर्वी जिला एएटीएस टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी अभिषेक उर्फ छोटू है। पुलिस ने उसके पास से चार स्कूटी, एक बाइक समेत कुल पांच वाहन बरामद किए है। उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि एएटीएस टीम को लोनी गोल चक्कर के पास वाहन चोर के आने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने जांच करते हुए इलाके में पिकनिक हाट पार्क के पास जाल बिछाकर आरोपी बाइक सवार वाहन चोर को मौके से धर दबोचा। जांच में बाइक जाफराबाद इलाके से चोरी पाई गई। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने नशे की लत को पूरा करने के लिए वारदातें करता था। उसकी निशानदेही पर चोरी की चार अन्य स्कूटी बरामद की है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता, गतिशक्ति, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदाएं (टू पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती हैं:–

टेंडर संख्या / तारीख	SnT-GSU-MB-01-2024-25 09.04.2024
कार्य का नाम	"Provision of Double Distant in connection with Speed raising in MB-SRE section over Moradabad Division." [मुरादाबाद मंडल पर MB-SRE अनुभाग में गति बढ़ाने के संबंध में डबल डिस्टेंस सिग्नल का प्रावधान]
कार्य पूरा करने की अवधि	11 (ग्यारह) माह
विज्ञापित मूल्य(₹)	₹17,85,77,545.84 (रुपये सत्रह करोड़ पिचासी लाख सतहत्तर हजार पांच सौ पैंतालीस और चौरासी पैसा मात्र)
अग्रिम राशि(₹)	₹10,42,900/- (रुपये दस लाख बयालीस हजार नौ सौ मात्र)
ऑफर की वैधता	90 दिन निविदा खुलने की तिथि से
ई–निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा आई.आर.ई.पी.एस. की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 19.04.2024 से 03.05.2024 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। निविदा दिनांक 03.05.2024 को 15:30 बजे खोली जाएगी।
विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र	निविदा दिनांक 09.04.2024 से 03.05.2024 को 15:00 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।

• ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती हैं। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।

सं.: Dy.CSTE/GSU/MB/Publication-01/24-25 दिनांक: 09.04.2024 1057/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-निविदा (ई-प्रोक्यूरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई–निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम : सहायक मंडल अभियंता/नई दिल्ली के तहत वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/कार्य/नई दिल्ली/स्टेशन के अनुभाग में शौचालयों सहित पावर केबिन की मरम्मत और जल आपूर्ति परिसर आदि की मरम्मत और अन्य संबद्ध कार्य और सहायक मंडल अभियंता/नई दिल्ली के तहत वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/कार्य/नई दिल्ली/लाइन के अनुभाग में आनंद विहार स्टेशन के सेक्शन में वाशिंग लाइन 1 से 5 तक जल निकासी व्यवस्था में सुधार।
2	कार्य की अनुमानित लागत : रु. 2,04,96,223.66/- (मात्र दो करोड़ चार लाख छियानवे हजार दो सौ तेईस रुपये छियासठ पैसे)
3	बयाना राशि : रु. 2,52,500/- (दो लाख बावन हजार पांच सौ रुपये)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य : रु. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय : 03.05.2024 को 15:00 बजे तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है : निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन : 04-400-32

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए।
• सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।
• मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
• निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128-W/280/ई-निविदा सूचना/10/2024-25/W-3 दिनांक: 10.04.2024 1069/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा (ई–प्रोक्यूरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई–निविदा आमंत्रण ।

1.	कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता/दिल्ली के तहत वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/रेलपथ/शकूरबस्ती के अनुभाग में गंदगी/मलबा, चिथड़े, रात की मिट्टी आदि से रेलवे पट्रियों की सफाई।
2.	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये)	Rs. 89,99,442.00/– (मात्र नवासी लाख निन्यानवे हजार चार सौ बयालीस रुपये)
3.	बयाना राशि (रूपये)	Rs. 1,80,000/– (एक लाख अस्सी हजार रूपये)
4.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	Rs. 0.00
5.	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	30.04.2024 को 15.00 बजे तक
6.	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। सं: 128–W/280/ई–निविदा सूचना/07/ 2024–25/W–3 दिनांक: 10.04.2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1071/24

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ी कालकाजी की जनता, इस बार जेल का जबाव, वोट से देगी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

- वरिष्ठ आप नेता आतिशी व दक्षिणी दिल्ली से लोकसभा प्रत्याशी सहीराम पहलवान ने जेल का जबाव, वोट से कैंपेन के तहत गोविन्दपुरी एक्सटेंशन, कालकाजी में की पदयात्रा और डोर टू डोर कैंपेन
- आप के कैंपेन को मिला लोगों का जबरदस्त समर्थन, लोग अपने मुख्यमंत्री की गिरफ़्तारी से नाराज कहा- लोकसभा चुनावों में भाजपा को अपने इस षड्यंत्र का जबाव मिलेगा

वरिष्ठ आप नेता आतिशी व दक्षिणी दिल्ली से लोकसभा प्रत्याशी सहीराम पहलवान ने जेल का जबाव, वोट से कैंपेन के तहत गोविन्दपुरी एक्सटेंशन, कालकाजी में की पदयात्रा और डोर टू डोर कैंपेन किया। गोविन्दपुरी कालकाजी में आप के इस कैंपेन को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला। लोग अपने मुख्यमंत्री की गिरफ़्तारी से नाराज दिखे और कहा कि- लोकसभा चुनावों में भाजपा की अपने इस षड्यंत्र का जबाव जरूर मिलेगा। लोगों ने कहा कि, अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के लोगों को अपना परिवार माना है, उनके खिलाफ ऐसा अत्याचार हम बर्दाश्त नहीं करेंगे; भाजपा को इसका परिणाम भुगतना होगा। हम इस बार जेल का जबाव, वोट से देंगे।

इस मौके पर वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने कहा कि, दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल जी को प्यार करते है। लोगों को पता है कि, अरविंद केजरीवाल जी ही है जिन्होंने सरकारी स्कूलों को वर्ल्ड क्लास बनाकर आम लोगों के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दी। केजरीवाल जी ही है जिन्होंने दिल्ली के 2 करोड़ लोगों को अपना परिवार माना है और उनके लिए, शानदार अस्पताल, मोहल्ला क्लिनिक की व्यवस्था की है, शानदार स्वास्थ्य व्यवस्था दी है। केजरीवाल जी ही है जिन्होंने दिल्ली के लोगों को बेहतर सुविधाएँ दी है।

ऐसे में अरविंद केजरीवाल जी की गिरफ़्तारी से लोगों में बहुत रोष है। लोग जानते है कि अरविंद केजरीवाल जी की गिरफ़्तारी साज़िश के तहत की गई है। केजरीवाल जी को झूठे आरोपों में गिरफ़्तार किया गया है। ऐसे में इस गिरफ़्तारी से लोग बहुत गुस्सा है। और इस गिरफ़्तारी का गुस्सा लोग अपने वोट के साथ दिखाएँगे, चुनावों में दिखाएँगे। इस लोकसभा चुनाव में लोग आम आदमी पार्टी को वोट देकर जिताएँगे।

आतिशी ने कहा कि, दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को गिरफ़्तार कर मोदी जी और भाजपा ने बहुत बड़ी गलती की है। हर तानाशाह का अंत होता है और मोदी जी और भाजपा की ये गलती उनकी तानाशाही का अंत साबित होगा। दिल्ली वाले अपने मुख्यमंत्री से बहुत प्यार करते है और मोदी जी और भाजपा को इस अति का जबाव उन्हें दिल्ली और पूरा देगी।

इस मौके पर लोगों ने कहा कि, भाजपा द्वारा केजरीवाल जी के साथ की ज्यादती से हम बहुत ज्यादा दुखी है। अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के लोगों को अपने परिवार की तरह माना है। हर दिल्लीवासी की सुख-सुविधाओं का ख्याल रखा है। उन्हें साज़िश के तहत गिरफ्तार किया गया है। अपने मुख्यमंत्री के खिलाफ हम ऐसा अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। भाजपा को इसका कड़ा परिणाम भुगतना होगा। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा को इस साज़िश का, मुख्यमंत्री जी को जेल में डालने का जवाब हम भाजपा को अपने वोट से देंगे।

डोर टू डोर कैंपेन के दौरान गोविन्दपुरी एक्सटेंशन की जनता ने कहा कि, मुश्किल की इस घड़ी में हम अपने मुख्यमंत्री के साथ खड़े है। हमारा आशीर्वाद अरविंद केजरीवाल जी के साथ है। भाजपा हमारे नेता को जेल में डालकर उनका इस्तीफा लेना चाहती है। हम अपने मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हैं कि वह किसी भी हाल में, किसी भी परिस्थिति में अपना इस्तीफा न दें। लोगों ने कहा कि, अरविंद केजरीवाल जी को हमने मुख्यमंत्री चुना था, वही हमारे मुख्यमंत्री रहेंगे।

3 जिला, 3 वारदात, यूपी और दिल्ली में रेड

- मास्टरमाइंड सहित 4 गिरफ्तार
- साउथ ईस्ट, सेंट्रल और ईस्ट दिल्ली में हुई थी वारदात

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश और दिल्ली के कार जैकर और लुटेरे को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पिस्टल, देसी तमंचा, लूटी गई कार, चाकू और लूट गए सामान को बरामद किया है। गैंग का मास्टरमाइंड रोहित उर्फ छोटू है, जो पहले से 60 से ज्यादा मामलों में शामिल है। इसके ऊपर हत्या के प्रयास, घरों में चोरी, आर्म्स एक्ट के मामले चल रहे हैं। जबकि इसका साथी अनिल उर्फ रोहन भी आठ मामलों में शामिल है। इसके ऊपर हत्या के प्रयास, घरों में चोरी के मामले शामिल हैं। डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि 7 अप्रैल को देशबंधु गुप्ता रोड थाना क्षेत्र में आधी रात कार लूट की सनसनीखेज वारदात हुई थी। उसके बाद पता चला कि यमुनापार इलाके के लक्ष्मीनगर में 247 में लूट की वारदात की गई थी। उस वारदात में डीबीजी रोड से लूटी गई स्विफ्ट कार का इस्तेमाल किया गया था।

पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज से जांच शुरू की। टेक्निकल सर्विलांस और लोकल इनफॉरमेशन की भी मदद ली गई। जिसके बाद रोहित उर्फ छोटू की पहचान की गई। उसके बाद स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर रोहित कुमार की पुलिस टीम ने कई जगह रेड की और फिर एक एक करके गैंग के चार बदमाशों को दबोचने में कामयाब हुई। पकड़े गए बदमाशों में दिल्ली के सरिता विहार का रहने वाला रोहित उर्फ छोटू के अलावा रणजीत नगर का देश दीपक, गाजियाबाद के अनिल उर्फ रोहन और राजेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने देश बंधु गुप्ता रोड से लूटी गई स्विफ्ट कार, साउथ दिल्ली से चुराई गई आई 10 कार, लक्ष्मी नगर स्टोर से लूटा गया सामान बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार पहले इन्होंने अमर कॉलोनी इलाके से 10 कार चुराई थी। उससे देशबंधु गुप्ता रोड में स्विफ्ट कार लूटने आए थे। यहां से कार लूटने के बाद तीसरी वारदात इन्होंने लक्ष्मी नगर में की थी। इन तीनों ही मामलों का खुलासा पुलिस ने कर लिया है।

गुरुग्राम बॉर्डर पर लग्जरी गाड़ी में शराब तस्करी का खुलासा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

बॉर्डर पार से शराब तस्करी के एक मामले का खुलासा करते हुए कापसहेड़ा थाना की पुलिस टीम ने 2000 क्वार्टर शराब का बरामद किया है। इस मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान जय राम के रूप में हुई है। यह गुरुग्राम का रहने वाला है। शराब तस्करी में इस्तेमाल लग्जरी गाड़ी को भी पुलिस ने जप्त कर लिया है। डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि इस शराब तस्कर के बारे में पुलिस को एक इनफार्मेशन मिली थी। यह बॉर्डर पार हरियाणा से शराब की खेप कापसहेड़ा इलाके में लेकर आ रहा है। उस सूचना पर एसएचओ नवीन कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने गुरुग्राम कापसहेड़ा बॉर्डर पर ट्रैप लगाया। एक हुंडई एजेंट गाड़ी को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके अंदर 40 कार्टून शराब के भरे हुए मिले। जिसके अंदर से 2000 क्वार्टर बरामद किए गए। शराब और गाड़ी को जप्त कर लिया गया और आरोपी के खिलाफ दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया गया।

बामनोली गांव के दो स्नेचर द्वारका में लूटा था मोबाईल

- स्पेशल स्टाफ ने उन्हीं के गांव में रेड करके दोनों को दबोचा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने दो हेबीच्युअल स्नेचर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो मोबाइल और एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। इनकी पहचान विपिन और निखिल कुमार के रूप में हुई है। यह दोनों ही कापसहेड़ा इलाके के रहने वाले हैं। इनकी गिरफ्तारी से पुलिस ने द्वारका साउथ और द्वारका सेक्टर 23 थाना के दो मामलों का खुलासा करने का दावा किया।

डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 6 अप्रैल को द्वारका सेक्टर 23 इलाके में स्नेचिंग की वारदात हुई थी। उस मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया था। जानकारी मिली कि पीड़ित जब फिरनी रोड बामनोली की तरफ से जा रहा था। इस दौरान बाइक सवार दो लड़कों ने उसका मोबाइल छीन लिया।

इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में एसआई विजेंद्र सिंह, जयवीर सिंह की टीम ने छानबीन शुरू की। वारदात वाली जगह से सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और इस आधार पर आगे की छानबीन करती हुई पुलिस टीम बामनोली गांव पहुंची। वहां पर पता लगा करके विपिन को धर दबोचा और उसके साथी निखिल को भी पकड़ा गया। उनके पास से दो मोबाइल बरामद किया गया और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी भी। पूछताछ से पता चला कि पालम विहार थाना इलाके में स्नेचिंग के मामले में गिरफ्तार होने के बाद विपिन को कोर्ट से सजा भी हुई थी। उसके बाद से वह निखिल के साथ मिलकर फिर से इस तरह की वारदात को अंजाम देने लगा।

जीटीटीसीआई ट्रेड चैंबर ने विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

जीटीटीसीआई ट्रेड चैंबर और सूरीनाम के राजदूत महामहिम अरुणकोएमर हार्डियन ने विश्व स्वास्थ्य दिवस 2024 के उपलक्ष्य में कार्यक्रम की मेजबानी की जीटीटीसीआई ट्रेड चैंबर ने सूरीनाम के राजदूत एचई अरुणकोएमर हार्डियन के सहयोग से विश्व स्वास्थ्य दिवस 2024 को चिह्नित करने के लिए सूरीनाम दूतावास, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में सूरीनाम के राजदूत, महामहिम श्री एच डिलम सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों के साथ एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा हुई; मॉरीशस की उच्चायुक्त, महामहिम श्रीमती लालटियाना एकौचे; सेशेल्स के राजदूत, महामहिम श्री हसन अली उस्मान महमूद - सूडान दूतावास के सीडीए; श्री नीलेश रोनेल - फिजी उच्चायोग के सीडीए; श्री बुई टुंग थुओंग - वियतनाम दूतावास के व्यापार कार्यालय के प्रमुख, साथ में डॉ. रश्मी सलूजा - जीटीटीसीआई ट्रेड चैंबर और रेलिगेयर ग्रुप की अध्यक्ष; डॉ. गौरव गुप्ता - जीटीटीसीआई के संस्थापक अध्यक्ष; अतिरिक्त आयुक्त नरेंद्र यादव - फिट इंडिया के राजदूत; और श्री दीपक सिंघल आईएएस।

डॉ. रश्मी सलूजा ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें रिवर्स मेडिकल टूरिज्म पर ध्यान देने के साथ वैश्विक स्तर पर विश्व स्तरीय स्वास्थ्य, वित्तीय और बीमा सेवाएं प्रदान करने के लिए जीटीटीसीआई के समर्पण पर जोर दिया गया। डॉ. गुप्ता ने सत्र का संचालन किया और सभी उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में उल्लेखनीय अतिथियों में श्री कपिल खन्ना और श्री अवंती वर्मा के साथ-साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास के राजनयिक और जर्मनी, ईरान और जापान के प्रवासी शामिल थे।

यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा, डॉ. पवन कंसल - अध्यक्ष (औद्योगिक निर्यात) - जीटीटीसीआई ने सम्मानित अतिथियों और पैनलिस्टों को हार्दिक धन्यवाद दिया।

उपस्थित लोगों में जीटीटीसीआई सदस्य कपिल खंडेलवाल, परमीत सिंह चड्ढा, राजीव तुली, एसएल टैंक, शुभम गुप्ता, कवलजीत सिंह, नेहा तलवार और रितु भगत शामिल थे।

कार्यक्रम के दौरान जीटीटीसी इनसाइट्स के मार्च संस्करण का अनावरण किया गया, जिसे उपस्थित लोगों से प्रशंसा मिली। इसके अतिरिक्त, मुद्रा के कथक स्टूडियो और प्रभा दुबे के कलाकारों ने मनमोहक भारतीय शास्त्रीय नृत्यों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ऐसा फूड डिलीवरी बॉय, स्कूटी बाईक चुराकर देता रेंट पर

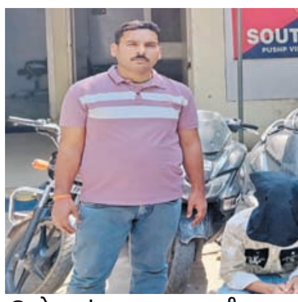

- फेक नंबर लगाकर खुद भी करता डिलीवरी में इस्तेमाल
- डिमांड के हिसाब से लेता था बाइक स्कूटी का रोज का रेंट
- चोरी की 5 स्कूटी और बाईक हुई बरामद, कई मामले खुले

संवाददाता

साउथ डिस्ट्रिक्ट के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने एक ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पांच चोरी की मोटरसाइकिल और स्कूटी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी फूड डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है। और यह चोरी की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर डिलीवरी में इस्तेमाल भी करता था। चोरी की बाइक और स्कूटी को अपने दूसरे साथियों को डेली बेसिस पर किराए पर उपलब्ध कराता था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्की सिंह के रूप में हुई है। यह साउथ दिल्ली के पंचशील विहार, मालवीय नगर का रहने वाला है। इसकी गिरफ्तारी से मैदान गढ़ी, गोविंदपुरी, नेबसराय, अंबेडकर नगर और नोएडा थाना के पांच मामलों का खुलासा करने का दावा पुलिस टीम ने किया है। डीसीपी साउथ अंकित चौहान ने बताया कि एसीपी ऑपरेशन राजेश बामनिया की देखरेख में इंस्पेक्टर उमेश यादव और एसआई दीपक महेला की टीम ने इस डिलीवरी बॉय को ट्रैक किया है। पुलिस टू व्हीलर चोरी की वारदात को सुलझाने के लिए सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से छानबीन में लगी हुई थी। इस छानबीन के दौरान ही उन्हें विक्की के बारे में पता चला और फिर इसे साकेत के पास एनबीसीसी प्लाजा रोड पर ट्रेप लगाकर गिरफ्तार किया गया। जिस समय इसे पकड़ा गया और वह जिस स्कूटी से जा रहा था वह भी चोरी की निकली। फिर इसकी निशानदेही पर चार और स्कूटी, बाईक बरामद किया गया। जो इसने छुपाकर रखा था और अपने दूसरे डिलीवरी बॉय को किराए पर देता था।

7500 क्वार्टर शराब बरामद, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

द्वारका जिला के एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने शराब तस्करी के एक मामले का खुलासा करते हुए 7500 क्वार्टर शराब बरामद किया है। इस मामले में चिराग उर्फ दीपक को गिरफ्तार किया है। यह बाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला का रहने वाला है और पहले से भी अलीपुर थाने में एक्साइज एक्ट के मामले में शामिल रहा है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि इंस्पेक्टर सुभाष चंद की टीम ने एक इनफॉरमेशन के आधार पर नगली डेयरी, नजफगढ़ इलाके में ट्रैप लगाया और एक टेंपो को रोका। जिस पर फेक नंबर प्लेट लगा हुआ था। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसमें से डेढ़ सौ कार्टन बरामद किए गए। जिसके अंदर से 7500 क्वार्टर बरामद किए गए हैं।

KFC और पिज्जा हट में काम कर चुका युवक बना धोखेबाज

- प्राइवेट बैंक में जॉब का ऑफर देकर करने लगा चीटिंग
- पूसा से डिप्लोपा डिग्रीधारी दे रहा था बेरोजगारों को धोखा
- फर्जी ऑफर, अपॉइंटमेंट और कंफर्मेशन लेटर देता था

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के साइबर थाना की पुलिस टीम ने एक चीटर को गिरफ्तार किया है। जो पहले से चीटिंग के मामले में शामिल रहा है। यह बैंकिंग अस्सिटेंट, डाटा एंट्री ऑपरेटर इत्यादि की जॉब प्राइवेट बैंक में दिलाने का ऑफर देकर बेरोजगारों को टारगेट करता था। अपने आप को एचडीएफसी बैंक का एचआर डिपार्टमेंट से बताकर फर्जी ऑफर लेटर, अपॉइंटमेंट लेटर और कंफर्मेशन लेटर कैंडिडेट को उपलब्ध करा देता था।

पुलिस को इसके पास से दो मोबाइल, सिम कार्ड और लैपटॉप बरामद किया गया है। इसी तरह की चीटिंग का एक और शिकायत पुलिस को मिला है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल आहूजा के रूप में हुई है। यह विपिन गार्डन एक्सटेंशन, मोहन गार्डन का रहने वाला है। यह पूसा इंस्टीट्यूट से डिप्लोमा होल्डर है।

डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि पालम गांव के रहने वाले एक युवक सख्स ने 28 मार्च को ऑनलाइन कंप्लेंट दर्ज कराई थी। जिसकी जांच साइबर पुलिस कर रही थी। उसने बताया कि उसने वर्क इंडिया जॉब पोर्टल पर एक विज्ञापन देखा था। फिर उसने संपर्क किया, इसके बाद उसकी पत्नी को एचडीएफसी बैंक में जॉब दिलाने का भरोसा दिलाया गया। ऑफर लेटर उपलब्ध कराया गया उसके बदले 900 रुपए पुलिस वेरिफिकेशन का मांगा गया। उसके कुछ दिन के बाद 3000 और डिमांड किया गया दूसरे डॉक्यूमेंट के लिए। इस तरह से 6829 उसे ले लिया गया। उसके बाद उसका फोन उठाना बंद कर दिया।

पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की जिस बैंक अकाउंट में अमाउंट गया था उसका पता लगाया। पता चला कोटक के अकाउंट में पैसा गया है, जो अकाउंट झज्जर के बहादुरगढ़ के पते पर खुला हुआ है। जिस नंबर से पीड़ित की बात हुई थी, उसका पता पटेल नगर दिल्ली का निकला। उसकी जांच की गई तो पता चला कि नंबर द्वारका के उत्तम नगर में फिलहाल एक्टिव है।

इंस्पेक्टर विकास कुमार बुलडक की देखरेख में सब इंस्पेक्टर रमेश यादव, संजय, विक्रम और धर्मेंद्र की टीम ने काफी मशक्कत के बाद इस आरोपी तक पहुंचने में कामयाब हुई। पुलिस को यह भी पता चला कि आरोपी जिस नंबर से बात करता था, उसका सिर्फ फ्रॉड करने में इस्तेमाल करता था। आखिरकार पुलिस आरोपी को द्वारका मोर मेट्रो स्टेशन के पास से दबोचने में कामयाब हुई। उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया और उसके बाद लैपटॉप इत्यादि बरामद किए गए।

इसने पुलिस को बताया कि वह वर्क इंडिया पर एडवर्टाइजमेंट डाल करके कैंडिडेट को अलग-अलग तरह के ऑफर देता था। उनसे वेरिफिकेशन चार्ज, डेमो फीस और इंटरव्यू फीस के नाम पर पैसे मांगता था। उसके बाद फेक ऑफर लेटर, अपॉइंटमेंट लेटर और कन्फर्मेशन देकर चीटिंग करता था। यह पहले पिज्जा हट और केएफसी में भी काम कर चुका है। लेकिन पिछले साल इसने जॉब छोड़ दिया था, क्योंकि इसका एक्सीडेंट हो गया था। ठीक होने के बाद वह नौकरी करने के बजाय चीटर बन गया।

अमन कमेटी नें रखा ईद मिलन प्रोग्राम

नई दिल्ली। अमन कमिटी शाहदरा नॉर्थ जोन के चेयरमैन आसिफ खान के द्वारा उनके निवास स्थान न्यू जाफराबाद में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अमन कमिटी के सभी पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया जिसमें मुख्य रूप से रमाकांत कौशिक, संजीव शर्मा, राकेश वर्मा, राजपाल नागर, मनमोहन वशिष्ठ, विमल मल्होत्रा, मयंक चतुवेर्दी, रवि वर्मा शामिल है एवं क्षेत्र के विशिष्ट लोग भी समारोह में सम्मिलित हुए जिसमें सभी धर्म के लोग शामिल थे। आसिफ खान ने समारोह में आए सभी लोगों का दिल खोलकर स्वागत किया। समारोह में आए सभी लोगों का अभिनंदन करते हुए आसिफ खान ने कहा की मैं समारोह में आए सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं और आशा करता हूं की आगे भी हम सभी धर्म के लोग एक दूसरे के त्योहारों को इसी तरह से मिलकर मनाएंगे। समारोह में संजीव शर्मा ने कहा की ईद का त्योहार आपसी भाईचारे का त्योहार है और मोहब्बत एवं परस्पर आदर हर धर्म की बुनियाद। आसिफ खान के द्वारा आयोजित समारोह में सभी धर्मों के लोगों के बीच एक दूसरे के त्योहार के प्रति प्यार एवं सम्मान देखने को मिला।

ईद पर ऐतिहासिक स्मारकों में दोगुना पर्यटक पहुंचे

नई दिल्ली। ईद के मौके पर दिल्ली की ऐतिहासिक स्मारकों में दोगुना से अधिक पर्यटक पहुंचे। इस दौरान टिकट खरीद को लेकर काउंटर पर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। दोपहर 12 बजे के बाद से स्मारकों में दिल्ली-एनसीआर से पर्यटकों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। शाम तक यह जारी रहा। गर्मी होने के बावजदू स्मारकों में पर्यटकों की रौनक देखने को मिली। परिवार संग पहुंचे लोग घूमने के पलों को कैमरे में कैद करते दिखाई दिए। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के एक अधिकारी ने बताया कि ईद पर पर्यटकों की संख्या अच्छी खासी रही। उनको कोई असुविधा न हो, उसको लेकर सभी इंतजाम किए गए थे। लालकिला में सामान्य दिनों में छह-सात हजार के करीब पर्यटक घूमने के लिए आते हैं, लेकिन गुरुवार को यह आंकड़ा दोगुना से अधिक था। पुराने किले में तीन गुना से ज्यादा पर्यटक पहुंचे। ऐसी ही स्थिति दिल्ली के कुतुबमीनार, हुमायूं का मकबरा, हौजखास परिसर सहित दूसरी स्मारकों में रही। चिड़ियाघर में भी चहल-पहल रही चिड़ियाघर में चार बजे से पहले ही सभी ऑनलाइन टिकट बिक गए। माइक के जरिए टिकट खत्म होने की सूचना भी दी जा रही थी। इस कारण कई पर्यटकों को वापस लौटना पड़ा। परिसर में भीड़ अधिक होने की वजह से सात-आठ बच्चे अपने परिजनों से भी बिछड़ गए। प्रशासन ने तुरंत सूचना देकर उनको परिजनों से मिलवाया। चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि गुरुवार को लगभग 18 हजार पर्यटक घूमने के लिए पहुंचे। चिड़ियाघर में 2022 से बंद पड़ी कैंटीन भी पर्यटकों के लिए खोल दी गई है। भविष्य में पर्यटक कैंटीन में मिलेट (बाजरा, रागी) से बने खाद्य उत्पादों का स्वाद भी ले सकेंगे। सड़कों-गलियों में नमाज नहीं पढ़ने पर एलजी ने शुक्रिया कहा सड़कों और गलियों में नमाज नहीं पढ़ने पर दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने मुस्लिम समुदाय का शुक्रिया किया। उन्होंने कहा है कि पहली बार ईद की नमाज केवल मस्जिद परिसर के भीतर अता की गई। एलजी के साथ तीन अप्रैल को हुई बैठक में मुस्लिम समुदाय के धार्मिक नेताओं और विभिन्न मस्जिदों के प्रमुख इमामों ने इस पर अपनी सहमति दी थी। उप राज्यपाल की ओर से मस्जिदों में नमाज अता करने के लिए क्रमबद्ध समय का विकल्प सुझाया गया था, ताकि सड़कों पर होने वाली भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।

इंटरनेशनल चिल्ड्रन मस्ती डे आर्य सभागार दिल्ली में आयोजित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

यूनाइटेड अरब अमीरात के हंसी के ब्रांड अम्बेस्डर एवं अंतराष्ट्रीय लाफ्टर योगा को देश विदेश में फैलाने वाले योग गुरु सुमन सुनेजा ने आर्य सभागार ईस्ट ऑफ कैलाश अंतर्राष्ट्रीय चिड्रन्स मस्ती डे -2024 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बच्चे इंटरैक्टिव गेम, गाने और नृत्य जिसमें ह्लहस दे इंडियाह्व, ह्लहंसी और डांसह्व और ह्लबॉलीवुड डांसह्व जैसी मूल रचनाएँ शामिल हैं वह प्रस्तुत दी।

अंतर्राष्ट्रीय लाफ्टर योग गुरु सुमन सुनेजा ने इस आयोजन के बारे में उपस्थित जनसमूह को बताया कि चिल्ड्रन मस्ती दिवस 2024 मनाने का उद्देश्य बच्चों को मूल्यवान जीवन कौशल सिखाना है। सुमन सुनेजा ने बताया की विषम परिस्थितियों में भी कैसे खुश और तनाव मुक्त रहें। अंतर्राष्ट्रीय चिल्ड्रन मस्ती दिवस के पुरोधा श्री सुमन सुनेजा बच्चों को मजेदार गतिविधियों और हँसी की तकनीकों के माध्यम से मानसिक तनाव को दूर करके और सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के कई टिप्स बच्चों की सिखाये।

सुमन सुनेजा के मुताबिक मानसिक शक्ति के लिए हँसी ही एकमात्र उपाय है। आप हँसी की तकनीकें मानसिक विश्राम और खुशी को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। ज्ञात हो कि सकारात्मक रोल मॉडल और अंतर्राष्ट्रीय लाफ्टर योग गुरु सुमन सुनेजा, दुबई के एक सम्मानित लाफ्टर एंबेसडर, युवा दर्शकों के लिए एक प्रेरणादायक छवि प्रदान करते रहे हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुमन सुनेजा ने कहा कि हँसी या हसना योग एक जानबूझकर किया जाने वाला व्यायाम है जिसमें लंबे समय तक स्वैच्छिक हँसी को बढ़ावा देने के लिए गति और यौगिक साँस लेने के व्यायाम (प्राणायाम) शामिल हैं। यहां किसी चुटकुले की जरूरत नहीं है। हंसी नकली हो सकती है, और मानव शरीर और दिमाग को पता नहीं चलता कि यह नकली है। हसना योग इस आधार पर आधारित है कि जानबूझकर हंसने से सहज हंसी के समान ही शारीरिक और मनोवैज्ञानिक लाभ मिलते हैं।

उन्होंने हंसी योग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हँसी योग में धीरे से खिंचाव, जप, ताली बजाना, आँख मिलाना और शरीर की हरकतें शामिल हैं। साँस लेने के व्यायाम फेफड़ों को अच्छी हँसी के लिए तैयार करते हैं। व्यायाम अभिनय, दृश्य तकनीक और चंचलता को जोड़ते हैं। आज के समय में फिट और स्वस्थ रहने के लिए हास्य योग एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। जब इसका अभ्यास समूहों में किया जाता है, तो हँसी का संक्रमण तत्व आस-पास के अन्य लोगों में तेजी से फैलता है।

लूट के आरोप में बदमाश गिरफ्तार, मोबाइल और बाइक बरामद

नई दिल्ली। सीमापुरी थाना पुलिस टीम ने बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी आकिब उर्फ फुटा है। पुलिस ने उसके पास से लूटा गया मोबाइल फोन और एक बाइक बरामद की है। शाहदरा जिला डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 7 अप्रैल को दिलशाद गार्डन स्थित सेंट मैरी चर्च के पास एक व्यक्ति ने लूट की शिकायत दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से बाइक सवार बदमाश की पहचान की। वह मोबाइल लूटने के बाद ताहिरपुर की ओर जाता दिखाई दिया। पुलिस ने आरोपी के रूट का पीछा किया और बाइक की पहचान की तो पता चला की बाइक उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित टीला मोड़ से चुराई गई है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बाइक सवार की पहचान की और आरोपी आकिब को सुंदर नगरी इलाके में छापा मारकर गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से बाइक के साथ ही लूटा हुआ मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती मनाई गई

हाजीपुर। चेचर स्थित इंद्रप्रस्थ स्कूल ऑफ साइंस के प्रांगण में महान समाजसेवी विचारक दार्शनिक एवं लेखक महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती मनाई गई।इस अवसर पर सभी ने ज्योतिबा फुले तथा माता सावित्रीबाई फुले के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किया। विद्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले तथा माता सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डाला गया तथा बताया गया कि कैसे वे शिक्षा के प्रति समर्पित थे ? उनके नरिक शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला गया तथा वक्ताओं ने इस अवसर पर उपस्थित जनमानस को बताया कि वे अपनी पूरी जिंदगी महिलाओं वंचितो के उत्थान में लगा दिया। वक्ताओं ने बताया कि जब देश गुलाम था तब उन्होंने शिक्षा का अलख जगाया था। इस अवसर पर शिक्षाविद ललन प्रसाद भक्त ने विद्यालय को संबोधित किया ' विद्यालय के निदेशक प्रशांत कुमार तथा प्रिंसिपल रितेश कुमार उपस्थित थे।

स्नातक सीबीसीएस पाठ्यक्रम में सामान्य ऐच्छिक विषय के रूप में शामिल होगा एनसीसी

समाज एवं राष्ट्र के नवनिर्माण की दिशा में ठोस पहल साबित होगा एनसीसी पाठ्यक्रम : कैप्टन गौतम

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा महाविद्यालय, मधेपुरा के एनसीसी पदाधिकारी एवं बीएनएमयू, मधेपुरा के अभिषद् सदस्य कैप्टन गौतम कुमार ने बिहार के राज्यपाल-सह- कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से राजभवन, पटना में मुलाकात कर राज्य के सभी विश्वविद्यालयों स्नातक स्तरीय च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के अंतर्गत राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) को एक सामान्य ऐच्छिक विषय (जेनरल इलेक्टिव सब्जेक्ट) के रूप में शामिल करने हेतु ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने बताया कि राज्यपाल-सह-कुलाधिपति ने मुलाकात के दौरान ज्ञापन के सभी बिंदुओं को गंभीरतापूर्वक सुना और इस पर

सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया है। कैप्टन कुमार ने ज्ञापन में बताया है कि एनसीसी महानिदेशक, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी- 2020) के अंतर्गत स्नातक स्तरीय च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) में सामान्य ऐच्छिक विषय (जेनरल इलेक्टिव सब्जेक्ट) के रूप में शामिल करने की सिफारिश की। इसी आलोक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), नई दिल्ली द्वारा देश के सभी सरकारी एवं निजी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में एनसीसी को विषय इसमें चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के अंतर्गत एक ऐच्छिक विषय (इलेक्टिव सब्जेक्ट) के रूप में शामिल करने का पत्र जारी किया है। इसी कड़ी में राज्यपाल सचिवालय, राजभवन, बिहार, पटना द्वारा भी संदर्भित पत्र जारी किया गया। लेकिन कैप्टन कुमार ने खेदपूर्वक कहा है कि अभी तक बिहार के किसी भी विश्वविद्यालय के स्नातक स्तरीय सीबीसीएस पाठ्यक्रम में एनसीसी को एक सामान्य ऐच्छिक विषय के रूप में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि एनसीसी का राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और इसके स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम का अंग बनने पर इसके गौरवशाली इतिहास में एक नया आयाम जुड़ेगा। इससे युवा पीढ़ी एनसीसी की ओर आकर्षित होगी, जो प्रकारांतर से विकसित भारत@2047 अभियान में उत्प्रेरक साबित होगा। इस कोर्स के जरिए विद्यार्थी एनसीसी के प्रेरणादायक इतिहास एवं गौरवशाली परंपराओं में शिक्षित एवं दीक्षित हो सकेंगे और उन्हें युद्ध कौशल, आपदा- प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता, नागरिक मामले, सामाजिक जागरूकता, सामुदायिक विकास, जनस्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण-संरक्षण आदि का भी ज्ञान प्राप्त होगा।

उन्होंने बताया कि इस कोर्स से विद्यार्थियों में अनुशासन, राष्ट्रप्रेम, निस्वार्थ सेवाभाव एवं अन्य चारित्रिक गुणों का विकास होगा और भारतीय सेना जैसे गौरवशाली क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यह मील का पत्थर साबित होगा। इसके अलावा विद्यार्थी अन्य सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार प्राप्त करने में दक्ष होंगे और आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में स्वरोजगार एवं उद्यम भी कर सकेंगे। कैप्टन कुमार ने विश्वास व्यक्त किया है कि राज्यपाल-सह- कुलाधिपति के आदेश से शीघ्र ही सभी विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तरीय च्वाइस बेस्टड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के अंतर्गत एनसीसी को एक सामान्य ऐच्छिक विषय (जेनरल इलेक्टिव सब्जेक्ट) के रूप में शामिल किया जाएगा। इससे विद्यार्थी काफी लाभान्वित होंगे और यह समाज एवं राष्ट्र के नवनिर्माण की दिशा में भी एक ठोस पहल साबित होगा

मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाके में अकिदतमंदो की ईद की नवाज अदा

प्रात : किरण संवाददाता

चौसा (मधेपुरा) प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाके में शांति पूर्ण माहौल में ईद मनाई गई। गुरुवार को सुबह 8 बजे से ही प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों एवं मस्जिदों में ईद की नवाज अदा करने के लिए अलग अलग जगहों पर लोगो की बड़ी संख्या में भीड़ जमा होना शुरू हो गया था।प्रखंड मुख्यालय के जामा मस्जिद, पैना मोला बक्स स्टेडियम के ईदगाह चन्दा में इदगाह व फुलौत, चन्दा, बीरबल टोला, मनोहरपुर टोला, सोनवर्षा, अरजपुर, लौआलगाना सहित कई जगहों पर ईद की नवाज अदा किया गया। वहीं सुरक्षा को लेकर चौसा के प्रभारी थानाध्यक्ष मनोज पासवान, इंस्पेक्टर उदाकिशुनगंज बासुदेव राय, एवं दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की जगह जगह तैनाती की गई थी। वही विभिन्न जगहों पर एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इलाके भर में ईद को लेकर खासा उत्साह देखा गया। लोग अपने अपने घरों में मेहमान बाजी भी की।

धूमधाम से मनाई गई ईद, ईदगाहों और मस्जिदों में अदा की गई नमाज

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न ईदगाह में ईद की नमाज अदा की गई। एक महीने की इबादत के बाद ईद पर सुबह से ही ईदगाह में रौनक दिखी। इस मौके पर डुमरैल, पुरैनी, औराय, औरलहा, चंदा, खेरहो, बंशगोपाल, भाटोनी, नरदह, मकदमपुर सहित अन्य ईदगाहों में आसपास के क्षेत्र के हजारों की संख्या में अमन चैन की दुआएं मांगी गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर या फिर हाथ मिलाकर ईद की बधाई देते दिखे। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा था। ईदगाह परिसर के बाहर मेला का नजारा दिख रहा था। जहां बच्चे आइसक्रीम, गुब्बारा आदि खरीदारी करने में मशगूल दिखे।

प्रखंड क्षेत्र में पूरी अकीदत के साथ मनाया गया ईद उल फितर का पर्व

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) ईद-उल-फितर का पर्व गुरुवार को पुरे प्रखंड क्षेत्रों में अकीदत के साथ मनाया गया। इस दौरान लोगों में आपसी सद्भाव, भाईचारगी एवं हर्षोल्लास पूरी तरह से दिखाई दिया। प्रखंड मुख्यालय सहित रामनगर बाजार, पोखरिया टोला, टिकुलिया, बिशनपुर, भतनी, रानीपट्टी सुखासन, बेलारी, रहटा, इसराइन बेला के घोडदौल, मंगलवाड़ा के रहटा टोला, रहमतगंज, ललकुडिया, परमानंदपुर, लक्ष्मीपुर चंडीस्थान, लक्ष्मीपुर भगवती के चैनपुर, अमजल टोला, पुरैनी सहित अन्य जगहों पर स्थित प्रमुख ईदगाहों व मस्जिदों में स्नान कर नये कपड़े पहने के बाद अकीदतमंद ईद की विशेष नमाज अदा की और मुल्क में अमन चैन और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी। एक-दूसरे से गले मिल ईद की बधाइयां दी। मौके पर टिकुलिया स्थित ईदगाह में शाही इमाम खुर्शीद आलम, रामनगर बाजार स्थित ईदगाह स्थल पर मौलाना अरकम सुलेमानी नदवी एवं अन्य ईदगाह स्थल में मौलाना ने ईद की विशेष नवाज पढ़ाया और तकरीर दी। इसके साथ ही गले-मिलने और दावतों का दौर शुरू हुआ हो गया। हर तरफ ईद की सेबई आपसी रिश्तों में मिठास घोलती नजर आयी। इस दौरान सोशल मीडिया पर भी ईद उल फितर की बधाई देने का सुबह से ही सिलसिला जारी रहा। एहतियात के तौर पर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये थे। सभी जगह मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई थी। इस दौरान बीडीओ प्रियदर्शी राजेश पायरट, सीओ आकांक्षा, पीओ भोला दास, बीईओ कुमार गुणानंद सिंह, पीटीए किशोर झा, पीटीए आशीष कुमार सिंह, जेई किशन पंडित, पशु चिकित्सक डॉ. लखन शर्मा, एमओ रुपेश कुमार, बीपीआरओ रोहन कुमार रत्ना, थानाध्यक्ष कुमारखंड संजीव कुमार, श्रीनगर थानाध्यक्ष राधवेंद्र नारायण, बेलारी थानाध्यक्ष राजू कुमार, भतनी थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी , मजिस्ट्रेट एवं सशस्त्र बलों के जवान, चौकीदार सभी थाना क्षेत्र में जगह जगह विधि व्यवस्था बनाए रखने में मुस्तैद दिखे।

धूम धाम से शांतिपूर्ण माहौल में मनाया ईद

हिंदु मुस्लिम एकता का दिया पैगाम, एक दूसरे को गले लगाकर दी बधाई

- ईदगाह में अमन चैन, आपसी भाईचारा और देश की तरक्की की मांगी दुआ

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा में धूमधाम से मनाया गया ईद का पर्व, लोगों ने एक-दूसरे से गले लगाकर बधाई दी और हिंदू मुस्लिम एकता का पैगाम दिया। दरअसल मधेपुरा जिला मुख्यालय समेत जिले के विभिन्न प्रखंडों में गुरुवार को प्रेम और भाईचारा का पर्व ईद-उल-फितर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

बता दें कि बीते बुधवार की रात चांद दिखने के बाद से ही ईद को लेकर मुबारकबाद देने का दौर शुरू हो गया था। जहां गुरुवार को एक साथ ईद की नमाज ईदगाह में अदा की गई। अमन, चैन व सबके लिए खुशियां एवं देश की तरक्की की दुआ मांगी गई। जिला मुख्यालय स्थित सदर प्रखंड कार्यालय के समीप ईदगाह में ईद की विशेष नमाज अदा की गई। नए-नए कपड़े पहन कर बच्चे, जवान, बूढ़े सभी ईद की नमाज अदा करने के बाद एक-दूसरे से गले मिल कर ईद की बधाई दी, तो वहीं इस अवसर पर बड़ी संख्या में हिंदू भाइयों ने भी ईदगाहों पर पहुंचकर मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर पर्व की बधाई दी। जनप्रतिनिधि भी ईदगाह के आगे मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर ईद की बधाई दी।

पूर्व पार्षद पूर्व मुख्य पार्षद प्रत्याशी मधेपुरा नगर परिषद् सह प्रदेश उपाध्यक्ष राजद बिहार कुमारी विनीता भारती ईद के मौके पर सभी ईदगाह पहुँच कर ईद की मुरादाबाद दी !

वहीं लोक सभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह चौकस रही और कुछ देर एनएच पर यातायात को बंद कर नमाज अदा की गई। सीओ केशिका कुमारी, थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार पुलिस बल के साथ अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

हर्षोल्लास के साथ ईद मनाई

प्रात : किरण संवाददाता

महनार। हर्षोल्लास के साथ महनार में ईद का पर्व मनाया गया एवं इस अवसर पर जहां एक तरफ प्रशानिक व्यवस्था कड़क देखी गयी वही समाजिक कार्यकताओं ने घूम घुम कर ईद की मुबारकबाद दिया। ईद के अवसर पर महनार बाजार ईदगाह में इमाम मौलाना मो0 आलमगीर ने हजारों लोगों को नमाज पढ़ाया वही नया टोला इस्लामपुर मस्जिद में इमाम मौलाना मो0 इरशाद ने नमाज पढ़ाया। महनार बाजार ईदगाह में मस्जिद कमिटी के सचिव मो0 इमरान के निर्देशन में व्यवस्था की गई थी जिसकी लोगो ने सराहना किया।

इंजीनियरिंग के फाइनल ईयर के छात्र ने की खुदखुशी

परिवार वालो का रो रो कर हुआ बुरा हाल जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जिला मुख्यालय के कृष्णापुरी मुहल्ला स्थित एक निजी मकान में गुरुवार को इंजीनियरिंग के एक छात्र का शव फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान बेगूसराय जिले चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंझौल निवासी नागो शर्मा के 24 वर्षीय बेटे रोहित कुमार के रूप में हुई। बताया गया कि रोहित मधेपुरा के बीपी मंडल इंजीनियरिंग कॉलेज में इलेक्ट्रिकल ब्रांच के फाइनल ईयर का छात्र था। वह शहर के कृष्णापुरी मुहल्ला वार्ड चार स्थित एक निजी मकान में पिछले 3 साल से किराए पर रह कर पढ़ाई करता था। बगल के कमरा में रहने वाले एक दोस्त ने बताया कि बुधवार को रोहित अपने घर से मधेपुरा आया था। रात में सभी साथ में खाना खाया। इसके बाद सभी अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। सुबह में देर तक जब रोहित कमरा से बाहर नहीं निकला तो दोस्तों ने बाहर से आवाज लगाई और दरवाजा खटखटाया। अंदर से काफी देर तक कोई रिस्पांस नहीं मिलने पर दरवाजा को तोड़ दिया गया। अंदर देखा तो वह सन्न रह गया। रोहित पंखा में फंदे से लटक रहा था। इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया और आगे की करवाई में जुट गई।

मटिया में अकीदत व एहतराम के साथ सैकड़ों लोगों ने अदा की नमाज, सुरक्षा के थे कड़े इंतजाम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत मटिया में धूमधाम से ईद का त्योहार मनाया गया। गुरुवार की सुबह 07 बजे मटिया ईदगाह में अकीदत व एहतराम के साथ ईद की नमाज अदा की गई। इसके बाद लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद का त्यौहार आज पूरे जिले में अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया। मटिया बाजार के मुस्लिम टोला में बने ईदगाह पर सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम बंधुओं ने ईद की नमाज अदा की। इसके बाद गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद देने व सेवईयां खाने खिलाने का दौर शुरू हो गया। ईद की नमाज को लेकर मुस्लिम बंधुओ के घरों में सुबह से ही तैयारी शुरू हो गई थी। 7 बजे के बाद लोगों का हुजूम ईदगाहों की ओर निकल पड़ा। मटिया ईदगाह में लोगों ने ईद की नवाज के बाद समाज, देश व परिवार के सलामती की दुआ मांगी गई। इस मौके पर दंडाधिकारी सह अंचल अधिकारी रविकांत कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ० प्रभात रंजन,थानाध्यक्ष आलोक कुमार दल बल के साथ ईदगाह के पास मौजूद रहे । वहीं मटिया निवासी एमडी मुर्शीद आलम,खुर्शीद आलम,सरदार सलीम अंसारी,रुस्तम अंसारी,मनोवर आलम,आजाद, डब्ल्यू, नईम अंसारी, उमरफरुख सहित सैकड़ों लोगों ने एक दूसरे से लिपट कर ईद मुबारक दिया ।

कामरेड जगदीश चंद्र बसु के धर्मपत्नी से आशीर्वाद प्राप्त कर किरण देव यादव ने चलाया सघन जनसंपर्क अभियान

जिले के दर्जनों शहीद महापुरुषों के प्रतिमा पर किया पुष्पांजलि समर्पित

प्रात : किरण संवाददाता

- सच्चे सामाजिक कार्यकर्ता को काम के आधार पर मजदूरी देने की अपील - किरण देव यादव

अलौली। खगड़िया लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से वामपंथी संघर्षशील भाकपा माले नेता किरण देव यादव ने हथवन मेघौना शहरवन्नी अलौली खगड़िया बलुआही मानसी चौथम अमनी सैदपुर बलहा आवास बोर्ड चंद्रनगर रांको में नामांकन मतदाता जागरूकता सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। श्री यादव ने कहा कि मुद्दा आधारित सवालों को लेकर अनवरत आंदोलनरत रहे हैं। उक्त सवाल पर आम जनता का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप में अपार समर्थन मिल रहा है। इस क्रम में किरण देव यादव ने जनसंपर्क अभियान की शुरूआत शहीद कामरेड जगदीश चंद्र बसु के धर्मपत्नी का आशीर्वाद प्राप्त कर किया तथा शहीद जगदीश चंद्र बसु एवं कामरेड लक्ष्मी नारायण यादव के प्रतिमा पर पुष्पांजलि समर्पित कर कोटि-कोटि नमन किया। वहीं शहरबन्नी में पूर्व मंत्री रामविलास पासवान, कमाथन में समाजसेवी शशि सिंह, बलुवाही में संतमत छोटे लाल यादव, पूर्व विधायक राम बहादुर आजाद, डॉक्टर अंबेडकर, महात्मा गांधी, शहीद प्रभु नारायण सिंह, हरदाश्चक में पुलकेश्वर वर्मा, मानसी में अमर शहीद धन्ना माधव, चुकती में गुलाब यादव, स्मृति से सुशीला देवी, अमनी में शहीद, कॉ आनंदी सिंह, केदार सिंह, विद्यानंद सिंह तथा चौथम कैथी में कामरेड सत्यनारायण सिंह के प्रतिमा पर पुष्पांजलि समर्पित कर दिवंगत कामरेड गीता यादव, बीके आजाद, शहीद बद्री नारायण सिंह एवं पूर्व सांसद रामशरण यादव को कोटि-कोटि नमन किया तथा सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। जनसंपर्क अभियान में देश बचाओ अभियान के सचिव लालमणि सदा, फरकिया मिशन के चंदन कुमार, पूर्व फौजी रूपेंद्र कुमार, उप सरपंच वीरेंद्र सिंह, पंच सरपंच संघ के जिला महासचिव मनोज कुमार, सरपंच रतन राम आदि ने भाग लिया।

अपने पिता के अधूरे सपनों को पूरे करने के लिए ही मैं हाजीपुर आया हूं:चिराग पासवान

प्रात : किरण संवाददाता

महुआ । हमारे नेता और रामविलास पासवान जी का जो सपना था उसे पूरा करने के लिए ही मै हाजीपुर आया हूं। हाजीपुर के लोगों की सेवा करना ही हमारा कर्तव्य है।उक्त बातें ईद के अवसर पर महुआ पहुंचे लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह हाजीपुर संसदीय क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवार चिराग पासवान ने कहीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हाजीपुर की जनता हमारे नेता से बहुत प्यार करते थे वही प्यार यहां पर मुझे भी मिल रहा है। जिससे मैं अभी भूत हूं। जिस तरह से हमारे पिताजी ने हाजीपुर के विकास के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था इस तरह मैं भी हाजीपुर के विकास के लिए काम करूंगा। उन्होंने मीडिया कर्मी से बातें करते हुए बताया कि इंडिया गठबंधन बिहार के सभी 40 में से 40 सीटों पर अपना चुनाव जीतने जा रही है। श्री पासवान ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय काफी मेहनत से उनके नेता रामविलास पासवान ने हाजीपुर में खुलवाया था लेकिन अब हुआ बंद होने के कगार पर है। उन्होंने कहा कि जल्द ही हाजीपुर में केंद्रीय विद्यालय का भवन निर्माण कराया जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि महुआ रेलवे लाइन के जो सपना रामविलास पासवान ने देखा था उसे भी मैं पूरा करूंगा। इससे पहले पूर्व वार्ड पार्षद तौकीर सैफी की आवास पर ईद पर कार्यक्रम में शामिल हुए तथा सेवइयां खाई और लोगों को और लोगों को ईद की मुबारकबाद भी दी।इस कार्यक्रम के दौरान संजय सिंह, अवधेश सिंह,श्रीकांत पासवान, सनोज पासवान, राजकमल जायसवाल, मुकेश ठाकुर, गुड्डू गुप्ता, मृत्युंजय सिंह,अमित पटवा सहित अन्य लोग शामिल थे। वही महुआ आने के दौरान महुआ के पंचमुखी की चौक पर भी लोजपा कार्यकताओं ने चिराग पासवान का स्वागत किया। इस दौरान चिराग पासवान महुआ की पूर्व लोजपा नेता उपेंद्र यादव के निजी आवास पर भी रुके और उनसे मुलाकात करते हुए ईद की शुभकामनाए दी।वही चिराग पासवान महुआ प्रखंड क्षेत्र के ताजपुर बुजुर्ग पंचायत भी पहुंचे जहां पर उपस्थित लोगों ने उनके भव्य स्वागत किया।इस दौरान ताजपुर बुजुर्ग पंचायत के पूर्व मुखिया विश्वबंधु सिंह युवा समाजसेवी राजा कुमार के साथ अनेक लोग मौजूद थे।२

नदी में नहाने के क्रम में डूबे युवक की 48 घंटे बाद शव बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

- एसडीआरएफ और गौतखोर के लगातार प्रयास के बाद मिली सफलता

मुरलीगंज (मधेपुरा) प्रखंड क्षेत्र के दीनापट्टी पंचायत अंतर्गत बलुआहा नदी में बीते दिन एक युवक नहाने के क्रम में बह गए थे। घटना के बाद से स्थानीय गौतखोर, एसडीआरएफ टीम के लगातार प्रयास से 48 घंटे बाद युवक का शव बरामद हुआ है। हालांकि घटना स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूरी पर शव बरामद हुआ। सीओ मुकेश कुमार ने कहा कि गुरूवार की सुबह बलुवाहा नदी से युवक का शव बरामद किया गया है। उक्त युवक अपने ननिहाल आए थे। बताया गया कि उदाकिशनगंज के कुरसंडी निवासी घनश्याम पासवान (19) वर्ष अपने ननिहाल रामपुर किसी रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचा था। अंतिम संस्कार के बाद नदी में स्नान करने के क्रम में वह नदी में डूब गया। घटना से पीड़ित परिवार में मातमी माहौल गमगीन है। इधर पुलिस द्वारा शव की शिनाख्त कर पोस्टमार्टम कराने के बाद पीड़ित परिवार को सौंप दिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ईद उल फितर का पर्व शांतिपूर्ण संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

जंदाहा।प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुस्लिम समुदाय द्वारा ईद पर्व पूरे प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्ण व उत्स्वी माहौल में मनाया गया।इस मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय द्वारा जंदाहा के पुरानी बाजार स्थित मस्जिद के प्रांगण में ईद की नमाज अता की गई।नमाज समाप्ति के बाद सभी लोगों ने सभी जाति धर्म के लोगों से गले मिलकर ईद पर्व की बधाई देते हुए आपसी भाईचारा का संदेश दिया।इस मौके पर वार्ड पार्षद पुत्र जमशेद आलम व नौशाद टेलर ने बताया कि पवित्र ईद त्योहार के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने देश दुनियां में शांति व आपसी भाईचारा कायम रहने की दुआ की।

ईद उल फितर शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

सहदेई बुजुर्ग- सहदेई बुजुर्ग प्रखंड में ईद उल फितर शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया।मुस्लिम समुदाय के लोगों ने प्रखंड के विभिन्न ईदगाहों पर शांतिपूर्ण माहौल में ईद की नमाज अदा किया।

बताया गया की सहदेई बुजुर्ग प्रखंड क्षेत्र के सराय धनेश मंगलहाट बाबा पांचो पर स्थित ईदगाह, दुबहा ईदगाह, पहाड़पुर तोई, शेखोपुर, मुरौवतपुर, सुल्तानपुर, नयागांव पूर्वी, बाजितपुर आदि ईदगाह एवं मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी और एक दूसरे से गले मिल शांति का पैगाम दिया। वहीं इस ईद की नमाज के दौरान सभी ईदगाहों पर प्रशासन की इर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।कई स्थानों पर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।सहदेई थाना क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों पर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रिया कुमारी,थाना अध्यक्ष पंकज कुमार के अलावे पुलिस पदाधिकारी दीपक कुमार,विजय कुमार राय,कुसुम रानी,शंभूनाथ चौधरी,ध्रुव सिंह आदि मौजूद थे।वहीं दूसरी ओर देसरी थाना क्षेत्र में थाना अध्यक्ष सुनील कुमार अपने दल बल के साथ भ्रमणशील थे।

सम्पादकीय

केजरीवाल की भूमिका

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड को ह्यवैधह्ल और ह्यन्यायसंगतह्ल करार दिया है। केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) को अदालत ने तब करारा झटका दिया, जब उसने शराब नीति और कथित घोटाले में दोनों की संलिप्तता भी मानी। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साक्ष्यों और दस्तावेजों के सौजन्य से कहा कि केजरीवाल साजिश में शामिल थे। उन्होंने ह्यआपह्ल के राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर घूस भी मांगी थी। रिश्वत का पैसा गोवा चुनाव में खर्च किया गया। उसकी मनी ट्रेल भी स्पष्ट है। कानून की दृष्टि से मुख्यमंत्री को कोई विशेषाधिकार नहीं है कि उनकी गिरफ्तारी चुनाव के समय पर न की जाती। ईडी ने जो सामग्री, तथ्य, ई-मेल और व्हाट्स एप चैट के ब्योरे अदालत के सामने रखे हैं, वे सही और पर्याप्त हैं। जांच एजेंसी ने सबूतों के आधार पर गिरफ्तारी की है। केजरीवाल गवाहों से ह्यक्रॉसह्ल कर सकते हैं। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने गंभीरता से यह टिप्पणी की है कि सरकारी गवाहों पर उंगली उठाना अदालत और न्यायाधीश पर आक्षेप लगाना है। अदालत का सरोकार संवैधानिक नैतिकता के प्रति है। अदालत पर कोई राजनीतिक प्रभाव नहीं होता और न ही उसे चुनाव के समय, चुनावी टिकट और चुनावी बॉन्ड से कोई लेना-देना है। सरकारी गवाहों के बयान पीएमएलए और धारा 164 में न्यायाधीश के सामने लिए गए हैं। सरकारी गवाह का प्रावधान सैकड़ों साल पुराना है। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि इन प्रावधानों का उपयोग केजरीवाल को फंसाने के लिए किया गया। यह मामला ईडी और केजरीवाल के बीच का है। इसमें केंद्र की कोई भूमिका नहीं है। केजरीवाल ने उच्च न्यायालय में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी थी, गलत करार दिया था, लेकिन जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने इन टिप्पणियों के साथ केजरीवाल की अर्जी को खारिज कर दिया। केजरीवाल और ह्यआपह्ल के सामने अब भी सर्वोच्च अदालत में इस फैसले को चुनौती देने का संवैधानिक विकल्प शेष है, लेकिन उच्च न्यायालय के स्तर पर यह तथ्य स्थापित हो चुका है कि शराब नीति बनाने और उसकी आड़ में घूस मांगने के कथित अपराध में केजरीवाल भी संलिप्त थे। बेशक ह्यआपह्ल के नेता और प्रवक्ता दलीलें देते रहें कि चवन्नी भी बरामद नहीं हुई है। केजरीवाल को फंसाना और जेल तक पहुंचाना अभी तक की सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश है। भाजपा ह्यआपह्ल को कुचल देना चाहती है, दिल्ली की सरकार गिराने के उसके मंसूबे हैं। ह्यआपह्ल राजनीतिक स्तर पर कितने भी अभियान चलाए, लेकिन अदालत के सामने ठोस साक्ष्य हैं। उन्हें अदालत ने बुनियादी तौर पर स्वीकार भी किया है। हवाला ऑपरेटर्स के बयान भी मौजूद हैं। जिन्होंने घूस की राशि दी है, उनके बयान, ई-मेल, व्हाट्स एप चैट, बैठकों और मुलाकातों आदि के ब्योरे भी उपलब्ध हैं। केजरीवाल और ह्यआपह्ल किस-किस को झुठलाने की कोशिश करेंगे। दरअसल केजरीवाल एक चक्रव्यूह में फंस चुके हैं। उनकी कानूनी टीम और अन्य सलाहकारों ने गलत सलाह दी। केजरीवाल को ईडी के 9 समन्स को खारिज नहीं करना चाहिए था। अब जो कानूनी निष्कर्ष सामने हैं, वे उच्च न्यायालय के हैं। किसी के खोखले आरोप नहीं हैं। नौबत यहां तक पहुंच चुकी है कि यदि ह्यआपह्ल का भ्रष्टाचार भी साबित हो गया और ह्यआपह्ल के राष्ट्रीय संयोजक के नाते केजरीवाल का अपराध भी साबित हो गया, तो चुनाव आयोग ह्यआपह्ल की मान्यता भी रद्द कर सकता है। आपह्ल के प्रवक्ताओं को शरत रेड्डी और 60 करोड़ रुपए के चुनावी चंदे और भाजपा की वाशिंग मशीन में धुल कर आरोपितों के पाक-साफ होने सरीखे तर्कों के अलावा कुछ और भी ठोस तर्क देने होंगे। एक चोर दूसरे चोर पर उंगली उठाते हुए यह दलील नहीं दे सकता कि उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? यदि ह्यआपह्ल की दलीलों में दम है, तो वह भाजपा में शामिल होने वाले ह्यचोरोंह्ल के खिलाफ अलग से शीर्ष अदालत में जा सकती है। फिलहाल केजरीवाल और उनके साथी शराब घोटाले में आरोपित होकर जेल में हैं। पीएमएलए मामलों में जमानत भी आसान नहीं होती। केजरीवाल के प्रति सामाजिक, सार्वजनिक मोहभंग भी अब सामने आने लगेगा। वह राजनीतिक शुचिता और नैतिकता को जरूर याद करें, जिनका शोर मचाते हुए उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया था। वैसे अभी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार भी है।

जल संरक्षण की आवश्यकता जरूरी

जहां एक ओर दूर-दूराज के गांवों में नल से जल मिलने की प्रसन्नता है, वहीं यह जरूरत भी बढ़ गई है कि नलों और पाइपों के लिए पानी मिलता रहे। इसके लिए जल संरक्षण को मजबूत करना चाहिए। देश के परंपरागत जल संरक्षण उपायों से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है। बुंदेलखंड जैसे कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां जल प्रबंधन और उपलब्धि के परंपरागत और नये तौर-तरीकों में बहुत अंतर है। जहां पहले तालाबों में जल-संग्रहण और इसके माध्यम से आसपास के जल स्तर को ऊंचा रखते हुए कुछ चुने हुए स्थानों पर कुएं बनवाने को महत्त्व दिया जाता था, वहीं इन दिनों तालाबों की उपेक्षा कर काफी मनचाहे ढंग से जगह-जगह नलकूप और हैंडपंप लगाए गए हैं। बड़ी संख्या में नलकूप विफल रहे हैं, हैंडपंप भी कुछ समय बाद जवाब दे गए। कुछ समय के लिए नई सुविधाएं मिलने पर परंपरागत तौर-तरीकों की उपेक्षा होने लगती है, जो बाद में मंहगी पड़ती है क्योंकि नया लाभ स्थायी सिद्ध नहीं होता। इस तरह क्षेत्र की विशेषताओं को ध्यान में न रख कर खर्च किया गया बहुत सा पैसा अपेक्षित लाभ नहीं दे पाता और कई स्थानों पर तो स्थिति पहले से भी ज्यादा खराब हो जाती है। बुंदेलखंड में कुछ स्थानों पर ट्यूबवेलों के आने के बाद पहले से बने कुएं सूखने लगे। जहां भूजल उपलब्धि की स्थिति ट्यूबवेलों के अनुकूल न हो, वहां जबरदस्ती इसी नीति को अपनाने से संतोषजनक और स्थायी समाधान मिल ही नहीं सकता। नल या हैंडपंप, नलकूप या पाइपलाइन, ये सब कई गांवों में ज्यादा नजर आ रहे हैं पर जिस भूजल से, तालाब या झरने से इन्हें पानी मिलना है, यदि उनमें ही पानी कम होने लगे तो भला इन निर्माण कार्यों से क्या समस्या हल होगी। पिछले लगभग दस-पंद्रह वर्षों में हमारे देश में भूजल स्तर में बहुत तेजी से गिरावट आई है। पहाड़ी क्षेत्रों से कितने ही झरनों के सूखने या पतले पडे के समाचार हैं। बहुत बड़ी संख्या में तालाब मैदान जैसे बन गए हैं, उन पर अतिक्रमण हो चुका है या ये बुरी तरह जीर्ण-शीर्ण स्थिति में पड़े हैं। जल की कमी के संकट को जल प्रदूषण ने और भी विकट कर दिया है। छोटी-छोटी नदियां भी इतनी प्रदूषित हो गई हैं कि कई गावों की जल उपलब्धि पर प्रतिकूल असर पड़ा है। जहां कृषि रसायनों का अत्यधिक उपयोग हो रहा है, वहीं भूजल पर इनका हानिकारक असर दिखने भी लगा है। जल के संकट से बेपरवाहीकई क्षेत्रों में जल के संकट की परवाह न करते हुए ऐसे उद्योग लगाए जा रहे हैं जो जल का अत्यधिक उपयोग करेंगे तथा जल प्रदूषण में वृद्धि करेंगे। कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं जहां जल संकट को नजरंदाज करते हुए जल का अत्यधिक उपयोग करने वाली ऐसी नई फसलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिनका लाभ कुछ पहले से समृद्ध लोगों तक सीमित रहेगा पर जिनके दुष्परिणाम और नीचे गिरने वाले भूजल के रूप में जनसाधारण को भुगतने पड़ेंगे। शहरी क्षेत्रों में पांच-सितारा होटल, लॉन, गोल्फ-कोर्स आदि अत्यधिक जल उपयोग वाली सुविधाओं के जुटाने में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं जबकि अनेक बस्तियों में जल अभाव से हाहाकार है। अन्य प्राकृतिक संसाधनों की तरह जल का बंटवारा भी विषमता से ग्रस्त है, और यह विषमता जल संकट की स्थिति में असहनीय हो जाती है। एक ओर लोग पीने के पानी को तरसते रहें तथा दूसरी ओर पानी का अपव्यय होता रहे, यह वर्तमान की दृष्टि से तो अन्यायपूर्ण है ही, भविष्य में समस्या का स्थायी हल खोजने में भी रुकावट बनता है। इस विषमता के कारण जल वितरण और उपयोग का ऐसा नियोजन नहीं हो सकता जो सबकी प्यास बुझाने में समर्थ हो। सार्थक जल नियोजन के लिए जरूरी है कि निहित स्वाथरे के दबाव की परवाह न करते हुए सर्वाधिक प्राथमिकता इस बात को दी जाए कि हर व्यक्ति, हर झोंपड़ी, हर गांव की प्यास बुझाई जा सके। पानी के अन्य उपयोग-चाहे किसी नई फसल के लिए हों या किसी उद्योग के लिए-तभी सोचे-विचारे जाएं जब पहले इस बुनियादी जरूरत को संतोषजनक ढंग से पूरा कर लिया जाए। इस प्राथमिकता पर कायम रहने के साथ ही यह भी जरूरी है कि पीने के पानी की आपूर्ति के कार्य को केवल हैंडपंप लगाने या कुएं खोदने तक सीमित न रखकर उन सभी महत्त्वपूर्ण गतिविधियों और क्षेत्रों को ध्यान में रखा जाए जिनका असर पानी की उपलब्धि पर पड़ता है। किसी ग्रामीण क्षेत्र में पीने के पानी की योजना बनाई जा रही हो और वह इस ओर से अनभिज्ञ रहे कि ऊपर पहाड़ी पर जो जंगल काटा जाने वाला है, उसका जल उपलब्धि पर क्या असर पड़ेगा तो यह योजना सफल नहीं हो सकती। इसी तरह औद्योगिक प्रदूषण, कृषि रसायनों का उपयोग, फसल-चक्र में बदलाव, खनन, ये सभी क्षेत्र हैं, जिनका पेयजल उपलब्धि पर असर पड़ सकता है।

मनुष्यता की सच्ची कविताएं

समग्रता में देखें तो इन कविताओं की दृष्टि समन्वयवादी है। इनमें किसी तरह का वैचारिक अतिवाद नहीं है। इनका रस-तत्व पाठक के लिए सहज प्राप्य है क्योंकि इन्हें ग्रहण करते हुए किसी प्रकार के बाहरी स्रोतों और संदर्भों की आवश्यकता नहीं होती। ज्यादातर कविताओं की पृष्ठभूमि स्थानीय परिवेश को साथ लेकर आगे बढ़ती है और मनुष्य की सीमाओं-आकांक्षाओं, दोनों को बहुत सहजता के साथ प्रस्तुत करती हैं इसलिए पाठक को अर्थ ग्रहण करने से जूझना नहीं पड़ता। कविताओं की सहज संप्रेषणीयता भी पाठक को अपने साथ बांधे रहती है। इन कविताओं में कई स्थानों पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की कविताओं की झलक मिलेगी।

डॉ. सुशील उपाध्याय
शिक्षाविद एवं लेखक

कविता का सत्य गद्य के सत्य से अधिक गहरा होता है। कविता की रचना के पीछे जटिल मनोनुभूतियां और वैयक्तिक अनुभव मौजूद होते हैं। मनुष्य की प्रकृति की तरह ही ये अनुभव प्रायः इतने अधिक अपरिभाषित और अतार्किक होते हैं कि इन्हें किन्हीं पूर्व निर्धारित शब्दों और वाक्यों के जरिए प्रस्तुत किया जाना असंभव ही होता है। कविता की अनुभूति का धरातल लगभग वैसा ही है, जैसे किसी वैदिक ऋषि द्वारा उच्चारित मंत्रों का अलौकिक धरातल। यह बात दुनिया की सभी शास्त्रीय आलोचनात्मक पद्धतियों में स्वीकार की जाती है कि कविता को रचने की प्रक्रिया, इसके पाठ की प्रक्रिया और इसे ग्रहण करने की प्रक्रिया अपने स्वरूप में बहुत ही अनूठी होती है। कवि के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वह अपने रचे हुए के साथ अपने से दूर बैठे उन लोगों को साधारणीकरण अनुभूत करा सके जो उसे न तो व्यक्तिगत रूप से जानते हैं और न ही उसकी चिंतन एवं अनुभव प्रक्रिया से वाकिफ हैं। इस समस्त प्रक्रिया में एक साझा तत्व सदैव उपस्थित रहता है तो कवि के हृदय से बहकर सुहृदय पाठक तक पहुंचता है और दोनों एक ही भाव को समरूप होकर देखने में सक्षम हो जाते हैं। वस्तुतः कविता मनुष्य के भीतर मनुष्य की दैवी अभिव्यक्ति के अंतिम अवशेषों की तरह है। इसलिए जब कविता के पाठ की बात आती है तो कहा जाता है कि इसे शब्दों के साथ नहीं, बल्कि शब्दों से परे जाकर पढ़िए और महसूस करिए। शब्दों से परे जाकर पढ़ने की यह प्रक्रिया कवि के रचने की प्रक्रिया एवं उसके जटिल-कोमल भावों के साथ जस की तस मेल खाती हो, ऐसा होने की न तो कोई अनिवार्यता है और नहीं आवश्यकता है। अपनी मूल प्रकृति में कविता बेहद सरल भी है और साथ ही अत्यंत जटिल भी। जिस विचार या अनुभूति को सुव्यवस्थित और सुनिर्धारित भाषिक ढांचे के अंतर्गत गद्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है, उसी अनुभूति को कविता में प्रस्तुत करते हुए कोई भी तयशुदा ढांचा काम नहीं आता। कविता की रचना प्रक्रिया और पाठक द्वारा उसके ग्रहण करने की प्रक्रिया के संदर्भ में जब डॉक्टर बीके संजय के काव्य संकलन ह्यह्यउपहार संदेश काह्यह्य पर दृष्टिपात करते हैं तो अनेक ऐसी बातें सामने आती हैं जो कविता के पूर्व निर्धारित ढांचे को अतिक्रमित करती हैं। यदि इस संकलन के केवल शीर्षकों को पढ़ा जाए तो वह अपने आप में एक संपूर्ण कविता को निर्मित करते हुए सामने आते हैं। सभी शीर्षक कवि के मनोगत के साथ-साथ उनके भौतिक जगत दुनियावी रिश्तों-संबंधों, अच्छी-बुरी अनुभूतियों, सपनों, उम्मीदों-आकांक्षाओं और कल्पनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। शीर्षकों की प्रस्तुति का क्रम सायास नहीं है, लेकिन शीर्षकों का निर्धारण सहज रूप में कविताओं के अंतःभावों का सुस्पष्ट संकेतक है। हालांकि, यह आवश्यक नहीं है की कविताओं के अंतःतत्व का विश्लेषण करते हुए किसी कवि की सामाजिक, व्यावसायिक परिस्थितियों को अनिवार्यता ध्यान में रखा जाए, लेकिन कई बार कविताओं के विषय और उनकी प्रस्तुति का तरीका खुद ही इस बात की घोषणा करता है कि प्रस्तुत कवि साहित्य से इतर किसी अन्य क्षेत्र से जुड़ा है। डॉक्टर बीके संजय मेडिकल की दुनिया का सुप्रसिद्ध नाम हैं इसलिए उनकी कविताओं में विज्ञान, तार्किक चिंतन और निष्कर्ष तक पहुंचने की चाहत अक्सर दिखाई देती है। जैसे, ह्यह्यफैलावह्लह्ल कविता की कुछ पंक्तियां हैं- सोना चांदी तांबा पीतल लोहा हर धातु को भट्टी में जलते हुए देखा, पिटते हुए देखा, पिटने के बाद फैल कर उसकी पतली चद्दर होते हुए देखा। इसी कविता की अंतिम पंक्ति हैं- और उन सब लोगों का भी जिन्होंने मुझे पीटा कृतज्ञ हूँ कि वे पीटते रहे और हम फैलते रहे। इन कविताओं में एक संवादात्मक पहलू भी है। कविताएं अपने पाठक से प्रायः सीधा संवाद करती दिखाई देती हैं। जैसे, ह्यह्यभूखह्लह्ल कविता में डॉक्टर संजय लिखते हैं- अंत में यह निर्णय आप पर छोड़ता हूं कि आपके लिए कौन सी भूख कितनी महत्वपूर्ण है जीवन के रण में निर्णय ही कर्म है अर्थात जैसा करोगे वैसा भरोगे आपके उज्वल भविष्य के लिए हमारी शुभकामनाएं। किसी भी कविता को समझने के लिए आमतौर से तीन तरह की पद्धतियों की बात होती है। पहली पद्धति यह कहती है कि पाठक को कवि और उसके रचना कर्म से अच्छी तरह वाकिफ होना चाहिए। दूसरी पद्धति यह है कि कविता एक तरह का कोड है, जिसमें प्रत्येक विवरण एक दूसरे से संबंधित है और यह सारा विवरण किसी एक ही बिंदु पर टिका हुआ है। जैसे ही पाठक उस बिंदु पर पहुंचता है पूरी कविता उसके सामने खुल जाती है। तीसरी राय यह है कि कविता का अर्थ वही होता है जो पाठक समझना चाहता है अथवा उससे ग्रहण करना चाहता है। इन पैमानों को डॉक्टर बीके संजय की कविताओं के साथ जोड़ कर देखें तो यहां दूसरी पद्धति को सीधे तौर पर लागू किया जा सकता है। स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि ये कविताएं ऐसा कोड हैं जिनकी श्रंखला छुपी हुई नहीं है, बल्कि वे शाब्दिक और अनुभूतिगत स्पष्टता के साथ सामने आती हैं। उल्लेखनीय बात यह है कि सब कुछ इतना स्पष्ट होने के बावजूद वे पाठक से स्वयं की व्याख्या करने और मनोवांछित अर्थ ग्रहण करने के अधिकार को नहीं छीनती। किसी भी कवि के सामने एक बड़ी चुनौती यह है होती है कि यदि उसका पाठक उदार और सुहृदय नहीं है तो फिर वह कविताओं को तर्क के कठोर धरातल पर जांचने-परखने का प्रयास करेगा। इस तरह के प्रयास से या तो संबंधित कवि एवं कविता को पूरी तरह अस्वीकार कर दिया जाएगा अथवा कवि के संपूर्ण रचना कर्म को प्रामाणिक एवं वैज्ञानिक घोषित कर दिया जाएगा। ये दोनों ही स्थिति किसी कवि और उसकी रचनाओं के लिए अच्छी नहीं हैं क्योंकि कविता को परखने के भौतिक टूल हर प्रकार से अधूरे हैं और कई बार अप्रामाणिक भी होते हैं। किसी भी अच्छी कविता में एक जादुई गुण होता है जो डॉक्टर बीके संजय की कविताओं में भी यत्र-तत्र बिखरा हुआ है। इन कविताओं में किसी भी आम व्यक्ति का पूरा जीवन मौजूद है। उसमें पानी है, हवा है, प्रेम है, दुख है, चाही-अनचाही प्रार्थनाएं हैं, तृप्ति-तृप्ति हैं, लौकिक-अलौकिक भाव-व्याकुलता है, कुल मिलाकर मनुष्य का स्वर है। कोई भी कविता उसके रचने वाले के निजी चिंतन-दर्शन से मुक्त नहीं होती। कोई भी कविता कवि के अपने जीवन के अधूरे-पूरे अनुभव से मुक्त नहीं होती और कोई भी कविता समाज के भीतर निरंतर घटित होती अच्छी-बुरी, मर्यादित-अमर्यादित घटनाओं से भी मुक्त नहीं होती। यह तमाम बातें डॉक्टर बीके संजय की कविताओं पर भी ज्यों की त्यों लागू होती हैं। बुद्ध ने अपने दर्शन में दुख को जीवन का केंद्रीय भाव कहा है। दुख की उपस्थिति जीवन में प्रामाणिक रूप से मौजूद है, लेकिन अंतिम लक्ष्य दुख को साधे रखना नहीं है। तो फिर वो क्या है ? अपनी ह्यह्यपूर्णताह्यह्य कविता में कवि ने लिखा-

पूर्णता ही जीवन का लक्ष्य है
पूर्णता ही स्थाई है
और पूर्णता से ही मोक्ष है
इसलिए पूर्णता की ही खोज है।

इन कविताओं की एक खूबसूरती है यह कि ये शाश्वत सनातन को आज से जोड़ती हैं। कई प्रसंग पौराणिक होते हुए भी समकालीन परिस्थितियों की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। युद्ध कविता में उन्होंने लिखा-

युद्ध के पहले के समझौते
बुद्धिमानों के काम हैं
जैसे कृष्ण का प्रस्ताव।
युद्ध के बाद के समझौते बुद्धिहीनों के काम हैं
जैसे कौरवों का विनाश
समझौते युद्ध से बचने के उपाय हैं।

जब लौंग दाने के आकार की हो जाए लीची तो फल छेदक कीट से करें बचाव

इन दोनो अवस्थाओं में फल बेधक कीट के नियंत्रण हेतु उपरोक्त दवा का छिड़काव अनिवार्य है।पूर्व वर्षो के अनुभव के आधार पर जिन लीची के बागों में फल के फटने की समस्या ज्यादा हो वहां के किसान 15 अप्रैल के आसपास बोरान 4 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करने से लीची के फल के फटने की समस्या में भारी कमी आती है। इस समय रोग एवं कीड़ों की उपस्थिति के अनुसार रसायनों का प्रयोग करें। इस समय इमिडाक्लोरप्रीड (17.8 एस0एल0) 1मि0ली0दवा प्रति दो लीटर पानी में और हैक्साकोनाजोल 1मिली लीटर प्रति लीटर पानी या डाइनोकैप (46 ई0सी0) 1मिली दवा प्रति 1लीटर पानी में घोलकर छिड़कने से कीड़े एवं रोग की उग्रता में कमी आती है।

डॉ एस के सिंह
लेखक

फल छेदक कीट से बचाव के लिए लीची में फल जब लौंग के आकार के बराबर हो जाए तो ऐसी अवस्था में लीची के बेहतर और गुणवत्ता पूर्ण उत्पादन के लिए फल छेदक कीट से बचाव जरूरी हो जाता है। भारत में 92 हजार हेक्टेयर में लीची की खेती हो रही है ,जिससे कुल 686 हजार मैट्रिक टन उत्पादन होता है,जबकि बिहार में लीची की खेती 32 हजार हेक्टेयर में होती है जिससे 300मैट्रिक टन लीची का फल प्राप्त होता है।बिहार में लीची की उत्पादकता 8टन प्रति हेक्टेयर है जबकि राष्ट्रीय उत्पादकता 7.4टन प्रति हेक्टेयर है।इस समय बिहार में लीची में फल लग चुके है , जिनका आकार लौंग के बराबर के हो चुका है । ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि फल अधिक से अधिक पेड़ पर लगे रहे एवं स्वस्थ रहें ।इसके लिए निम्नलिखित सलाह को अमल में लाने की आवश्यकता है। लीची में फूल आने से लेकर फल की तुड़ाई के मध्य मात्र 40 से 45 दिन का समय मिलता है ।इसलिए लीची उत्पादक किसान को बहुत सोचने का समय नहीं मिलता है। इसकी तैयारी पहले से करके रखने की जरूरत है।लीची की सफल खेती के लिए आवश्यक है कि लीची में लगने वाले फल छेदक कीट को कैसे प्रबंधित करते है? लीची में फल छेदक कीट का प्रकोप कम हो इसके लिए आवश्यक है कि साफ -सुथरी खेती को बढ़ावा दिया जाय। लीची में फल बेधक कीट से बचने के लिए थायो क्लोप्रीड एवं लमडा सिहलोथ्रिन की आधा-आधा मिलीलीटर दवा को प्रति लीटर पानी या नोवल्युरान 1.5 मीली दवा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। लीची की सफल खेती में इसकी दो अवस्थाएं महत्वपूर्ण होती है। पहली जब फल लौंग के बराबर के हो जाते है एवं दूसरी अवस्था जब लीची के फल लाल रंग के होने प्रारंभ होते है । इन दोनो अवस्थाओं में फल बेधक कीट के नियंत्रण हेतु उपरोक्त दवा का छिड़काव अनिवार्य है ।पूर्व वर्षो के अनुभव के आधार पर जिन लीची के बागों में फल के फटने की समस्या ज्यादा हो वहां के किसान 15 अप्रैल के आसपास बोरान 4 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करने से लीची के फल के फटने की समस्या में भारी कमी आती है। इस समय रोग एवं कीड़ों की उपस्थिति के अनुसार रसायनों का प्रयोग करें। इस समय इमिडाक्लोरप्रीड (17.8 एस0एल0) 1मि0ली0दवा प्रति दो लीटर पानी में और हैक्साकोनाजोल 1 मिली लीटर प्रति लीटर पानी या डाइनोकैप (46 ई0सी0) 1 मिली दवा प्रति 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़कने से कीड़े एवं रोग की उग्रता में कमी आती है। प्लेनोफिक्स नामक दवा 1 मिली प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से फल के गिरने में कमी आती है ।इस अवस्था में हल्की सिंचाई शुरू कर देनी चाहिए जिससे बाग की मिट्टी में नमी बनी रहे लेकिन इस बात का ध्यान देना चाहिए कि पेड़ के आस पास जलजमाव न हो। यदि आप का पेड़ 15 वर्ष या 15 वर्ष से ज्यादा है तो उसमे 500-550 ग्राम डाइअमोनियम फॉस्फेट ,850 ग्राम यूरिया एवं 750 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 25 किग्रा खूब अच्छी तरह से सडी गोबर की खाद में मिलाकर पौधे के चारों तरफ मुख्य तने से 2 मीटर दूर रिंग बना कर प्रयोग करना चाहिए । यदि आपका पेड़ 15 वर्ष से छोटा है तो उपरोक्त खाद एवं उर्वरक की मात्रा में 15 से भाग दे दें ,इसके बाद जो आएगा उसमे पेड़ की उम्र से गुणा कर दें। यही उस पेड़ के लिए खाद एवं उर्वरकों का डोज होगा। फल का झडना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। प्रारंभिक अवस्था में जितना फल पेड़ पर लगता है, उसका मात्र 5-7 प्रतिशत फल ही पेड़ पर टिकता है। बाकी फल झड़ जाता है। अनावश्यक कृषि रसायनों का छिड़काव नहीं करना चाहिए अन्यथा फल की गुणवक्तता प्रक्रिया प्रभाववित होगी।

मुद्दों से दूर भागता आम चुनाव...

मेरी याददाश्त में देश में ये पहला और शायद आखरी आम चुनाव है जो कि जनता के मुद्दों से दूर भागता नजर आ रहा है। देश के मतदाताओं से सीधे जुड़े मुद्दों पर बातचीत करने के बजाय ऐसे मुद्दों पर विमर्श को केंद्रित करने की कोशिश की जा रही है जो न केवल अप्रासंगिक हैं बल्कि उनका आज की तारीख में देश और देश की जनता से कोई लेना-देना नहीं है। लोकतंत्र में जनता को भटकाना यानि लोकतंत्र को भटकाना एक गंभीर अपराध है, लेकिन लोग हैं कि ये अपराध सीना ठोंक कर कर रहे हैं।

इस समय देश में अठारहवीं लोकसभा के लिए चुनाव की प्रक्रिया जारी है। इनमें से कम से कम 14 आम चुनावों का मैं चश्मदीद हूँ और कम से कम एक दर्जन आम चुनावों का कव्हरेज एक पत्रकार के नाते मैंने किया है। लेकिन ये पहला मौका है जब आम चुनावों को मुद्दों से भटकाने की एक सुनियोजित कोशिश की जा रही है। दुर्भाग्य ये है कि ये कोशिश वे राजनीतिक दल कर रहे हैं जो न सिर्फ जिम्मेदार माने जाते हैं बल्कि पिछले एक दशक से भारत के भाग्यविधाता भी बने हुए हैं। विपक्ष जैसे-तैसे आम चुनावों को मौजूदा मुद्दों पर लेकर आता है सत्ता पक्ष झटके में अतीत की एक कब्र खोदकर उसमें से अपने मतलब का एक कंकाल निकाल लाता है, वो भी आधा-अधूरा और जनता को मुद्दों से भटका देता है।

तीसरी बार सत्ता में आने के लिए कटिबद्ध भाजपा के तरकस से लगभग सभी तीर निकल चुके है। राम मंदिर बन गया, जम्मू-कश्मीर को खंड-खंड कर वहां से अनुच्छेद 370 का विलोप हो गया, तीन तलाक पर कानून बन गय। नारी शक्ति की वंदना हो गयी। समान नागरिकता कानून का शिगूफा भी छोड़ा जा चुका है और अब जब कुछ नहीं बचा तो भाजपा के विद्वान रणनीतिकार अतीत की कब्र खोदकर श्रीलंका और भारत के बीच 1974 में हुए एक सीमा समझौते को खोज लाये। जिसे पिछले एक दशक से न भाजपा नेता जानते थे और न देश की जनता। अब भाजपा कच्चादीव विवाद खड़ा कर दक्षिण के तमिल मतदाताओं की भावनाओं को कुरेद कर अपना उल्लू सीधा करना चाहती है।

भाजपा के नेतृत्व को भलीभांति पता है कि वो अपनी पार्टी की सरकार की कथित उपलब्धियों के बूते से मौजूदा आम चुनाव नहीं जीत सकती। भाजपा ने इस बार गलती से तीसरी बार सत्ता में आने के लिए न सिर्फ चुनाव जीतने का बल्कि अपने लिए अखंड शक्ति हासिल करने के मकसद से 400 पार का नारा और दे दिया है। हकीकत ये है कि भाजपा की नाव मझदार में है। उसके लिए पिछले आम चुनाव में मिली कामयाबी के कीर्तिमान को ही बनाये रखना कठिन हो रहा है। चार सौ पार की बात तो दूर की कौड़ी है।

आप गौर कीजिये कि जब से कांग्रेस का चुनाव घोषणा पात्र न्याय पत्र के नाम से सामने आया है तभी से भाजपा के होश उड़ते दिखाई दे रहे है। भाजपा के पहले दर्जे के नेताओं ने कनग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र की तुलना मुस्लिम लीग से कर दी है। दुनिया जानती है कि इस देश में अब मुस्लिम लीग का कोई वजूद नहीं है। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने ये टिप्पणी खीजकर की है। इससे बहुसंख्यक खुश नहीं हुए और अल्पसंख्यक दुखी जरूर हो गए। भाजपा यही करना चाहती है। अल्पसंख्यकों को दुखी करना ही भाजपा का असल उद्देश्य है, क्योंकि भाजपा को पता है कि भाजपा लाख कारीगरी कर ले देश का अल्पसंख्यक उसके ऊपर भरोसा नहीं कर सकता।

दरअसल अठारहवीं लोकसभा के लिए होने वाले चुनावों में मुद्दा भ्ष्टाचार होना था। भ्ष्टाचार को संरक्षण देने वाले दल होना चाहिए था। इलेक्टोरल बांड से जुटाया जाने वाला धन होना चाहिए था। सरकार अपनी उपलब्धियों पर और विपक्ष सरकार की असफलताओं पर चुनाव लड़ता तो वास्तविक चुनाव होता। दुर्भाग्य ये है कि ये सब सत्तापक्ष होने नहीं देना चाहता। सत्तापक्ष मौजूदा विपक्ष को तो छोड़िये पचास साल पहले की सरकारों के फैसलों पर सवाल खड़े कर जनता को भ्रमित करना चाहता है। ऐसा किसी देश में नहीं होता। भारत में भी ऐसा कभी नहीं हुआ। न आपातकाल के बाद बनी पहली गठबंधन की सरकार ने ऐसा किया और न भाजपा के नेतृत्व में अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने ये अपराध किया। अटल जी ने अतीत की कब्रें नहीं खोदीं। वे अपनी सरकार की उपलब्धियों पार चुनाव लड़े। साइनिंग इंडिया उनका नारा था।

आज की भाजपा सरकार अटल जी की सरकार का हश्र देख चुकी है, इसलिए अपनी उपलब्धियों के बूते चुनाव न लड़कर अप्रासंगिक, निराधार, और निरर्थक मुद्दों को सामने रखकर चुनाव लड़ रही है।

संक्षिप्त खबरें

औद्योगिक क्षेत्र में सड़कें दुरुस्त हों : प्रदीप गुप्ता

जिले के औद्योगिक क्षेत्रों की ज्यादातर सड़कें जर्जर हैं। इन्हें दुरुस्त कराने के लिए उद्यमी गुहार लगा रहे हैं। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही। इससे दिक्कत होती है। आईआईए एमएसएमई पॉलिसी के चेयरमैन प्रदीप गुप्ता बताते हैं कि दो दर्जन से अधिक औद्योगिक क्षेत्र हैं। इसमें एक दर्जन क्षेत्र सरकारी विभागों ने विकसित किए, जबकि अन्य निजी हैं। इन क्षेत्रों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग की छोटी-बड़ी 22 हजार से अधिक इकाइयां संचालित हैं। इनमें से ज्यादातर क्षेत्रों की सड़कें टूटी हैं। धूल उड़ने से प्रदूषण फैलता है। यहां माल वाहक वाहनों को आने-जाने में दिक्कत होती है। सड़कों पर गहरे गड्ढे हो चुके हैं। कई बार इन क्षेत्रों की सड़कों का निर्माण कराने की मांग उठाई है। इसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे उद्यमियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा।

मतदान के लिए बूथ तैयार कर रहा निगम

गाजियाबाद लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा। मतदान के लिए नगर निगम बूथ तैयार करने में जुट गया है, ताकि मतदान वाले दिन मतदाताओं को किसी तरह की कोई परेशानी न हो। गाजियाबाद लोकसभा सीट पर प्रत्याशियों के नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। ऐसे में अब इस सीट पर अधिक से अधिक मतदान कराने में जिला प्रशासन जुट गया है। इसको लेकर जागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसमें लोगों से मतदान करने की अपील की जा रही है। इसी प्रक्रिया के तहत नगर निगम भी मतदान बूथ तैयार करने में जुट गया है। ताकि 26 अप्रैल को होने वाले मतदान में किसी को कोई दिक्कत न हो। नगर निगम के अधिकारी बताते हैं कि मतदान बूथ पर नियमानुसार सुविधाएं होंगी, ताकि मतदाता आसानी से अपने वोट डाल सके। इसके लिए निगम की टीमों को सभी नियमों का पालन करते हुए बूथ तैयार करने को कहा गया है। साथ ही बूथों पर रंगाई पुताई से लेकर साफ सफाई की भी व्यवस्था की जा रही है।

सड़क किनारे खड़ा ई-रिक्शा गायब

सेक्टर-8 निवासी व्यक्ति का ई-रिक्शा चोरी हो गया। पीड़ित ने इसको लेकर सेक्टर-20 थाने में केस दर्ज कराया है। शरफाराज ने पुलिस बताया कि उन्होंने आठ फरवरी को अपना ई-रिक्शा सेक्टर-25 जलवायु विहार के पास खड़ा किया था। इस दौरान उनका ई-रिक्शा चोरी हो गया। पीड़ित शिकायत पर पुलिस ने ई-रिक्शा की तलाश शुरू कर दी है।

शराब तस्कर को जेल भेजा

फेज-2 पुलिस और आबकारी की टीम ने गुरुवार को सेक्टर-81 में जांच के दौरान 231 बोतल देसी शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान राहुल वर्मा निवासी नगलाचरणदास के रूप में हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी हरियाणा से देसी शराब लाकर शहर की फैक्टरी और कंपनी के कर्मचारियों को बेचता था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

खुद को बैंककर्मी बताकर 89 हजार ऐंठे

साइबर अपराधी ने सेक्टर-128 निवासी सुरेंद्र सिंह के मोबाइल पर बैंक का कर्मचारी बनकर कॉल किया। उसने झांसे में लेकर उनके फोन में एक ऐप को डाउलोड कराया। इसके बाद उनका फोन हैक हो गया और कुछ ही देर में उनके खाते से 89, 391 रुपये निकल गए। बैंक से पये कटने का मैसेज आने के बाद उनको ठगी की जानकारी हुई। सुरेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरेली: युवती के शव की तीन दिन बाद भी नहीं हो सकी शिनाख्त

बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर नगरिया गांव में हाईवे किनारे गेहूं के खेत में मिले युवती के शव की तीन दिन बाद भी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस अब गुरुवार को शव का अंतिम संस्कार कराएगी। सोमवार को युवती का शव बोरे में बंद मिला था। युवती की पहचान के लिए पुलिस टीमें दूसरे थानों में दर्ज गुमशुदगी और प्रधानों से जानकारी करती रहीं, मगर अभी तक शव की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने उत्तराखंड समेत अन्य जिलों में भी पुलिस से संपर्क कर पहचान की कोशिश की, लेकिन, सफलता नहीं मिली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबा कर हत्या करने की पुष्टि हुई थी। युवती की दाहिनी कलाई पर पुष्पा और अजय लिखा हुआ था। बिथरी चैनपुर थाना प्रभारी संजय सिंह तोमर ने बताया कि युवती की पहचान के लिए चार टीमें लगाई गई हैं।

लोकसभा चुनाव : उप्र में साइकिल नहीं पकड़ पाई रफ्तार, सीटें घटी कम हुआ वोट शेयर

लखनऊ, एजेंसी

अक्टूबर 1992 में गठन के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) ने 1996 के आम चुनाव में पहली बार अपने प्रत्याशी मैदान में उतारे थे। अपने पहले संसदीय चुनाव में उत्तर प्रदेश में 16 सीटें जीतकर उसने अपनी पारी का शानदार आगाज किया था। इस चुनाव के बाद हुए छह आम चुनावों में साइकिल कभी रफ्तार से दौड़ नहीं पाई। सपा के लिए सबसे बुरा साल 2019 का आम चुनाव रहा, जब वह बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन में रही और उसका वोट प्रतिशत पहली बार 20 फीसदी से भी कम हो गया। फिलवक्त, सपा के पांच सांसद हैं। 1996 के चुनाव में साइकिल ने ली इंट्री उप्र के संसदीय इतिहास में सपा ने पहली बार 1996 का आम चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में सपा ने 64 सीटों पर उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था और 16 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में सपा को 20.84 फीसदी वोट मिले थे। 1998 के आम चुनाव में सपा ने 81 सीटों पर प्रत्याशी खड़े किये। सपा ने 20 सीटों पर जीत हासिल की। उसके खाते में 16020745 (28.7 फीसदी) वोट आए। इस चुनाव में उसके नौ प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई थी। साल 1999 के आम चुनाव में 84 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली सपा को 26 सीटें मिलीं और 24.06 फीसदी वोट मिला। इस चुनाव में सपा के 26 उम्मीदवार अपनी जमानत बचाने में असफल रहे। इसके बाद साल 2004 के चुनाव में सपा 68 सीटों पर लड़ी और 35 सीटें जीती। इस चुनाव में सपा को 14243280 (26.74) फीसदी वोट मिले थे। ये अब तक का सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। चुनाव दर चुनाव घटता गया जनाधार सपा का दबदबा 2009 के चुनाव में कम हुआ। इस चुनाव में सपा ने 75 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। सपा को सिर्फ 23 सीटें मिलीं और उसका मत प्रतिशत घटकर 23.25 प्रतिशत रह गया और उसके 19 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई। अखिलेश के मुख्यमंत्री रहते लचर प्रदर्शन 16वीं लोकसभा के लिए 2014 के आम चुनाव में सपा का प्रदर्शन वोट शेयरिग और सीटों के लिहाज से खराब रहा।

इस चुनाव में सपा ने 78 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। सपा को सिर्फ पांच सीटों पर जीत हासिल हुई। ये सीट भी यादव परिवार की गढ़ माने जाने वाली सीटें थी। इस चुनाव में सपा को 22.18 फीसदी वोट मिले थे। इस दौरान राज्य में अखिलेश यादव की अगुवाई में सपा की पूर्ण बहुमत की सरकार भी थी। इस प्रदर्शन से सपा सरकार की कार्यप्रणाली पर तो सवाल उठे ही, वहीं उसका राजनीतिक रसूख भी प्रभावित हुआ। 2019 के चुनाव में गठबंधन के बाद भी हालत खराब 2019 के आम चुनाव में सपा-बसपा-रालोद का गठबंधन था। गठबंधन में सपा के हिस्से में 37 सीटें आई थी। इस चुनाव में सपा 5 सीटें ही जीत सकी। गठबंधन के बावजूद उसका वोट प्रतिशत सिर्फ 17.96 फीसदी ही रहा। गठबंधन का फायदा बसपा को मिला। उसकी सीटें शून्य से दस पर पहुंच गई। बसपा का वोट शेयर 19.26 फीसदी रहा। रालोद का तो इस चुनाव में खाता ही नहीं खुला। 2024 के चुनाव में पीडीए और कांग्रेस से गठबंधन इस बार सपा-कांग्रेस का गठबंधन है। इंडिया गठबंधन में हुए सीटों के बंटवारे में सपा 63 और कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के फामूर्ले से चुनाव जीतने के दावे कर रहे हैं। लेकिन जिस तरह सपा कई-कई बार प्रत्याशी बदल रही है, उससे पार्टी में कंफ्यूजन का माहौल है। कई प्रत्याशियों को लेकर स्थानीय नेताओं ओर कार्यकताओं में नाराजगी भी देखने को मिल रही है। वहीं कांग्रेस का उप्र में सियासी वजूद और हैसियत जगजाहिर है। कांग्रेस का हाथ साइकिल को कितनी रफ्तार दे पाता है यह तो चुनाव के नतीजे ही बताएंगे। हालांकि बीते सात लोकसभा चुनावों में सपा के प्रदर्शन के आधार पर यह माना जा रहा है कि सपा के लिए यह चुनाव आसान नहीं है।

दबंगों ने फर्नीचर कारोबारी को पीट-पीट कर मार डाला, चार गंभीर घायल

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। लाठी -डंडों की पिटाई से घायल फर्नीचर कारोबारी शाकिर अली (45) इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि मृतक के दो भाई और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर आरोपी गांव से भाग निकले। पुलिस ने मृतक के चचेरे भाइयों समेत पांच लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। शाकिर अली नौगांवा सादात थाना क्षेत्र के धनौरी मीर गांव के रहने वाले थे। उनके परिवार में पत्नी रफीकन के अलावा नौ बच्चे हैं। शाकिर अली नौगांवा सादात कस्बे में फर्नीचर की दुकान चलाते थे। उनके बेटे नवाब अली के मुताबिक बुधवार को पिता शाकिर अली दुकान पर गए हुए थे।शाम को चांद दिखने के बाद घर में ईद की तैयारी चल रही थीं। इस दौरान नवाब अली का छोटा भाई सावेज गांव में ही सैलून पर बाल कटवाने गया था। आरोप है कि यहां पर सामिक अली ने सावेज के साथ मारपीट कर दी। ये बात सावेज ने अपने घर जाकर परिजनों को बताई। तब तक शाकिर अली दुकान से घर आ चुके थे।इस दौरान शाकिर अली अपने भाई जाबिर अली, इशरत अली और बेटे नवाब अली के साथ मारपीट की शिकायत करने सामिक के पास पहुंचे तो वहां मौजूद हासम, वसीम, सामिक, मुजफ्फर और राशिद ने उनकी लाठी-डंडों से बुरी तरह पिटाई कर दी।मारपीट में नवाब अली, शाकिर अली, जाबिर अली और इशरत अली घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने शाकिर अली को इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया।सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि मामले में मृतक शाकिर अली के बेटे नवाब की तहरीर पर आरोपी हासम, वसीम, सामिक, मुजफ्फर और राशिद के खिलाफ गैर इरादतन हत्या धमकी और गाली गलौज के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मृतक शाकिर अली हासम, वसीम, मुजफ्फर और राशिद मृतक शाकिर अली के चचेरे भाई हैं। जबकि सामिक उनका भतीजा है।

नहाय और खाय के साथ आज से चैती छठ पूजा की शुरूआत होगी

गाजियाबाद, एजेंसी

नहाय खाय के साथ शुक्रवार से चैती छठ पूजा की शुरूआत होगी। चार दिवसीय महापर्व में व्रतधारी 36 घंटे का कठोर व्रत रखती हैं।यह व्रत महिलाओं द्वारा अपने संतान की लंबी आयु की कामना के लिए रखा जाता है। इस महापर्व में 14 और 15 अप्रैल को भगवान सूर्य को हजारों की संख्या में श्रद्धालु अर्घ्य देंगे। प्रकृति पूजन एवं लोक आस्था का महापर्व साल में दो बार मनाया जाता है। एक कार्तिक मास में और दूसरा चैत्र मास में। चैत्र मास में करने वाले छठ को चैती छठ कहा जाता है। मिथिलांचल सेवा समिति के अध्यक्ष पवन झा ने बताया कि चैती छठ पूजा 12 अप्रैल से 15 अप्रैल तक मनाया जाएगा। हजारों की संख्या में बिहार प्रांत एवं पूर्वांचल के लोग शहर में छठ पर्व मनाते हैं। हालांकि चैती छठ कार्तिक मास में मनाए जाने वाले छठ पूजा के मुकाबले कम जगहों पर होता है। इसमें महिलाएं 36 घंटे का कठोर व्रत रखती हैं।उन्होंने बताया कि छठ पूजा की शुरूआत पहले दिन नहाय खाय के साथ होती है। इस दिन घरों में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। पूरे घरों की सफाई की जाती है और स्नान करके व्रत का संकल्प लिया जाता है। इस दिन घरों में पूजा के लिए प्रसाद के रूप में चने की दाल, घीया एवं चावल बनता है। व्रती के प्रसाद ग्रहण करने के बाद परिवार के अन्य लोगों को प्रसाद खाने के लिए दिया जाता है। शनिवार को पूजा के दूसरे दिन पंचमी तिथि को खरना मनाया जाएगा। शहर में हिंडन समेत अन्य घाटों पर 14 की शाम में डूबते एवं 15 अप्रैल को भोर में उगते भगवान भास्कर को श्रद्धालु अर्घ्य देंगे। चैत्र छठ का महत्व मान्यता है कि छठी माता भगवान सूर्य की मानस बहन है। इसलिए छठ के व्रत में छठी मईया और सूर्य भगवान की पूजा करने का विधान है। यह व्रत महिलाओं द्वारा अपनी संतान की लंबी आयु की कामना के लिए रखा जाता है। मान्यताओं के अनुसार छठी मईया संतान की रक्षा करती हैं। सूर्य भगवान की उपासना से आरोग्यता प्राप्त होती है। पूजा सामग्री ईख, नारियल,नया वस्त्र साड़ी, नींबू, साठी का चावल, धूप, पान कसैली, बांस का सूप, फल, मिट्टी का दिया, मिठाई, सुथनी कलश, अगरबत्ती, मूली, हल्दी, शकरकंद।

नोएडा में दिनदहाड़े चेन छीनकर बदमाश फरार, सीसीटीवी में कैद हुआ वीडियो

नोएडा, एजेंसी

पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद स्ट्रीट क्राइम, दिनदहाड़े चेन स्नेचर, लूट जैसी घटनाओं पर लगाम नहीं लग रही है. घटना सीसीटीवी में कैद हो जाती है, लेकिन फिर भी बदमाश खुलेआम घूमते रहते हैं. ठीक एक ऐसे ही घटना गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरी सेक्टर 50 में देखने को मिला है. एक बदमाश बाइक सवार धीरे से एक महिला के पास आता है और चेन छीनकर फरार हो जाता है. वहां खड़े सिक्योरिटी गार्ड भी कुछ नहीं कर पाता. घटना का पूरा वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया, जिसे यूजर सोशल मीडिया पर वीडियो के साथ नोएडा कमिश्नर को टैग कर लुटेरों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की गई है. नोएडा सेक्टर 49 के पुलिस ने बताया कि यह घटना नोएडा सेक्टर 50 के एफ ब्लॉक की है. जहां एक महिला अपने पति के साथ पैदल जा रही थी, तभी महंगी बाइक पर एक बदमाश सवार होकर महिला के सामने आता है

और महिला के गले से चेन छीनकर फरार हो जाता है. इस घटना से पूरे सेक्टर का माहौल दहशत में है. पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है और लोगों ने इसे सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया है. फिलहाल इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. पुलिस टीम फुटेज के जरिए चेन स्नेचर को पकड़ने की कोशिश में जुट गई है. हम जल्द बदमाश को गिरफ्तार कर लेंगे।

कंपोजिट विद्यालयों में छात्राओं की जांच कर खून की कमी दूर की जाएगी

गाजियाबाद, एजेंसी

जिले के कंपोजिट विद्यालयों में छात्राओं में खून की कमी को दूर किया जाएगा। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों की तरह ही एनीमिक छात्राओं को चिह्नित किया जाएगा और इलाज शुरू कर होगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग ने जनपद के स्कूल-कॉलेजों में छात्राओं में खून की कमी को दूर करने का अभियान शुरू किया है। पहले चरण में गाजियाबाद के चार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय को चिन्हित किया गया था। आमतौर पर लड़कों के मुकाबले लड़कियों में खून की कमी ज्यादा रहती है। इसको देखते हुए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत रजापुर, मुरादनगर, मुकीमपुर और लोनी स्थित बालिका विद्यालयों में छात्राओं की हीमोग्लोबिन (एचबी) की जांच की गई। 388 में से 52 छात्राओं का एचबी छह से 10 ग्राम तक था। जबकि स्वास्थ्य छात्रा की एचबी 14 होना चाहिए। तीन महीने तक उपचार के बाद सभी 52 छात्राएं को आयरन और फोलिक एसिड की टेबलेट खाने के लिए दी गई। इसके अलावा गाजर, चुकंदर, गुड़, हरे पत्तेदार सब्जियों आदि का सेवन करने की सलाह दी गई। उपचार के बाद सभी छात्राएं एनीमिक मुक्त हो गई। स्वास्थ्य विभाग का पहले प्रयोग की सफलता के बाद अब पूरे प्रदेश में इसको लागू किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. भवतोष शंखधर ने बताया कि दूसरे चरण में जिले के कंपोजिट विद्यालयों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। स्कूलों में कक्षा छह से आठ तक की बच्चियों की हीमोग्लोबिन जांच की जाएगी। जिन छात्राओं का एचबी कम पाया गया, उनका इलाज शुरू किया जाएगा।

हथियारों की तस्करी करने के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, पिस्टल, तमंचा व कारतूस बरामद

नोएडा, एजेंसी

सूरजपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान सर्विलांस टीम की सहायता से अवैध हथियारों की तस्करी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से दो पिस्तौल, चार देसी तमंचे और भारी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किया गया है. फिलहाल पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है. दरअसल, लोकसभा चुनाव को देखते हुए गौतम बुद्ध नगर में लगातार चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है. इसी दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया. पुलिस जानकारी जुटा रही है कि कहीं इन अवैध हथियारों का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव के लिए तो नहीं किया जा रहा था. सूरजपुर थाना प्रभारी ने बताया कि गुरुवार को सूरजपुर पुलिस ने सर्विलांस टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई में एक अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया. आरोपी की पहचान जिला गाजियाबाद के थाना साहिबाबाद क्षेत्र के अर्थला गांव निवासी लोकेश के रूप में हुई है. वह मूल रूप से जिला अलीगढ़ के थाना विजयगढ़ क्षेत्र के गांव गंगरौल का रहने वाला है. आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी के साथ मिलकर जनपद अलीगढ़ स्टेशन के पास से एक व्यक्ति से यह अवैध असलहा खरीद कर लाया है और इनको नोएडा, दिल्ली व एनसीआर में अच्छी कीमत पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाने की फिराक में था. वह पहले भी कई संगीन वारदातों को अंजाम दे चुका है और उसके खिलाफ अलीगढ़ में कई मुकदमे दर्ज हैं।

होटल में चल रहे देह व्यापार का पदार्फाश

नोएडा, एजेंसी

सेक्टर-63 पुलिस ने बहलोलपुर गांव के ओयो होटल मे चल रहे अवैध देह व्यापार का खुलासा कर सात लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने होटल से तीन नाबालिग समेत सात महिलाओं को मुक्त कराया। आरोपी बिहार से नाबालिग लड़कियों को एनसीआर में नौकरी दिलवाने के बहाने नोएडा लाकर जबरन देह व्यापार कराते। इस मामले में शामिल तीन लोग फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि पुलिस और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम को बुधवार को सूचना मिली कि बहलोलपुर गांव स्थित ओयो होटल शीतल में वेश्यावृत्ति हो रही है। इस होटल को फरमान और उसका भाई फैयाज चला रहे थे। ये लोग बिहार से नाबालिग लड़कियों को नौकरी दिलवाने के बहाने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लाते थे और उनसे जबरन देह व्यापार करवाते थे। सूचना के आधार पर होटल में छापेमारी की गई। वहां से पुलिस ने अजहरुद्दीन उर्फ अज्जू, अख्तर मोहम्मद, सुमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, मोहम्मद फैयाज, फरमान और मरगूम आलम को गिरफ्तार किया। होटल के भवन का मालिक सुरेंद्र यादव, होटल संचालकों को लड़कियां सप्लाई करने वाली रुखसाना और रहमान उर्फ बल्लू भाई फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि होटल की बिल्डिंग सुरेंद्र यादव की है, जिसे आरोपी किराए पर लेकर देह व्यापार कर रहे थे। होटल से चार नाबालिग लड़कियां बरामद हुईं, जिनकी उम्र 16 से 17 वर्ष है। लड़कियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें बिहार से नौकरी दिलाने का लालच देकर नोएडा लाया गया था। आरोपी से पूछताछ के दौरान पता चला कि वे ग्राहकों से एक से लेकर दो हजार रुपये तक वसूलते थे। किशोरियों और महिलाएं विरोध करतीं तो उन्हें डराया धमकाया जाता था। पुलिस को होटल से एक डायरी भी मिली है, जिसमें उनके ग्राहकों की सूची है। पुलिस ने मौके से 11 मोबाइल फोन, 12110 रुपये और आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की। पुलिस आरोपियों के मोबाइल फोन के आधार पर भी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गैंग में और कितने लोग शामिल हैं। जांच के दौरान पुलिस को कई नामी लोगों के बारे में भी जानकारी मिली है, जो यहां पर आते थे। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों को गुरुवार को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उनको न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

यूपी रेरा कार्यालय में भी जमा करने होंगे ऑनलाइन शिकायतों के दस्तावेज

नोएडा, एजेंसी

यूपी रेरा ने ऑनलाइन शिकायत के सभी दस्तावेज कार्यालय में जमा कराने का आदेश जारी किया है, ताकि उनका अध्ययन ठीक से किया जा सके और कोई शिकायतकर्ता बाद में दस्तावेज को अपना बताने से इंकार न कर सके। जमा करने से पहले सभी कागजात को स्वयं प्रमाणित भी करना होगा। यूपी रेरा में अब तक 57 हजार से अधिक खरीदार शिकायत कर चुके हैं। यूपी रेरा के पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन शिकायत करने की सुविधा हैं। खरीदार ऑनलाइन शिकायत कर रहे हैं। शिकायत में सभी तरह के कागजात भी अपलोड करने जरूरी है, लेकिन अब इन कागजात को यूपी रेरा के कार्यालय में जमा करना होगा। यूपी रेरा के अफसरों ने बताया कि ऑनलाइन अपलोड होने वाले कागजात पढ़ने में स्पष्ट नहीं होते हैं। साथ ही, कई बार शिकायतकर्ता कागजात को अपना मानने से इंकार भी कर देते हैं। इस तरह के मामलों को रोकने के लिए अब शिकायतकर्ता को सभी दस्तावेज यूपी रेरा कार्यालय में भी जमा करने होंगे। अगर वे खुद नहीं आ सकते तो फिर डाक से भी कागजात भेज सकते हैं। खरीदार को जमा करने से पहले सभी कागजात हस्ताक्षर कर प्रमाणित करने होंगे। इससे जवाबदेही तय हो जाएगी। इन कागजात में एग्रीमेंट फॉर सेल, बीबीए, एलॉटमेंट लेटर, भुगतान की रसीद, बैंक स्टेटमेंट आदि शामिल हैं। गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, शामली, बुलंदशहर, मुज्जफरनगर और हापुड़ के शिकायतकताओं को ग्रेनो स्थित कार्यालय में कागजात जमा कराने होंगे।

हजारों मुसलमानों ने ईदगाह पर अदा की ईद उल फितर की नमाज

● कौम के साथ-साथ मुल्क की खुशहाली के लिए हुई दुआ

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। नगर तथा आसपास के क्षेत्र में ईद उल फितर का त्यौहार बड़े ही उमंग और खुशी के साथ मनाया गया। इस मौके पर स्योहारा ईदगाह पर क्षेत्र और स्योहारा नगर के ज्यादातर मुसलमानों द्वारा ईद की नमाज बड़े ही अकीदत के साथ अदा की गई । ईद की नमाज के बाद शहर इमाम मौलाना मोहम्मद कामिल ने कौम और मुल्क की तरक्की व सलामती के साथ-साथ मुल्क की खुशहाली के लिए भी दुआ कराई।ईद की नमाज गुरुवार की प्रात 7:30 बजे शहर इमाम मौलाना कामिल अंसारी के द्वारा अता कराई गई और नमाज के बाद कुतबा भी पढ़ा।नमाजियों द्वारा गरीबों को मदद के तौर पर दान भी दिया गया । इस मौके पर ईदगाह पर परंपरागत मेला भी लगा।बच्चों ने नए कपड़े पहने और खिलौने चाट पकौड़ी गुब्बारों का आनंद लिया।ईदगाह के बाद नगर की जामा मस्जिद , शाही मस्जिद, लाल मस्जिद, तकिया वाली मस्जिद, मुस्लिम कुदरत इंटर कॉलेज मस्जिद सहित अनेक मस्जिदों में भी अलग-अलग समय पर बड़े ही खुशनुमा माहोल में ईद की नमाज अता की गई। इस मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने पुलिस सुरक्षा व्यवस्था चॉक चौबंद बनाई रखी।ईद के मौके पर हिंदू भाइयों ने मुस्लिम लोगों के घर जाकर गले लगा कर ईद की बधाइयां दी और शीर तथा सिंवईयो का भरपूर आनंद लिया।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद चेयरमैन फैसल वारसी,रोटरी क्लब अध्यक्ष डॉक्टर मनोज कुमार वर्मा,उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष अरुण कुमार वर्मा आदि ने नगर की अवाम को ईद की बधाइयां दी।

15-16 को दिव्यांग व 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग करेंगे मतदान

नोएडा, एजेंसी

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल से पहले 15 व 16 को मतदान होगा। दो दिनों में दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोग मतपत्र का इस्तेमाल करेंगे। पोलिंग पार्टियां घर-घर जाकर मतदान कराएंगी। मतपत्रों की पेटी को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा। वहीं, लोकसभा सीट के सिकंदराबाद व खुर्जा विधानसभा क्षेत्र में 13 और 15 अप्रैल को मतदान होगा। भारत निर्वाचन आयोग ने इस बार लोकसभा चुनाव में दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं को घर पर मतदान की सुविधा दी है। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट के पांच विधानसभा क्षेत्रों में करीब 32 हजार मतदाता दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि नोएडा, दादरी और जेवर में 15 व 16 अप्रैल को मतदान होगा। इन दो दिनों में सहमति देने वाले लोगों को घर पर मतपत्र से मतदान करने की सुविधा मिलेगी। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा।

इस संबंध में सभी राजनीतिक पार्टियां और प्रत्याशी इस प्रक्रिया को देख सकते हैं। अगर कोई मतदाता कोविड से संक्रमित है तो उसे घर पर ही मतदान करने का मौका दिया जाएगा। सिकंदराबाद और खुर्जा में 13 और 15 अप्रैल को मतदान होगा। यहां मतदान कराने की जिम्मेदारी बुलंदशहर प्रशासन की है। मतदान के बाद मत पत्रों को सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा। सामान्य मतदान 26 अप्रैल को होगा। बीस टीमों पर होगी जिम्मेदारी घर-घर मतदान कराने के लिए कुल बीस पोलिंग पार्टियों का गठन किया गया है। नोएडा में 8, दादरी में 3 व जेवर में 9 टीमें घर-घर जाकर मतदान कराएंगी। एक टीम में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी, माइक्रो ऑब्जर्वर और वीडियोग्राफर होगा।

ग्रेटर नोएडा: मतगणना स्थल की तैयारियों में जुटा प्रशासन, सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम

नोएडा, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर में निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न करने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी जुटे हुए हैं. सभी अधिकारी भारतीय निर्वाचन आयोग की गाइडलाइंस के अनुरूप अपनी अपनी तैयारी को अंतिम रूप प्रदान कर रहे हैं. गौतम बुद्ध नगर में द्वितीय चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा. मतदान के बाद सभी ईवीएम को स्ट्रांग रूम में फेस टू फूल मंडी परिसर में रखा जाएगा जहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि 26 अप्रैल को मतदान के बाद सभी ईवीएम मशीनों को फेस टू स्थित फूल मंडी में रखा जाएगा जहां पर स्ट्रांग रूम बनाया गया है. सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस व प्रशासन के अधिकारियो ने फूल मंडी का निरीक्षण किया. इसके बाद स्ट्रांग रूम में नंबरिंग, कोडिंग-डिकोडिंग, पोलिंग पार्टी आगमन व रवानगी, डिस्पैच और रिसीविंग के संबंध में सभी तैयारियों का जायजा लिया. फूल मंडी परिसर में जल्द ही सीसीटीवी लगाए जाने का काम जल्द पूरा किया जाएगा. वहीं इस मामले में पुलिस उपायुक्त रामबदन ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना अध्यक्ष एवं चौकी इंचार्ज को निर्देशित किया गया है कि फूल मंडी फेस टू नोएडा में चुनावी कार्यों से पूर्व अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत सभी कानूनी व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाए. वहीं जिला निर्वाचन मजिस्ट्रेट अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि गौतम बुद्ध नगर में लोकसभा चुनाव 2024 के मतदान के दिन 26 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है. ताकि व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक, प्रतिष्ठान व ऐसे अन्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को मताधिकार का अवसर प्रदान किया जा सके. वहीं इस दिन को साप्ताहिक बंदी के रूप में भी मनाया जाएगा.

संक्षिप्त खबरें

चुनाव को लेकर एनडीए के प्रखंड अध्यक्षों ने की बैठक

संझौली (रोहतास) लोकसभा चुनाव को लेकर संझौली प्रखंड के एनडीए प्रखंड अध्यक्ष व कार्यकताओं ने की बैठक। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह ने किया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष सह एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा का भ्रमण 18 अप्रैल को संझौली प्रखंड में जनसंपर्क करेंगे। जिसको लेकर पार्टी कार्यकताओं ने सर्वसहमति से क्षेत्र में भ्रमण कार्यक्रम का रूट चार्ट बनाया। जिसके अंतर्गत प्रखंड क्षेत्र में 3 से 5 मई को एनडीए के पंचायत अध्यक्ष व बूथ प्रभारी की बैठक के लिए स्थल का चयन किया गया। मौके पर बैठक में भाजपा प्रखंड अध्यक्ष सतेंद्र पाठक,जगदीश सिंह, जेडयू प्रखंड अध्यक्ष राजेश पटेल, लोजपा प्रखंड अध्यक्ष नरेंद्र पासवान, प्रदेश महासचिव आरएलम चंद्रकांत सिंह कुशवाहा, हाकिम सिंह, लव मिश्रा, दिन प्रकाश तिवारी,डब्लू सिंह,अशोक कुशवाहा,सुमित कुमार,मनोज मौर्य, निर्मल शर्मा, सर्वजीत सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थें।

शराब के साथ दो कारोबारी को पुलिस ने भेजा जेल

बिक्रमगंज (रोहतास) संझौली और भानस ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 12 लीटर देसी और अंग्रेजी शराब के साथ दो कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। संझौली थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के चांदी इंग्लिश टोला निवासी अशोक चौधरी को गुप्त सूचना के आधार पर 10 लीटर देसी शराब के साथ रंगेहाथों गिरफ्तार कर संबंधित मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। तो वहीं दूसरी ओर भानस ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के डिलियां निवासी लालबाबू गुप्ता को रॉयल स्टेज कंपनी का 2 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। भानस ओपीध्यक्ष गुड़िया कुमारी ने कहा कि गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया।

मरम्मती कार्य को लेकर आज विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बिक्रमगंज (रोहतास) आविद्युत आपूर्ति प्रशाखा संझौली अंतर्गत 33 केवी संझौली फीडर में ग्रीष्मकालीन तकनीकी गड़बड़ी सुधारने को लेकर शुक्रवार को यानी आज 11 बजे से 14 बजे तक विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी। कनीय विद्युत अभियंता संझौली प्रमुदित रक्त पटेल के द्वारा बताया गया कि नारायणपुर ग्रिड से संझौली के लिए निकले 33 के0वी0 लाइन कहीं-कहीं झुक गए हैं। जिसे दुरुस्त कराने हेतु तथा अनिवार्य तकनीकी गड़बड़ी सुधारने को लेकर विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। जेई के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपनी जरूरी काम निपटा लेंगे।

हिरण से टकराकर मां बेटा घायल सदर अस्पताल में चल रहा इलाज

नुआंव प्रखंड अंतर्गत अखिनी वन में हिरण के चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार मां बेटा घायल सदर अस्पताल में इलाज जारी। परिजनों के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार बरुना गांव निवासी विकास कुमार अपने मां सुशीला देवी के साथ अखिनी जाने के क्रम में हिरण से टकरा कर बुरी तरह घायल जहां ग्रामीणो के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नुआवं लाया गया। जहां डॉक्टरों ने स्थिति को देखते हुए। सदर अस्पताल किया रेफर।

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने की 50,000 करोड़ की वार्षिक कारोबार

रांची। दुनिया का छठा सबसे बड़ा आभूषण समूह और डेलॉयट की लक्जरी उत्पादों की वैश्विक रैंकिंग में 19वें स्थान पर रहने वाला ब्रांड मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने पिछले वित्तीय वर्ष में 51,218 करोड़ रुपये के वार्षिक खुदरा वैश्विक कारोबार के साथ एक मील का पत्थर हासिल करने की घोषणा की है। यह उल्लेखनीय वृद्धि दुनिया भर में एक विश्वसनीय आभूषण ब्रांड के रूप में ब्रांड की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करती है। केरल स्थित मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने महज तीन दशकों में वैश्विक आभूषण उद्योग में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। ब्रांड भारत और विदेशी बाजारों में अपनी खुदरा उपस्थिति का विस्तार करने की योजना बना रहा है, जिसमें न्यूजीलैंड, मिस्र, बांग्लादेश और यूरोप में नए स्टोर खोलने की योजना है। मालाबार की योजना अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की है, अगले साल 100 नए स्टोर खोलने की योजना है। कंपनी 7,000 और कर्मचारियों को नियुक्त करने की योजना बना रही है।

रोहतास में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर पलटी दो की मौत 23 लोग हुए घायल

मौके पर पहुंची पुलिस, शव को कब्जे में लेकर घायलों को सदर अस्पताल में कराया भर्ती , ईलाज जारी

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास। सड़क हादसे में ट्रैक्टर सवार दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 23 घायलों को सदर अस्पताल सासाराम में ईलाज हेतु लाया गया है। घटना NH-2 पर चेनारी के टेकारी के पास की बताई गई है। मृतक तथा घायल कैमूर जिले उमापुर गाँव के बताए जा रहे है। घटना रोहतास जिले के चेनारी थानाक्षेत्र के टेकारी की है। मृतक बंधन कुमार तथा अनील बारी कैमूर गाँव के उमापुर के बताए गए हैं। सदर अस्पताल सासाराम के डाक्टर संजय कुमार ने बताया की सड़क दुघर्टना में दो लोगों कि मौत हो गई जबकि 23 घायलों को सदर अस्पताल सासाराम में लाया गया है। घटना के संबंध में पीड़ित ने बताया कि कैमूर जिले के उमापुर से 30 लोग ट्रैक्टर पर सवार होकर औरंगाबाद जिले के महुआ धाम जा रहे थे। तभी रोहतास जिले के चेनारी थानाक्षेत्र के टेकारी के पास हावड़ा दिल्ली नेशनल हाईवे पर हाईवा ट्रक व ट्रैक्टर के टक्कर के बाद टैक्टर पलट गया। जहां हाईवा के चालक समेत 23 लोग घायल हो गए। घटना कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलो को सदर अस्पताल सासाराम में ईलाज हेतु भेज दिया है। वहीं शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपते हुए अगली कार्रवाई जारी है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

भोजुपरी गायक पवन सिंह द्वारा काराकाट लोक सभा से निर्दलीय चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद राजनीतिक सरगर्मी हुई तेज

अभिनेता पवन सिंह के चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा ने दी प्रतिक्रिया

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास। बंगाल के आसनसोल से भारतीय जनता पार्टी का टिकट लौटने वाले भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार अभिनेता एवं गायक पवन सिंह ने आखिरकार अपने पत्ते खोल ही दिये।

अभिनेता पवन सिंह ने अपने सोशल साइट्स पर पोस्ट डालते हुए बिहार के काराकाट लोकसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। जिसके बाद काराकाट लोकसभा सहित बिहार की राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। पवन सिंह के चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद एनडीए से काराकाट लोकसभा के प्रत्याशी पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। काराकाट लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में इंडिया गठबंधन से माले के प्रत्याशी राजाराम सिंह उम्मीदवार है। जिसके कारण उपेंद्र कुशवाहा की सीधी टक्कर राजाराम सिंह से थी। लेकिन पवन सिंह के काराकाट से चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद ये लड़ाई अब त्रिकोणीय होती दिख रही है।

वही पवन सिंह के चुनाव लड़ने के ऐलान पर उपेंद्र कुशवाहा से जब सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि साइंस के स्टूडेंट से कॉमर्स का सवाल पूछ रहे हैं। इस प्रकरण पर उपेंद्र कुशवाहा गोल मटोल जवाब देकर सवाल से बचते दिखे। भले ही उपेंद्र कुशवाहा इस सवाल पर गोल मटोल जवाब देकर बच रहे हो लेकिन काराकाट लोकसभा से अभिनेता पवन सिंह यदि निर्दलीय चुनाव लड़ते हैं तो इसका सबसे बड़ा नुकसान उपेंद्र कुशवाहा को ही होता दिख रहा है।

बाहरहाल जो भी हो लेकिन पवन सिंह के काराकाट लोकसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद काराकाट में लड़ाई दिलचस्प हो गई है। बताते चले की रोहतास जिले के डेहरी के बारह पत्थर स्थित सार्वजनिक अतिथिशाला में मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष पवन झुनझुनवाला के द्वारा मारवाड़ी समाज, एनडीए एवं शहर के बुद्धिजीवियों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें पूर्व मंत्री एवं काराकाट लोकसभा के एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा का मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष पवन झुनझुनवाला एवं उनके सहयोगियों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इसके साथ ही आने वाले लोकसभा चुनाव में उपेंद्र कुशवाहा को समर्थन देते हुए विजयी बनाने का ऐलान भी किया गया। मौके पर मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष पवन झुनझुनवाला, संत शर्मा वेद शर्मा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव जितेंद्र कुमार उर्फ रिंकू सोनी, जिलाध्यक्ष कपिल कुमार, जदयू नेता बिंदा चंद्रवंशी, भाजपा नगर अध्यक्ष अशोक सोनी, श्रवण अटल ,अर्जुन केसरी, मेरा अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकुर, अंसुल सिंह, सहित कई गण्यमान्य उपस्थित थे।

महान सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्मदिन मनाया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। महान समाज सुधारक महात्मा ज्योति बा फुले के 197 वें जयंती के अवसर पर पार्टी जिला कार्यालय श्रीटोला आरा में मनाई गई तथा उनके चित्र पर माल्यार्पण अर्पित किया गया !इसके साथी ही लोकतंत्र बचाओ-संविधान बचाओ अभियान चलाने का संकल्प लिया गया!

इस दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले को एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई!

भाकपा-माले ने 11 अप्रैल ज्योतिबा फुले के जन्मदिन से लेकर 22 अप्रैल तक अभियान चलाने का निर्णय लिया जिसमें लोगों से बीच समाजिक ताने-बाने को खत्म करने वाले फासीवादी ताकतों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा! इस दौरान माले जिला सचिव जवाहरलाल सिंह ने कहा कि गुलामी के दिनों आम जनता में जहां शिक्षा के प्रति अज्ञानता थी लोग रूढ़िवादी व्यवस्था के जकड़न में जकड़े हुए थे फिर अंग्रेजी शासन में पढ़ने के अधिकार नहीं था उस दौर में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई और लोगों ने पढ़ने के लिए आगे बढ़े !लेकिन आज मोदी सरकार में ज्योतिबा फुले के सपनों को अदानी-अंबानी के हाथों सौंप रही है ज्योतिबा फुले जहां शिक्षा के प्रति अलख जगाया तो वहीं दूसरी तरफ मोदी सरकार में पूरे शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर दिया गया शिक्षा का निजीकरण किया जा रहा है जो आम छात्रों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है !शिक्षा को मुनाफे का व्यवसाय समझ लिया गया है सरकारी स्कूल कॉलेजों को बंद कर निजी शिक्षा का निजीकरण जा रहा है जो देश समाज के लिए आत्मघाती है इसलिए ज्योतिबा फुले के सपनों को पूरा करने के लिए मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने की जरूरत है !कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाकपा-माले राज्य स्थाई समिति सदस्य व आरा लोकसभा इंडिया महागठबंधन प्रत्याशी सुदामा प्रसाद ने कहा कि *आज फुले और अंबेडकर को उनकी जयंती पर याद करना उनकी क्रांतिकारी विरासत को जिंदा रखना है और

आज जब भारत के सबसे निर्णायक चुनावी जंग में संवैधानिक लोकतंत्र का भविष्य दांव पर लगा हुआ है,हमें फुले और अंबेडकर की क्रांतिकारी विरासत से ताकत और प्रेरणा लेने की जरूरत है !हमें बिलकुल याद रखना चाहिए कि बाबा साहेब अंबेडकर ने न सिर्फ हमें संविधान और आरक्षण दिया,बल्कि उन्होंने हमें राजनीति में भक्ति के खतरों से भी आगाह किया था !इसे उन्होंने तानाशाही का नुस्खा बताते हुए कहा था कि अगर हिंदू राष्ट्र हकीकत बन गया तो हम पर बहुत बड़ी मुसीबत आएगी !हम फुले और अंबेडकर की जयंती मनाते हुए उनके विचारों को आत्मसात करें और संविधान और भारत के लोकतांत्रिक भविष्य की रक्षा के लिए पूरे समर्पण और ताकत से काम करें !कार्यक्रम का संचालन भाकपा-माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम ने किया !कार्यक्रम में भाकपा-माले राज्य कमेटी सदस्य शब्बीर कुमार,जिला स्थाई समिति सदस्य रघुवर पासवान,जितेंद्र सिंह,जिला कमेटी सदस्य संगीता सिंह,शोभा मंडल,अमित कुमार बंटी,बालमुकुंद चौधरी,निरंजन केशरी,सुशील पाल,नगर कमेटी सदस्य हरिनाथ राम,बबलू गुप्ता,संतविलास राम,मिल्टन कुशवाहा,रौशन कुशवाहा,रामाशंकर प्रसाद,कृष्णरंजन गुप्ता, कलावती देवी,देवानंद पासवान,शिवराज कुमार,अखिलेश कुमार,रणधीर कुमार राणा,श्यामसुंदर दास,शंभू पासवान,रितेश पासवान,छोटेलाल सिंह,लव कुमार,करन पटेल,विकास कुमार विराट,अंकित राज,नीलू कुमार,नीतिश कुमार,राजेश गुप्ता,आदि कई लोग शामिल थे!

जिला अध्यक्ष ने किसानों को क्षतिपूर्ति दिलवाने की दिया आश्वासन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिला जनता दल यू किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अजीत मेहता केनेतृत्व में भोजपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड में बभानियाओं पंचायत में बीते दिनों आग लगी की घटना घटी थी जिसमें गेहूं का खेत लगभग 300 बिगहा जल कर राख हो गई किसानों से मिलकर उन्हें उचित क्षतिपूर्ति सरकार से दिलवाने की आश्वासन दी गई साथ ही साथ कृषि फीडर के माध्यम से खेतों में बिजली पहुंचाने के लिए भी कही गई जिला अध्यक्ष के साथ प्रदेश महासचिव किसान और सहकारिता प्रकोष्ठ के उमेश सिंह कुशवाहा जिला महासचिव सुधीर सिंह महावीर सिंह छात्र युवा जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार कुशवाहा साथ में स्थानीय पंचायत कृषि सलाहकार रवि सिंह स्थानीय मुखिया श्री शिवाजी सिंह मौजूद रहे।

छात्र जदयू भोजपुर के जिला अध्यक्ष प्रीतम कुशवाहा को बनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। छात्र जदयू भोजपुर (आरा) के जिला अध्यक्ष बनाया गया है मैं बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को एवं बिहार प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा छात्र प्रदेश अध्यक्ष बड़े भाई श्री आनंद मोहन जी एवं छात्र प्रभारी रंजीत झा जी को आभार व्यक्त करता हूं कि मुझपर भरोसा जाताते हुए। छात्र जिला अध्यक्ष बनाया गया मैं सभी को भरोसा दिलाता हूं की बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री जी को जितने भी योजना चल रही है सभी छात्र छात्राओं एवं जन-जन तक पहुंचाने के काम करूंगा एवं एवं संगठन को मजबूती प्रदान करूंगा हमको जिला अध्यक्ष बने जाने पर बधाई देने वाले में से बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्री भगवान सिंह कुशवाहा पूर्व विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव जिला अध्यक्ष संजय सिंह मीडिया प्रभारी शंभू सोनी एवं जगदीशपुर के प्रखंड अध्यक्ष अनूप पटेल युवा जिला अध्यक्ष अभिषेक मेहता विश्वविद्यालय अध्यक्ष आजाद सिंह छात्र नेता अंकुर कुशवाहा प्रियांशु कुशवाहा सदाशंकर राय मोनू कुशवाहा झलक महतो धीरज सिंह नीरज सिंह रोहित कुशवाहा राहुल पटेल एवं सैकड़ों कार्यकताओं ने बधाई दिया मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं एवं भरोसा दिलाता हूं कि मैं सभी का साथ मिलकर काम करूंगा और मजबूती प्रदान करूंगा।

खलिहान में आग लगने से 10 बीघा का चारा जला

काराकाट (रोहतास) काराकाट थाना क्षेत्र के कुरूर गांव के बाहर खलिहान में आग लगने से पशु चारा के रूप में रखा पुआल का टाल जलकर राख हो गया।खलिहान से अचानक आग की लपटे उठते देख लोग दौड़े और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। खलिहान में आग लगने से कुरुर गांव निवासी रामायण यादव का लगभग दस बीघे के पुआल का टाल जलकर राख हो गया। आग लगने पर स्थानीय ग्रामीणों व मुखिया योगेंद्र सिंह द्वारा दिए गए जेसीबी के मदद से पुआल टाल के अधिकतर भाग को आग से अलग करते हुए आग बुझाने का काफी प्रयास किया गया। जबतक आग पर काबू पाया जाता, तबतक लगभग दस बीघा के पुआल का टाल जलकर राख हो गया। ग्रामीणों का आरोप हैं की फायर ब्रिगेड को तत्काल सूचना दिया गया। लेकिन समय पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं पहुंची। ग्रामीणों की कड़ी मेहनत और मुखिया द्वारा दिए गए जेसीबी से जैसे तैसे आग पर काबू पाया गाय। बताया गया कि ग्रामीणों की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया, यदि जल्द आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आग पास में स्थित खेत में लगे गेहूं के फसल और घरों को भी अपने चपेट में ले सकता था । मुखिया योगेंद्र सिंह ने प्रशासन से जले पुआल का टाल के गरीब किसान रामायण यादव को मुआवजा देने की मांग की है।

सड़क हादसे में बाइक पर बैठी माँ व बेटे की दर्दनाक मौत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के आरा-छपरा हाईवे पर झलकुनगर के समीप बालू लोड ट्रक के धक्के से बाइक पर सवार एक महिला और 7 माह के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक 25 वर्षीय तेतर देवी और 7 माह का करण बताया जाता है। जो पटना जिला के पुनपुन निवासी धनन्जय कुमार का पत्न ी और पुत्र हैं। वही दुर्घटना में धनन्जय और उनका बड़ा पुत्र 3 वर्षीय चंदन भी जख्मी हो गया है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने आरा-छपरा हाईवे जामकर जिले के वरीय अधिकारियों की आने की मांग करते रहें। 2 घंटे सड़क जाम के बाद मौके पर पहुँचे एएसपी परिचय कुमार के आश्वासन के बाद जाम समाप्त हुआ। मिली जानकारी के अनुसार धनन्जय अपने ससुराल बड़हरा थाना क्षेत्र के रामशहर से बाइक से वापस पुनपुन जा रहा था। इसी दौरान कोईलवर थाना क्षेत्र के झलकुनगर मोड़ के समीप तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने कुचल दिया जिससे बाइक पर सवार उनकी पत्नी व एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई वही इस घटना में बाइक चालक व उनका बड़ा पुत्र जख्मी हो गया। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने करीब 2 सड़क जाम रखा बाद में भोजपुर एएसपी और एसडीएम के आने के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा भेजा।

भाईचारे का पैगाम देते हुए ईद-उल-फितर पर्व धूमधाम ने मनाया गया

अंतिम दिन ईदगाह में नमाज पढ़ अमन-चैन की मांगी दुआ

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास। गुरुवार को पूरे जिले में मुस्लिम भाइयों का पवित्र पर्व ईद-उल-फितर पारंपरिक तरीके से मना। पवित्र रमजान के अंतिम दिन जिला केबिक्रमगंज,डेहरी,सासाराम नुमंडल क्षेत्र सहित विभिन्न प्रखंड काराकाट, नोखा,संझौली, राजपुर, नासरीगंज, दिनारा, सूर्यपुरा, चेनारी, करहगर, तिलौथू सहित अन्य प्रखंड के सभी पंचायत स्थित ईदगाह में सभी ने नमाज अदा की। अवसर पर मुस्लमान समाज के लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को मुबारकबाद दी। मालूम हो कि ईद का चांद दिखाई देते ही रोहतास जिला में हर तरफ जश्न का माहौल देखा गया। जहां विभिन्न क्षेत्र के बड़ी व छोटी मस्जिद सहित कई स्थानों पर आखिरी इफ्तार के बाद चांद दिखाई देते ही लोग एक दूसरे को ईद की बधाई देने लगे। गुरुवार को अहले सुबह से ही शब्बाल महीने के पहले तारीख को लोग ईद पर्व के रंग में रंग गए। वही ईद पर्व को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल देखी गई। इस खुशी के मौके पर लोग नयी पोशाक धारण कर ईद मिलन के रंग में रंग एक दूसरे को बधाई दी। ईद के मौके पर घर-घर में सेवई सहित कई प्रकार के व्यंजन व पकवान आनंद लिया। ईद मौके पर गुरुवार को जिला सहित अनुमंडल प्रशासन काफी चौकस रहा। अवसर पर रोहतास एसपी विनीत कुमार और डीएम नवीन कुमार ने जिला के विभिन्न मस्जिदों व ईदगाहों का भ्रमण कर विधि व्यवस्था का जायजा लेते रहे। वहीं विभिन्न अनुमंडल प्रशासन द्वारा विधि व्यवस्था हेतु प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी पल पल की जानकारी ले रहे थे। वही बिक्रमगंज में अनुमंडल पदाधिकारी अनिल बसाक, एसडीपीओ कुमार संजय क्षेत्र में मुस्तैद दिखें।

दो बाइकों के टक्कर में चार लोग जख्मी ,एक रेफर

बिक्रमगंज (रोहतास) सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के कल्याणी मोड के समीप गुरुवार की दोपहर बिक्रमगंज डुमराव एनएच 120 पर दो बाईक के आमने-सामने की टक्कर में मां बेटे सहित चार लोग गम्भीर रूप से जख्मी हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार दावथ निवासी सोनू सिंह अपनी पत्नि और बेटे के साथ बाईक पर सवार हो कर बिक्रमगंज से दावथ लौट रहे थे, की कल्याणी मोड़ के समीप मलियाबाग से बिक्रमगंज की ओर जा रहे तेज रफ्तार बाईक सवार ने सामने से जबर्दस्त टक्कर मार दी। जिसमें तीनों बाईक पर सवार दावथ निवासी 45 वर्षीय सोनू सिंह उनकी 42 वर्षीय पत्नी और 13 वर्षीय पुत्र सुमंत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए । जिन्हें स्थानीय लोगों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दावथ में भर्ती कराया है। तीनों को उपचार के बाद 13 वर्षीय सुमंत कुमार को बेहतर ईलाज के लिए चिकित्सक ने बाहर रेफर कर दिया है। जबकि दुसरे बाईक पर सवार अज्ञात युवक का ईलाज बिक्रमगंज के किसी निजी क्लिनिक में चल रहा है।

पुलिस ने आर्म्स कारतूस के साथ एक आरोपी को भेजा जेल

दिनारा (रोहतास) दिनारा पुलिस ने आर्म्स व कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिनारा थाना क्षेत्र के लोहरा गांव में छोटे -छोटे बच्चों के विवाद में दो चचेरे भाई आपस में भिड़ गए। जो आपस में भिड़ने के उपरांत बहस होते-होते मामला गोली चलने तक बढ़ गई।

लेकिन उक्त क्रम में किसी की हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। जिस मामले में वादी सोनू कुमार ने स्थानीय थाना में अपने चचेरे भाई के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आवेदन में बताया है कि छोटे-छोटे बच्चों के विवाद में मेरे चचेरे भाई धरीछन चौधरी मुझे और मेरी मां को जान से मारने की नीयत से हम सब पर अपने बंदूक से दो फायर किए , लेकिन मैं और मेरी मां उक्त घटना के क्रम में किसी तरह से बाल-बाल बच गए । जो एक बड़ी अनहोनी घटना होने से टल गया । जिस मामले को गंभीरता से लेते हुए दिनारा थाना की पुलिस ने उक्त घटना के मामले में संलिप्त आरोपी को रंगे हाथों आर्म्स और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया।

विन्यदा अकादमी में पुण्यतिथि आयोजन को लेकर हुई बैठक

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के सासाराम रोड स्थित विन्यदा अकादमी के कार्यालय कक्ष में आगामी 13 अप्रैल को पुण्यतिथि मनाने की तैयारी को लेकर किया गया बैठक। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक के0 के0 सिंह ने किया । इस दौरान उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा का अलख जगाने वाले बिन्यदा अकादमी के संस्थापक सह निदेशक विनय कुमार सिंह के पूज्य पिताजी स्वर्गीय बहादुर सिंह की आगामी 13 अप्रैल को 25वीं पुण्यतिथि मनायी जाएगी। जिसकी तैयारी को लेकर यह बैठक किया गया है। स्वर्गीय बहादुर सिंह की मृत्यु वर्ष 1999 में हुई थी तब से लेकर आज तक उनके सुपुत्र विनय कुमार सिंह के द्वारा प्रत्येक वर्ष पुण्य तिथि के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी जाती है। कार्यालय कक्ष में बैठक के दौरान सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि विद्यालय के संस्थापक सह निदेशक विनय कुमार सिंह के पिताजी की 25वीं पुण्यतिथि पर वर्ग नर्सरी से लेकर वर्ग 1 तक के सभी बच्चों का नामांकन निशुल्क किया जाएगा । इसके साथ ही संध्या में भजन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। जिसकी प्रस्तुति मशहूर गायक छोटु बिहारी के द्वारा किया जाएगा। पुण्यतिथि पर पहुंचे अनुमंडल क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि व पत्रकारों को सम्मानित करने का भी कार्य किया जाएगा। मौके पर मानी पंचायत सरपंच अनिल कुमार चंचल, वार्ड संख्या 4 सदस्य गुड्डू सिंह, मझौली पंचायत मुखिया भोला सिंह, उमाशंकर सिंह, भूपेंद्र सिंह, विकास सिंह, शिवेश सिंह के साथ विद्यालय के सभी विद्यालय के शिक्षक सहित समस्त कर्मी मौजूद थे।

राजेंद्र सरोवर पर अज्ञात लोगों द्वारा जुलूस नहीं तो वोट नहीं चुनाव बहिष्कार का बैनर पोस्टर लगाकर किया विरोध

प्रात : किरण संवाददाता

कैमूर। भभुआ राजेंद्र सरोवर पर अज्ञात लोगों द्वारा जुलूस नहीं तो वोट नहीं चुनाव बहिष्कार का बैनर पोस्टर लगाकर विरोध कर दिया गया है। इस मामले में जैसे ही कैमूर डीएम सावन कुमार को पता चला तो पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में हो गया। इसकी सूचना भभुआ एसडीपीओ शिव शंकर कुमार एवं थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार को दिया गया है। उसके बाद पुलिस प्रशासन द्वारा पोस्टर को हटाया गया और मामले को लेकर जांच में पुलिस जुट गई है। प्रशासन द्वारा बताया गया कि यह बैनर पोस्टर किसके द्वारा लगाकर विरोध किया गया अभी तक इसका पता नहीं चला है पुलिस इस मामले को लेकर जांच कर रही है।

इस संबंध में कैमूर डीएम सावन कुमार ने बताया कि मुझे जानकारी भभुआ एसडीपीओ द्वारा जानकारी दिया गया कि राजेंद्र सरोवर के पास कोई अज्ञात लोगों द्वारा जुलूस नहीं तो वोट नहीं का बहिष्कार कर बैनर पोस्टर लगाया गया है। जहां इस मामला को डीएम और एसपी द्वारा संज्ञान लिया गया और स्थानीय थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार को अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही साथ प्रिंटिंग प्रेस जहां से बैनर पोस्टर छपा है उसके विरुद्ध भी एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। क्योंकि रामनवमी पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक में निर्देश दिया गया था कि सरकार के गाइडलाइन के अनुसार जुलूस निकालना है। जो उस जुलूस में डीजे नहीं बजाने का निर्देश नहीं दिया गया था। जबकि कैमूर एसपी ललित मोहन शर्मा ने बताया कि जो लोग बैनर पोस्टर लगाकर वोट बहिष्कार कर रहे हैं यह गैरकानूनी है। 10 से अधिक लोगों को भड़का रहे हैं ऐसा जो भी कर रहा है वह छिपा नहीं रहेगा और पुलिस से नहीं बचेगा। उसकी जांच कर चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 12 अप्रैल, 2024

अपने कमबैक को लेकर भावुक हुए फरदीन

अभिनेता फरदीन खान लगभग 14 साल बाद वेब सीरीज हीरामंडी से वापसी कर रहे हैं। संजय लीला भंसाली के इस भव्य सीरीज में फरदीन खान अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। हाल ही में फरदीन खान के फर्स्ट लुक के पोस्टर को रिलीज किया गया जिसे देखकर उनके फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। मंगलवार को मुंबई में हुए हीरामंडी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में, अभिनेता अपनी वापसी के बारे में खुलकर बातें करते दिखाई दिए।

14 साल बाद वापसी

फरदीन खान हीरामंडी को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर मीडिया से बातें करते हुए फरदीन बोले, मैं संजय लीला भंसाली का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे इस सीरीज में कास्ट किया। मुझे 14 साल लगे कमबैक करने के लिए। मैं बता नहीं सकता हूं कि मैं कितना आभारी हूं जो मुझे इतने बेहतरीन स्टारकास्ट के साथ काम करने का मौका मिला है।

संजय लीला भंसाली हैं बेहतरीन

फरदीन खान अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मेरे कमबैक के लिए हीरामंडी से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता था। मैं नेटफ्लिक्स जैसे मंच से वापसी कर रहा हूं यह बहुत बड़ी बात है। संजय लीला भंसाली के साथ काम करना हर कलाकार का सपना होता है और मुझे नहीं लगता है कि मेरी वापसी के लिए इससे बेहतर अवसर कुछ और हो सकता है।

अपने किरदार से हूं संतुष्ट

फरदीन खान हीरामंडी में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला और शेखर सुमन जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ दिखाई देने वाले हैं। फरदीन कहते हैं, मैं उम्र के जिस पड़ाव पर हूं वहां मेरे लिए वली मोहम्मद का किरदार एकदम उपयुक्त है। यह किरदार बेहद पेचीदा और जटिल है। मुझे लगता है संजय लीला भंसाली अपने किरदारों को जिस बारीकी और खूबसूरती से लिखते हैं वैसे कोई और नहीं लिख सकता है। मैं अपने किरदार को लेकर काफी उत्साहित और संतुष्ट हूं। आपको बताते चलें हीरामंडी- द डायमंड बाजार 1 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी।

जान्हवी ने शिखर के साथ रिश्ता किया कंफर्म

जान्हवी कपूर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की उभरती हुई अदाकारा हैं। अपने अभिनय और खूबसूरती से वे लाखों दिलों पर राज करती हैं। पिछले कुछ समय से वे अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि वे शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं। इन खबरों के बीच अब अभिनेत्री ने आखिरकार अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी है। मुंबई में अपने पिता बोनी कपूर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी मैदान की स्क्रीनिंग पर वे अपने बॉयफ्रेंड के उपनाम का एक कस्टम हार पहने हुए नजर आईं। उनके हार में शिखू लिखा हुआ था, जिसने वहां मौजूद सभी का ध्यान आकर्षित किया। इवेंट में सफेद पैंटसूट और मैचिंग हील्स में जान्हवी ने रेड कार्पेट पर बला की खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने स्क्रीनिंग से पहले अपने पिता बोनी कपूर और भाई अर्जुन कपूर के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। काफी समय से जान्हवी और शिखर की डेटिंग की खबरें सामने आती रही हैं। इस साल की शुरुआत में कॉफी विद करण शो में भी जान्हवी ने शिखर पहाड़िया संग अपनी नजदीकियों की ओर इशारा किया था। उन्होंने बताया था कि उनकी स्पीड-डायल सूची में शीर्ष संपर्कों में से शिखर का भी नाम है। वर्क फ्रंट की बात करें तो फिल्म बवाल के बाद जान्हवी राजकुमार राव के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वे एक महिला क्रिकेटर की भूमिका में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए उन्होंने मशहूर क्रिकेटर दिनेश कार्तिक से प्रशिक्षण भी लिया है। यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

फिल्म हाईवे मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट था

करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से आलिया भट्ट ने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में अपनी एक्टिंग से दर्शकों को भले ही आलिया भट्ट नहीं इम्प्रेस कर पाई, लेकिन इम्तियाज अली की फिल्म हाईवे से उन्होंने साबित कर दिया कि अगर अच्छे मौके मिले तो वो चैलेंजिंग भूमिकाएं बखूबी निभा सकती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आलिया भट्ट ने बताया कि जब वो फिल्म कर रही थी तो पिता महेश भट्ट का फिल्म को लेकर कैसा रिएक्शन था। आलिया भट्ट ने कहा -फिल्म हाइवे को लेकर डैडी (महेश भट्ट) बहुत उत्साह थे। हर दिन वह मुझे फोन करते थे और कहते थे कि तुम अच्छी लग रही हो, इम्तियाज को मेरा प्यार दो, वह तुम्हें बदल देगा। डैडी की कही यह बात सच साबित हुई। मैं मानती हूं कि हाइवे की वीरा त्रिपाठी का किरदार मेरे लिए मील का पत्थर साबित हुई। आलिया भट्ट ने कहा- इम्तियाज मुझसे मिलने मेरे घर आए तो डैडी वहीं थे। वे मेरे डैडी को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। इम्तियाज ने मुझे स्क्रिप्ट सौंपी, मैं उत्साह से कांप रही थी। डैडी ने कहा कि अपने कमरे में जाकर इसे पढ़ना शुरू करो। उन्होंने कहा कि अगर कोई डायरेक्टर रात 10 बजे तुम्हारे घर आता है तो तुम्हें फिल्म जरूर करनी चाहिए। आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जिगरा में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया भट्ट ने खुद अपने प्रोडक्शन इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस और करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के साथ किया है। इसके अलावा वो संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर और वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म में नजर आएंगी। वहीं, बात करें इम्तियाज अली की तो 12 अप्रैल को उनकी फिल्म अमर सिंह चमकीला प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होगा।

प्रियामणि ने बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री में बताया अंतर

प्रियामणि इन दिनों अपनी फिल्म मैदान को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस कन्नड़, तमिल, हिंदी और मलयालम सहित कई भाषाओं में काम किया है। प्रियामणि ने हाल ही में बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के बीच का अंतर बताया है। उन्होंने कहा, शूटिंग और कास्टिंग प्रक्रिया दोनों अलग-अलग हैं। अभिनेत्री ने कहा, बॉलीवुड में एक विभाग दूसरे विभाग के काम में शामिल नहीं होता है। उन्होंने आगे कहा, दक्षिण में हर कोई काम को तेजी से खत्म करने के लिए सब कुछ करता है।

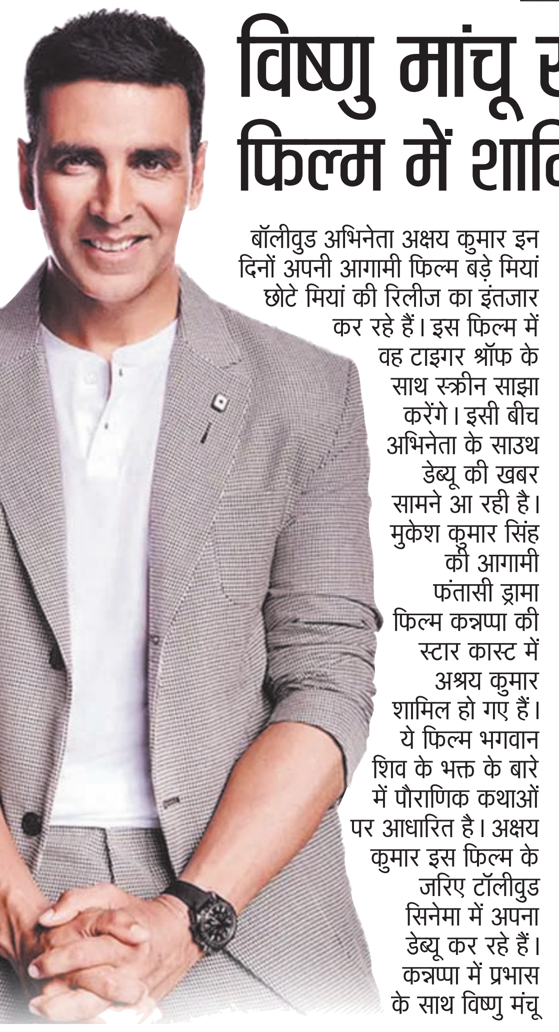

विष्णु मांचू स्टारर साउथ फिल्म में शामिल हुए अक्षय

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में वह टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। इसी बीच अभिनेता के साउथ डेब्यू की खबर सामने आ रही है। मुकेश कुमार सिंह की आगामी फंतासी ड्रामा फिल्म कन्नप्पा की स्टार कास्ट में अश्रय कुमार शामिल हो गए हैं। ये फिल्म भगवान शिव के भक्त के बारे में पौराणिक कथाओं पर आधारित है। अक्षय कुमार इस फिल्म के जरिए टॉलीवुड सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। कन्नप्पा में प्रभास के साथ विष्णु मंचू भी अहम भूमिका में हैं। फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म में अक्षय की एंट्री से दर्शकों की खुशी में चार चांद लग गए हैं। फिल्म ट्रैकर रमेश बाला ने अक्षय के इस फिल्म में शामिल होने की घोषणा करते हुए एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा, बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार पैन-इंडिया विष्णु मंचू की बिग बजट फिल्म कन्नप्पा के कलाकारों में शामिल हो गए हैं। प्रभास, मोहनलाल, प्रभुदेवा और आर सरथ कुमार के बाद अक्षय कुमार, फिल्म से जुड़े हैं। अधिक रोमांचक अपडेट के लिए जुडे रहें। कन्नप्पा अभिनेता मोहन बाबू के जरिए समर्थित और मुकेश कुमार सिंह के जरिए निर्देशित एक फैंटसी फिल्म है। फिल्म की कहानी छठीं और आठवीं शताब्दी के दौरान भगवान शिव के एक प्रबल भक्त के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म बड़े बजट में बनाई जा रही है। फिल्म में शानदार कलाकार हैं, जिसमें प्रभास ने भगवान शिव की भूमिका निभाई है और नयनतारा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कंगना ने किया खुलासा

क्यों बनाई इंदिरा गांधी पर आधारित फिल्म इमरजेंसी

कंगना रणौत एक ओर बीजेपी की टिकट पर अपनी राजनीतिक पारी खेलने को तैयार हैं, वहीं दूसरी ओर वे राजनीतिक ड्रामा फिल्म इमरजेंसी भी दर्शकों के सामने लाने वाली हैं। इस फिल्म में कंगना भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस बीच हाल ही में दिए साक्षात्कार में फिल्म के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने महिलाओं के लिए अपनी बात सामने रखी और साथ ही फिल्म के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। कंगना पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार के साथ सिनेमाई इतिहास बनाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने न केवल अभिनय किया है, बल्कि फिल्म का निर्देशन भी किया है। अभिनेत्री ने इस बारे में बात की कि आखिर इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित यह फिल्म क्यों बनाई। कंगना का कहना है कि साल की सबसे बड़ी राजनीतिक ड्रामा रिलीज में से एक मानी जाने वाली इस फिल्म का उद्देश्य इतिहास पर एक वास्तविक चित्रण प्रदान करना है। कंगना रनौत ने कहा कि जैसा कि मैंने हमेशा कहा है, चाहे वह इंदिरा गांधी हों या कोई अन्य महिला, मुझे महिलाओं के प्रति बहुत सहानुभूति है। मैं इसका दिखावा नहीं कर सकती और मेरे दिल में महिलाओं के लिए सम्मान भी है, इसलिए मैंने उनके लिए बहुत काम किया है। मैंने इंदिरा गांधी के पूरे जीवन पर आधारित एक फिल्म बनाई है और जब आप एक कलाकार होते हैं तो हर चीज प्रेरणा का काम करती है। उन्हीं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मैंने वह फिल्म बनाई, इसलिए जब यह सामने आएगी तो मुझे लगता है कि हर किसी को यह पसंद आएगी। उन्हें इसे एक मनोरंजन फिल्म के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हमारे संविधान के साथ जो घटनाएं घटीं, उन घटनाओं के पीछे क्या कारण हैं? उन कारणों पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में हमारे संविधान के साथ कोई छेड़छाड़ न हो। एक नेता की विश्वसनीयता, गहरी छिपी सुरक्षा, असुरक्षा, ताकत या कमजोरी, सभी कारकों पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में हमारे संविधान में कोई हस्तक्षेप न हो, इसलिए मैंने यह फिल्म बनाई। कंगना रनौत द्वारा लिखित और निर्देशित इमरजेंसी में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। जी स्टूडियोज और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म का संगीत संचित बल्हारा और पटकथा और संवाद रितेश शाह द्वारा दिया गया है।

अरशद ने मलाइका फराह के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

मशहूर बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा सीजन 11 को मलाइका अरोड़ा और फराह खान के साथ जज करते हुए दिखाई दिए थे। शो में तीनों की केमिस्ट्री सबसे ज्यादा चर्चा में रही थी। वहीं, खाने के दौरान उनकी बॉन्डिंग के बीटीएस वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। हाल ही में अभिनेता ने दोनों के साथ अपनी बॉन्डिंग पर खुलकर बात की है। अरशद वारसी ने कहा, मैं फराह को हमेशा से जानता हूं। हम एक दूसरे को तब से जानते हैं, जब हम बच्चे थे। इतने वर्षों के बाद उनके साथ काम करना काफी अच्छा था। मुझे बहुत मजा आया। जहां तक मलाइका की बात है तो मैं उन्हें जानता था, लेकिन अब मैं उन्हें बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। मैं मलाइका से अब और भी ज्यादा प्यार करता हूं। वारसी ने कहा, मैं फराह और मल्ला दोनों का सम्मान करता हूं। वे ऐसी महिलाएं हैं, जो बहुत मजबूत हैं और उन्होंने अपने लिए बहुत अच्छा किया है। वे कहां से आए और देखें कि वे आज कहां पर हैं। अरशद वारसी ने फराह और मलाइका के साथ अपना शूटिंग अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, फराह को सिर्फ लोगों को खाना खिलाना पसंद है। सेट पर वह मां जैसी हैं। इसलिए सोमवार को जब हम शूटिंग करते थे तो वह खाना लेकर आती थीं और कहती थी कि इस दिन उन्हें खाने की परवाह नहीं है, क्योंकि वह बाकी दिनों में इसे फॉलो करती हैं। अरशद वारसी अपने को-स्टार्स के साथ अच्छी बॉन्डिंग साझा करने के लिए जाने जाते हैं। वे सभी के साथ कैसे घुल-मिल जाते हैं, अभिनेता ने इस बारे में बात करते हुए कहा, देखिए, मैं काफी कॉम्प्लिकेटेड हूं। आप जो देख रहे हैं वही आपको मिलेगा। इसलिए, जो लोग मेरे जैसे नहीं हैं वे शांत हैं। वे मेरे साथ घुल-मिल जाते हैं।

मुझे क्रिटिसिज्म से कोई फर्क नहीं पड़ता

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल बीते साल की जितनी बड़ी हिट फिल्म रही, उतनी ही फिल्म को लेकर काफी आलोचना भी हुई। इस फिल्म में दिखाए गए हिंसक सीन्स और महिला विरोधी डायलॉग को लेकर सोशल मीडिया पर खूब हंगामा हुआ था। कई फिल्मी सेलिब्रिटीज ने भी फिल्म को लेकर नेगेटिव रिव्यू दिया। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान संदीप रेड्डी वांगा ने कहा कि इससे फर्क नहीं पड़ता। एनिमल का सीक्वल एनिमल पार्क और भी खतरनाक और डार्क होगी। संदीप रेड्डी वांगा ने जब से एनिमल के सीक्वल की अनाउंसमेंट की है। तब से इस फिल्म को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है। लेकिन संदीप फिल्म के सीन्स को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर भी रहते हैं। हाल ही में संदीप रेड्डी ने अपने ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। संदीप ने कहा - मैं कभी किसी को उकसाता नहीं हूं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैं आसानी से भड़क जाता हूं। लेकिन मुझे लगा कि कुछ लोगों के लिए आपको जवाब देने की जरूरत है। ये लोग पत्थर फेंकने की कोशिश कर रहे हैं और हम चुप रहने की कोशिश कर रहे हैं। वह बाउंसर फेंक रहे हैं। मैं डिफेंस खेलने की कोशिश कर रहा हूं। मुझे लगता है कि यह एक कमजोरी है। कितने दिन चुप रहोगे? सभी को नहीं, लेकिन कुछ लोगों को जवाब आपको देना होगा। संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों प्रभास को लेकर फिल्म स्पिरिट पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के बाद वे एनिमल पार्क पर काम शुरू करेंगे। वो एनिमल पार्क की शूटिंग शुरू करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। बताया जा रहा है कि संदीप ने एनिमल पार्क की स्क्रिप्ट पर काम करना शुरू कर दिया है। एनिमल पार्क की शूटिंग 2026 में शुरू होगी जब संदीप रेड्डी वांगा पैन इंडिया स्टार प्रभास के साथ फिल्म स्पिरिट की शूटिंग पूरी कर लेंगे।

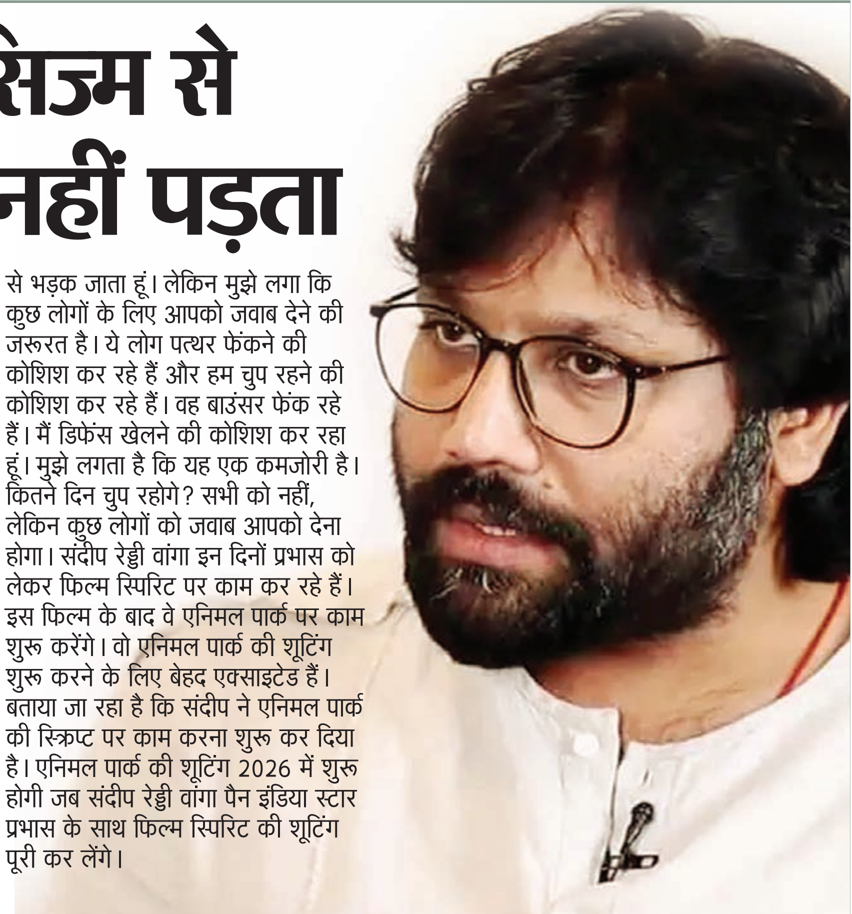

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 12 अप्रैल, 2024

32 रुपये पर आया आईपीओ

नईदिल्ली। 5 महीने में ही इरेडा के शेयरों ने लोगों को मालामाल कर दिया है। इरेडा का आईपीओ नवंबर 2023 में 32 रुपये के दाम पर आया था। कंपनी के शेयर 10 अप्रैल 2024 को 166.40 रुपये पर बंद हुए हैं। 32 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले इरेडा के शेयर 421 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 215 रुपये है। वहीं, इरेडा के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 49.99 रुपये है।

193 पर आ सकता है शेयर

नईदिल्ली। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयर बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में थे। कंपनी के शेयर बीते दिन 20 प्रतिशत तक टूट गए थे और 227.60 रुपये पर पहुंच गए थे। बता दें कि आज गुरुवार को ईद के उपलक्ष्य में शेयर बाजार बंद है। शेयरों में इस गिरावट के पिछे सुप्रीम कोर्ट का ऐलान फैसला था।

अनिल अंबानी की स्वामित्व वाली कंपनी और डीएएमईपीएल विवाद में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, शेयर 20 प्रतिशत टूटे

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की मेट्रो इकाई दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) के पक्ष में दिए गए ट्रिब्यूनल फैसले को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए जाने की खबरों के बीच रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयरों में बुधवार की सुबह 20 फीसदी का लोअर सर्किट लगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से डीएमआरसी को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को माना कि डीएमआरसी, दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को 8000 करोड़ रुपये देने के लिए बाध्य नहीं है और डीएमआरसी की क्यूरेटिव याचिका मंजूर कर ली। दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड, अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म की कंपनी है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी

पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने मामले पर सुनवाई की।

डीएएमईपीएल को डीएमआरसी की ओर से भुगतान की गई राशि वापस करने का आदेश– अदालत ने डीएमआरसी द्वारा भुगतान की गई सभी राशि वापस करने का आदेश दिया और कहा कि अदालत ने डिवीजन बेंच के आदेश में हस्तक्षेप करके निर्णय की त्रुटि की, जिससे न्याय का गंभीर हनन हुआ। न्यायालय ने डीएमआरसी की उस सुधारात्मक याचिका को भी स्वीकार कर लिया जिसमें रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की सहायक कंपनी दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) को 8,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने के निर्देश देने के पूर्व के पंचाट फैसले को चुनौती दी गई थी।

उच्चतम न्यायालय के आदेश से कंपनी पर कोई देनदारी नहीं बनती: रिलायंस इन्फ्रा

इस बीच, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश से कंपनी पर कोई देनदारी नहीं बनती और कंपनी को मध्यस्थ फैसले के तहत डीएमआरसी/डीएएमईपीएल से कोई राशि नहीं मिली है। डीएमआरसी ने एक बयान में कहा, हम आपको सूचित करते हैं कि माननीय उच्चतम न्यायालय ने आज दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) के खिलाफ दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) की सुधारात्मक याचिका को स्वीकार कर लिया है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने शेयर बाजारों को भेजे एक संदेश में कहा, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर स्पष्ट करना चाहता है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित 10 अप्रैल, 2024 का आदेश कंपनी पर कोई दायित्व नहीं डालता है और कंपनी को मध्यस्थ निर्णय के तहत डीएमआरसी/डीएएमईपीएल से कोई पैसा नहीं मिला है।

अदालत के फैसले की खबर के बाद कंपनी के शेयरों में 20 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा

बीएसई पर रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर 284.20 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 20 प्रतिशत गिरकर 227.40 रुपये पर आ गया। कंपनी का मार्केट कैप घटकर 9,008 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी के कुल 7.46 लाख शेयरों का लेनदेन हुआ और बीएसई पर कंपनी ने 18.34 करोड़ रुपये का कारोबार किया। 2017 में दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस ने दिल्ली मेट्रो रेल के खिलाफ मध्यस्थता वाद जीता था। दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो ने कहा था कि एयरपोर्ट लाइन पर ट्रेन चलाना दिल्ली मेट्रो रेल द्वारा बनाए गए वायडक्ट में संरचनात्मक दोषों के कारण व्यवहार्य नहीं था। सितंबर 2021 में शीर्ष अदालत ने मध्यस्थ पुरस्कार को बरकरार रखा था। नवंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने मामले में दिल्ली मेट्रो द्वारा दायर एक समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया था। अगस्त 2022 में दिल्ली मेट्रो ने ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में क्यूरेटिव याचिका दायर की।

संक्षिप्त समाचार

एडीबी ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी विकास दर का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) विकास दर का अनुमान पहले के 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर बृहस्पतिवार को सात प्रतिशत कर दिया।

एडीबी ने कहा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की निवेश मांग से मजबूत वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

एडीबी ने कहा कि हालांकि 2024-25 का विकास अनुमान 2022-23 वित्त वर्ष के अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है। एडीबी ने पिछले साल दिसंबर में वित्त वर्ष 2024-25 में विकास दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया था।

चुनाव आयोग को भेजे पत्र में ईडी का दावा, माकपा के पास 80 अघोषित बैंक खाते

केरल। सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पास लगभग 80 अघोषित बैंक खाते हैं। इसके अलावा त्रिशूर में माकपा की करीब 100 अघोषित अचल संपत्तियां हैं। यह दावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निर्वाचन आयोग को भेजे गए अपने पत्र में किया है। ईडी के आधिकारिक सूत्रों द्वारा जानकारी दी गई कि मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित जांच में यह बात सामने आई है।

ईडी ने चुनाव आयोग को दी यह जानकारी– जांच एजेंसी का कहना है कि त्रिशूर स्थित करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक से संबंधित जांच के दौरान इन संपत्तियों का पता चला। इसे लेकर ईडी द्वारा माकपा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री ए. सी. मोइदीन से पूछताछ की गई। एजेंसी ने निर्वाचन आयोग को इस बात की जानकारी दी है पार्टी के करीब 80 अघोषित बैंक खाते हैं, जिनमें करीब 25 करोड़ रुपये जमा हैं। ईडी का दावा है कि इन बैंक खातों में मिली जमा राशि अधिकतर नकदी के रूप में भेजी गई थी। ईडी ने यह भी बताया कि सत्तारूढ़ पार्टी के पास त्रिशूर जिले में कार्यालय भवनों के रूप में लगभग 100 अघोषित अचल संपत्तियां हैं। एंजेसी ने चुनाव आयोग को बताया कि इन बैंक खातों और कार्यालयों का इस्तेमाल माकपा द्वारा राजनीतिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

एप्पल ने भारत में 14 अरब डॉलर के आईफोन असेंबल किए

नई दिल्ली, एजेंसी। मेक इन इंडिया का दम स्मार्टफोन असेंबलिंग सेक्टर में दिखने लगा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक ऐपल इंक ने वित्त वर्ष 2024 में भारत में 14 अरब डॉलर के आईफोन असेंबल किए हैं। इस रिपोर्ट में मामले से परिचित लोगों का हवाला देते हुए कहा गया है कि ऐपल अब अपने 7 प्रमुख डिवाइस में से 14 प्रतिशत या लगभग 1 का निर्माण भारत से करता है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि फॉक्सकॉन ने लगभग 67 प्रतिशत जबकि पेगाट्रॉन कॉर्प ने लगभग 17 प्रतिशत भारत निर्मित आईफोन बनाए। कर्नाटक में विस्ट्रॉन कॉर्प का प्लांट, जिसे टाटा ग्रुप ने पिछले साल खरीद लिया था, ने बाकी के आईफोन का निर्माण किया है। एप्पल ने टिप्पणी के लिए रॉयटर्स के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

दालों की कीमतों पर लगाम लगाने की कवायद, केंद्र सरकार ने लिया एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ सप्ताह से विभिन्न दालों की कीमतों में आ रही तेजी के बीच केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप किया है। केंद्र की ओर से सभी राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे ट्रेडर्स के द्वारा विभिन्न दालों के भंडार का साप्ताहिक आधार पर खुलासा सुनिश्चित करें। साथ ही राज्यों को ट्रेडर्स के द्वारा किए गए खुलासे को सत्यापित करने के लिए भी कहा गया है।

इन दालों के भंडार पर रहेगी निगाह– एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि केंद्र सरकार ने जिन दालों के स्टॉक को लेकर खुलासे का प्रावधान किया है, उनमें अरहर दाल, उड़द दाल, चना दाल, मसूर दाल और मूंग दाल शामिल है। इनके अलावा आयातित पीली मटर दाल के स्टॉक की भी निगरानी करने के लिए कहा गया है। पीली मटर दाल के आयात की मंजूरी पिछले साल के अंत में दी गई थी। यह मंजूरी 8 दिसंबर से 30 जून तक के लिए है।

राज्यों को दिए गए ये निर्देश– बयान के अनुसार, कंज्युमर अफेयर्स डिपार्टमेंट की सेक्रेटरी निधि खरे ने दालों की कीमतों पर लगाम लगाने की कवायद के तहत राज्यों के प्रधान सचिवों व उपभोक्ता मामले के विभाग के सचिवों के साथ मुलाकात की। उन्होंने सभी राज्य सचिवों को स्टॉकहोल्डिंग एंटिटीज के द्वारा स्टॉक डिस्क्लोजर सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने दाल के आयातकों समेत इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के साथ भी मुलाकात की।

डूबने वाली है चीन की इकॉनामी ! बढ़ती मुश्किलों के बीच फिच ने घटाई ड्रैगन की क्रेडिट रेटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। कई दशक तक ग्लोबल इकॉनमी का इंजन रहे चीन की इकॉनमी का दम फूलने लगा है। देश की इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है और अब फिच ने भी चीन की क्रेडिट रेटिंग का डाउनग्रेड कर दिया है। उनका कहना है कि चीन कई तरह की आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है और उसके वित्तीय स्थिति को लेकर जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है। फिच ने चीन के आउटलुक को स्टेबल से निगेटिव कर दिया है। इससे चीन की क्रेडिटवर्दीनेस के भी डाउनग्रेड होने की आशंका बढ़ गई है। हालांकि फिच ने अभी चीन के सॉवरेन बॉन्ड्स की रेटिंग को ़+ पर बरकरार रखा है। चीन लंबे समय से रियल एस्टेट के संकट से जूझ रहा है जिससे पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है।

फिच ने एक बयान में कहा कि क्रेडिट रेटिंग में बदलाव इस बात को दर्शाता है कि चीन में पब्लिक फाइनेंस आउटलुक को लेकर जोखिम लगातार बढ़ रहा है। देश प्रॉपर्टी पर निर्भर ग्रोथ से सस्टेनेबल ग्रोथ मॉडल की तरफ जा रहा है जिससे आगे इकॉनमी का भविष्य को लेकर अनिश्चतता है।

बढ़ रहा है कर्ज

फिच का अनुमान है कि चीन में सरकार का घाटा 2024 में बढ़कर जीडीपी का 7.1 फीसदी पहुंच सकता है जो पिछले साल 5.8 फीसदी था। यह घाटा 2020 के बाद सबसे ज्यादा होगा जब कोरोना महामारी के कारण लगाई गई पाबंदियों से सरकार का खजाना बुरी तरह प्रभावित हुआ था। हालांकि चीन की सरकार ने फिच के इस कदम पर अफसोस जताया है। सरकार का कहना है कि उसने फिच रेटिंग्स की टीम के साथ शुरुआती चरण में पूरी संजीदगी के साथ बातचीत की थी और यह रिपोर्ट चीन की असली तस्वीर बयां नहीं करती है। इसमें इकनॉमिक ग्रोथ में फिस्कल पॉलिसी के पॉजिटिव रोल के बारे में नहीं बताया गया है। लॉन्ग टर्म में इससे इकॉनमी को काफी फायदा होगा।

इससे पहले दिसंबर में रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी चीन की क्रेडिट रेटिंग को स्टेबल से निगेटिव कर दिया था। उसका कहना था कि प्रॉपर्टी सेक्टर गहरे संकट में है और इस कारण पूरी इकॉनमी के प्रभावित होने की आशंका है। अमेरिका के बाद चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है। लेकिन पिछले कुछ समय से चीन की इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। मंदी की आशंका के कारण लोग खर्च करने से बच रहे हैं।

रामदेव बाबा साल्वेंट लिमिटेड का आईपीओ 15 अप्रैल को खुलेगा

इश्यू साइज 10 प्रत्येक के 59,13,600 इ[टी शेयर्स तक

मुंबई, एजेंसी। रामदेव बाबा सॉल्वेंट लिमिटेड, नागपुर में मुख्यालय रखने वाली भौतिक रूप से रिफाइंड राइस ब्रांन आयल की निर्माता और वितरक ने 15 अप्रैल, 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत अपर प्राइस बैंड पर 50.27 करोड़ एकत्र करना है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग नई मैन्युफैक्चरिंग सुविधा स्थापित करने,हमारे बकाया कर्ज में से कुछ का पुर्ण या आंशिक पुनरभुगतान करने,कार्यशील पूंजी की जरूरत और आम कॉर्पोरेट खर्च का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. एंकर पोर्शन की बिडिंग 12 अप्रैल, 2024 को खुलेगी. इश्यू 15 अप्रैल, 2024 से खुलकर 18 अप्रैल, 2024 को बंद होगा.

इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड है. इश्यू की रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है.– रामदेवबाबा सॉल्वेंट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री नीलेश सुरेश मोहता, ने कहा, हम सहर्ष हमारे आगामी आईपीओ की घोषणा करते हैं,जो हमारी ग्रोथ यात्रा में एक उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है. यह निर्णय हमारी कंपनी की क्षमताओं और विस्तार के लिए नए सुअवसरों को सीज करने की हमारी प्रतिबद्धता में हमारे विश्वास को प्रदर्शित करता है. हमारी व्यूहात्मक रूप से स्थित मैन्युफैक्चरिंग सुविधा और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए सख्त व्यवस्थापन बढ़ी विजिबिलिटी और बाजार उपस्थिति के लिए हमें बेहतर स्थिति में लाता है. नए अध्याय को लिखकर हम हमारे उद्योग में ग्रोथ एवं इनोवेशन हेतु सुअवसरों का दोहन करने के लिए तैयार हैं. यह आईपीओ ना सिर्फ हमारे कारपोरेट स्थिति को मजबूत करेगा बल्कि रामदेवबाबा सॉल्वेंट लिमिटेड ब्रांड की पहचान में भी इजाफा करेगा. इसके अलावा कर्ज का पुनरभुगतान करने से हमारी बैलेंसशीट भी बेहतर होगी. हम इस पहल से अनेक लाभ प्राप्त होने की उम्मीद कर रहे हैं और इससे कुल मिलाकर वैल्यू के साथ ही साथ हमारी पोजीशन में भी मजबूती आएगी. चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, श्री रतिराज टिबरेवाल ने कहा, हम रामदेव बाबा सॉल्वेंट लिमिटेड के आगामी आईपीओ के बारे में हर्षित है. इस कंपनी ने राइस ब्रान ऑयल और उसके अप उत्पादों के मैन्युफैक्चरिंग से लेकर वितरण तक उसके विभिन्न ऑपरेशंस में प्रभावशाली लचीलापन और स्वीकार्यता प्रदर्शित की है. कंपनी व्यूहात्मक मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं और मुख्य बाजारों में मजबूत उपस्थिति के साथ भावी ग्रोथ के लिए बेहतर स्थिति में है. इनोवेशन और टिकाऊपन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता उसे आकर्षक निवेश सुअवसार बनती है. मेरा मानना है कि यह आईपीओ आशाजनक उम्मीद लाया है.

एचडीएफसी बैंक ने लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप में अपनी नई शाखा खोली

केंद्र शासित प्रदेश में शाखा रखने वाला एकमात्र निजी क्षेत्र का एकमात्र बैंक

कावारत्ती, लक्षद्वीप , एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के कावारत्ती द्वीप में अपनी एक नई शाखा खोली है। इस नई शाखा के साथ एचडीएफसी बैंक इस केंद्र शासित प्रदेश में शाखा रखने वाला एकमात्र प्राइवेट बैंक बन गया है।

इस नई शाखा का उद्घाटन भारतीय नौसेना के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन लवकेश ठाकुर और जाने माने स्थानीय निवासी डॉ. केपी मुथुकोया ने किया। इस अवसर पर श्री एस संपतकुमार, ग्रुप हेड, रिटेल ब्रांच बैंकिंग, एचडीएफसी बैंक और श्री संजीव कुमार, ब्रांच बैंकिंग हैड, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी और अन्य स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस शाखा का उद्देश्य पर्सनल बैंकिंग, डिजिटल बैंकिंग पर ध्यान केंद्रित करने वाली सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करके केंद्र शासित प्रदेश में बैंकिंग के बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करना है, जिसमें रिटेल विक्रेताओं के लिए क्यूआर आधारित लेनदेन सहित कस्टमाइज्ड डिजिटल समाधान भी शामिल हैं। नई शाखा के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, श्री एस संपतकुमार, ग्रुप हेड, रिटेल ब्रांच बैंकिंग, एचडीएफसी बैंक ने कहा कि एचडीएफसी बैंक की शाखाएं कश्मीर के ठंडे इलाकों, कन्याकुमारी के दक्षिणी सिरे और अब लक्षद्वीप द्वीप में हैं। यह ग्राहकों को अत्यंत सुविधाजनक तरीके से, चाहे वे कहीं भी हों, सेवा देने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। हम लक्षद्वीप में व्यक्तियों, परिवारों और व्यवसायों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने और उनकी वित्तीय यात्रा में एक विश्वसनीय भागीदार बनने और द्वीप के समग्र विकास में योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

31 दिसंबर, 2023 तक, बैंक का वितरण नेटवर्क 3,872 शहरों/कस्बों में 8,091 शाखाओं और 20,688 एटीएम तक फैला था, जबकि 31 दिसंबर, 2022 तक 3,552 शहरों/कस्बों में 7,183 शाखाओं और 19,007 एटीएम का नेटवर्क था।

सावधान : एनएसई के एमडी और सीईओ आशीषकुमार चौहान के फर्जी वीडियो हुए वायरल

जिनमें वे स्टॉक की अनुशंसा कर रहे हैं, एनएसई के सभी आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की जांच करें

मुंबई एजेंसी। हाल ही हमने ऐसा पाया है कि एनएसई के एमडी और सीईओ श्री आशीषकुमार चौहान के चेहरे/आवाज़ का उपयोग करके कुछ ऑडियो और वीडियो क्लिप बनाए गए हैं और इनमें एनएसई के लोगो एनएसई का इस्तेमाल भी किया गया है। टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए गलत तरीके से बनाए गए ऐस ऑडियो–वीडियो क्लिप में निवेश संबंधी सलाह दी गई है। ऐसा लगता है कि ऐसे वीडियो एनएसई के एमडी और सीईओ श्री आशीषकुमार चौहान की आवाज और चेहरे के भावों की नकल करते हुए परिष्कृत तकनीकों का उपयोग करके बनाए गए हैं। निवेशकों को आगाह किया जाता है कि वे ऐसे ऑडियो और वीडियो पर विश्वास न करें और ऐसे फर्जी वीडियो या अन्य माध्यमों से आने वाले किसी भी निवेश या अन्य सलाह का पालन न करें। यह ध्यान दिया जाए कि एनएसई के कर्मचारी किसी भी स्टॉक की सिफारिश करने या उन शेयरों में सौदे करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, एनएसई इन प्लेटफार्मों से जहां भी संभव हो, इन आपत्तिजनक वीडियो को हटाने का अनुरोध करने का प्रयास कर रहा है। सभी से अनुरोध है कि एनएसई की ओर से भेजे गए संचार और सामग्री के स्रोत को सत्यापित करें और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की जांच करें।

सोनालीका ने वित्त वर्ष24 में अब तक की सर्वाधिक कुल वार्षिक बाज़ार हिस्सेदारी 15.3 प्रतिशत दर्ज की

- घरेलू बाज़ार में वृद्धि दर्ज करने वाला एकमात्र ट्रैक्टर ब्रांड बना

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स इनोवेशन की अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने और अपने किसान-केंद्रित दृष्टिकोण का लाभ उठाते हुए एक नई उपलब्धि हासिल की और वित्त वर्ष24 का समापन करने के लिए उत्साहित है। कंपनी ने अब तक की सर्वाधिक कुल वार्षिक बाज़ार हिस्सेदारी 15.3 प्रतिशत हासिल करने के साथ-साथ वित्त वर्ष 2024 में घरेलू बाज़ार में बढ़ने वाला एकमात्र ट्रैक्टर ब्रांड बन गया है। इस ज़बरदस्त उपलब्धि ने सोनालीका को उद्योग के प्रदर्शन से भी बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाया है। नवीनतम प्रदर्शन से सोनालीका ने भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट करने वाली कंपनियों के बीच अजेय 34.4 प्रतिशत एक्सपोर्ट बाज़ार हिस्सेदारी दर्ज की है। इसमें आश्चर्यजनक 6.2 प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी बढ़ोतरी शामिल है वित्त वर्ष'24 के दौरान सोनालीका की यात्रा अपने हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टरों और उन्नत उपकरणों के साथ ज़मीनी स्तर पर किसानों के साथ कंपनी के तालमेल को दर्शाती है।

अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, हम अब तक की सर्वाधिक कुल वार्षिक बाज़ार हिस्सेदारी 15.3 प्रतिशत के साथ अपनी वित्त वर्ष 24 की यात्रा को पूरा करके रोमांचित हैं। हम दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक्टर बाज़ार भारत में वृद्धि दर्ज करने वाले एकमात्र ट्रैक्टर ब्रांड बनने और उद्योग के प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन करके खुश हैं। ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में हमने 34.4 प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी के साथ भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति को और मज़बूत किया है। यह आश्चर्यजनक वृद्धि सोनालीका के प्रीमियम टाइगर रेंज और फ्लैगशिप सिकंदर छ्रङ्ग सीरीज़ में नए और उन्नत ट्रैक्टरों को लॉन्च करने और हमारी हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर रेंज में निरंतर नई तकनीक पेश करने से संभव हुई है।

संक्षिप्त समाचार

अर्जुन तेंदुलकर कर रहे थे लसिथ मलिंगा से कॉम्पिटिशन, यॉर्कर किंग ने यूं शर्मसार कर दिया!

मुंबई, एजेंसी। क्रिकेट वर्ल्ड के सबसे सटीक यॉर्कर फेंकने के लिए मशहूर दिग्गज लसिथ मलिंगा मुंबई इंडियंस में गेंदबाजों की अगली पीढ़ी को कोचिंग देने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। अर्जुन तेंदुलकर सहित कुछ युवा खिलाड़ियों के साथ फ्रेंचाइजी के नेट्स में मलिंगा ने एक बाउल-आउट सत्र आयोजित किया, जिसमें खिलाड़ियों को पिच के दूसरे छोर पर सिंग स्टंप को हिट करना था। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन उन एमआई पेसरों में से थे जिन्होंने ट्रेनिंग ड्रिल में हाथ आजमाया। मुंबई इंडियंस की ओर से साझा किए गए वीडियो में कोई भी गेंदबाज स्टंप को हिट करने में कामयाब नहीं हुआ। आखिरी में फिर मलिंगा ने खुद जिम्मेदारी ली और स्टंप को उखाड़ दिया। मलिंगा ने अपने पूरे आईपीएल करियर में केवल मुंबई इंडियंस के लिए खेला। उन्होंने 122 मैचों में 19.80 की औसत और 7.14 की इकॉनमी रेट से 170 विकेट लिए। यह वीडियो देखकर अब हर किसी को लग रहा है कि अगर मौजूदा आईपीएल सीजन में भी मलिंगा को मुंबई की जर्सी पहनाकर गेंदबाजी कराई जाए तो वह कमाल करने से पीछे नहीं हटेंगे। मुंबई के लिए हालांकि अच्छी बात यह है कि अर्जुन तेंदुलकर सहित अन्य गेंदबाज भी स्टंप से बहुत दूर गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। खैर, पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को हराकर अभियान की अपनी पहली जीत हासिल की। एमआई ने वानखेड़े स्टेडियम में इतिहास भी रचा और टी20 क्रिकेट में अपनी 150वीं जीत दर्ज की, जो किसी भी क्रिकेट टीम द्वारा सबसे अधिक है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024

इतिहास में पहली बार खेल रही हैं इतनी टीमें!

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट का विश्व कप जून में होगा। एक जून से मुकाबले से शुरू हो जाएंगे। इस बार का वर्ल्ड कप यूएसए और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज तो इससे पहले भी इसकी मेजबानी कर चुका है, लेकिन यूएसए में ये टूर्नामेंट पहली बार खेला जाएगा। इस साल के विश्व कप में क्या कुछ नया हो रहा है। ये हम आपको बताएंगे, लेकिन एक एक कर। आज आपको जानना चाहिए कि इस बार इसमें कितनी टीमें खेल रही हैं और कौन से ग्रुप में किसके साथ कौन सी टीम रहेगी।

टी20 विश्व कप 2024 में खेल रही हैं 20 टीमें –टी20 विश्व कप 2024 में दुनियाभर की 20 टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं, उनके नामों का ऐलान कर दिया गया है। इससे पहले साल 2022 में जब ये टूर्नामेंट हुआ था, तब 16 टीमों ने हिस्सेदारी की ?थी, लेकिन ये पहली बार है, जब 20 टीमें इसमें भाग लेंगी। वेस्टइंडीज और यूएसए तो होस्ट हैं, इसलिए उनकी जगह पहले से ही पक्की थी। इसक बाद साल 2022 के विश्व कप में जो टीमें टॉप 8 में रही थीं, उनकी भी डायरेक्ट एंट्री हुई है। इसमें टीम इंडिया के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नीदरलैंड्स, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका शामिल हैं।

आईसीसी रैंकिंग वाली टीमों को भी मिली एंट्री – 14 नवंबर 2022 तक जो टीमें आईसीसी की टी20 रैंकिंग में टॉप 10 में थी, उन्हें भी जगह दी गई है। इसलिए अफगानिस्तान और बांग्लादेश को जगह मिली हुई है। इसके बाद बाकी टीमें क्वालीफायर खेलकर आई हैं, जिसका आयोजन पिछले दिनों आईसीसी की ओर से किया गया था। यूरोप से आयरलैंड और स्कॉटलैंड को जगह मिली है। ईस्ट एशिया पेसिफिक से पीएनजी यानी न्यू पपुआ गिनी ने इसमें हिस्सेदारी के लिए अपना स्थान पक्का किया है।

संजू की सेना का विजयरथ रुका

क्या टूर्नामेंट में अब खत्म होगी राजस्थान की बादशाहत?

जयपुर, एजेंसी। आईपीएल में बुधवार को शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम गुजरात टाइटंस ने संजू की सेना का विजयरथ रोकते हुए राजस्थान रॉयल्स को उनके घर में आखिरी गेंद में मात दी। ये हार आरआर के लिए हज़्म करना इसलिए भी मुश्किल है, क्योंकि टीम ने अंतिम क्षणों में जीती हुई बाजी गंवा दी। गुजरात टाइटन्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच जयपुर में बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में बारिश ने कई बार खलल डाला, लेकिन मैच के रोमांच में कोई कमी नहीं आई। संजू सैमसन और रियान पराग की तूफानी पारी की बदौलत इस मुकाबले में आरआर ने 197 रनों का टारगेट सेट किया था। ऐसा लगा कि राजस्थान के लिए ये टोटल डिफेंड करना ज्यादा मुश्किल काम नहीं है।

हालांकि, इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की शुरुआत शानदार हुई। शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने 64 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की, मगर मिडिल ऑर्डर के जल्द पवेलियन लौटने के कारण राजस्थान ने मैच में वापसी की। तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और चहल ने बैक टू बैक विकेट लेकर गुजरात को बैकफुट पर धकेल दिया था। एक समय ऐसा आया कि गुजरात को मात्र 2 ओवर में 35 रन चाहिए थे। इस समय राहुल तेवतिया और राशिद खान क्रीज पर मौजूद थे, इसलिए मैच का नतीजा कुछ भी हो सकता था। अपने नाम और काम के मुताबिक दोनों बल्लेबाजों ने आरआर के घरेलू दर्शकों को अपनी तूफानी बल्लेबाजी से शांत कर दिया। राहुल तेवतिया और राशिद खान ने राजस्थान के जबड़े से जीत छीन ली। राहुल ने 11 गेंदों पर 22 और राशिद ने 11 गेंदों पर नाबाद 24 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। अब सवाल ये है कि क्या राजस्थान इस बार ट्रॉफी का प्रबल दावेदार है, या अब टूर्नामेंट में नंबर एक पर काबिज टीम फिर पुरानी गलती दोहरा रही है, क्योंकि गुजरात के खिलाफ आरआर ने जीती हुई बाजी गंवाई है। स्टेडियम में मौजूद कुछ फैंस का ये भी मानना था कि टूर्नामेंट में टेबल टॉपर राजस्थान सिर्फ घर में शेर है। बातचीत के दौरान मैच देखने आए दर्शकों में अपनी टीम को लेकर विश्वास जरूर था, लेकिन उनकी उम्मीद अपनी टीम को लेकर अब भी कम थी।

एक युवा फैन ने कहा, इस बार आईपीएल ट्रॉफी राजस्थान आएगी, तो कुछ अन्य फैंस का मानना था कि राजस्थान को एक बार फिर आईपीएल चैंपियन बनने के लिए थोड़ी और मेहनत करनी होगी क्योंकि अभी तक मैच होम ग्राउंड पर हुए हैं। जब टीम बाहर जाएगी तब उनकी असली परीक्षा होगी। इस हार-जीत के बीच चाहे स्टेडियम में मौजूद फैंस किसी भी टीम को सपोर्ट कर रहे हों, लेकिन हर कोई रियान पराग के प्रदर्शन से खुश था। बात करते हुए एक फैन ने कहा, रियान पराग इस सीजन राजस्थान के लिए गेम चेंजर हो सकते हैं और अगर टीम की नजर ट्रॉफी पर है तो रियान इस कड़ी के सबसे बड़े सूत्रधार होंगे। इस हार के साथ राजस्थान अंक तालिका में 5 मैचों में 4 जीत और एक हार के साथ नंबर 1 पर काबिज है, जबकि गुजरात 6 मैचों में 3 जीत और 3 हार के साथ छठे नंबर पर है।

डोपिंग अपराध के लिए तीन भारतीय एथलीटों पर चला नाडा का डंडा, किए गए निलंबित, जानें नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा राष्ट्रीय खेलों के रजत पदक विजेता स्टीपलचेज खिलाड़ी मोहम्मद नूर हसन के साथ भारत के विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के प्रतिभागी हेमराज गुर्जर और अंजलि कुमारी को प्रतिबंधित पदार्थों की जांच में

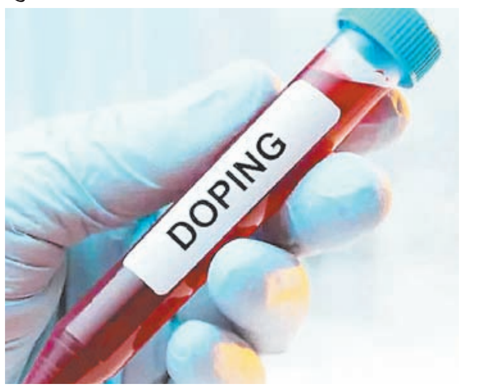

पॉजिटिव पाए जाने के बाद अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। गोवा राष्ट्रीय खेलों के रजत पदक विजेता स्टीपलचेज खिलाड़ी मोहम्मद नूर हसन के साथ भारत के विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के प्रतिभागी हेमराज गुर्जर और अंजलि कुमारी को प्रतिबंधित पदार्थों की जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। भारतीय एथलेटिक्स में डोपिंग के नवीनतम मामलों में राष्ट्रीय डोपिंग विरोधी एजेंसी पैनल द्वारा धावक जी लक्ष्मणन और धाविका हिमानी चंदेल पर भी क्रमशः दो और चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

हसन ने पिछले साल फेडरेशन कप और नेशनल ओपन चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज में स्वर्ण पदक जीता था। गुर्जर ने जनवरी में गया में राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप जीती थी लेकिन मार्च में बेलग्रेड में विश्व क्रॉस कंट्री में वह 88वें स्थान पर रहे थे। अंजलि कुमारी जनवरी में नेशनल क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रही थीं। इस प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन वैश्विक प्रतियोगिता के लिए हुआ था जिसमें वह 80वें स्थान पर रहीं। इन तीनों को नाडा द्वारा अस्थाई निलंबन सौंपे गए लोगों की नवीनतम सूची में शामिल किया गया है। इस बीच यह भी पता चला है कि 2017 एशियाई चैंपियनशिप में 5000 मीटर और 10,000 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने वाले लक्ष्मणन पर पिछले साल 10 अगस्त से दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उनका नाम उन लोगों में शामिल था जिन पर या तो डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल या नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल द्वारा प्रतिबंध लगाए गए थे। शीर्ष धाविका हिमानी चंदेल पर भी पिछले साल 15 जून से चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

आईपीएल 2024 में रियान पराग का वर्जन 2.0

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के स्टार खिलाड़ी रियान पराग का शानदार फॉर्म जारी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ उन्होंने इस सीजन का अपना तीसरा अर्धशतक लगाया। घरेलू दर्शकों के सामने उन्होंने तूफानी पारी खेलते हुए चौके-छक्कों की बारिश की। आलम ये था कि पूरा सवाई मानसिंह स्टेडियम उनके नाम से गूंज उठा। सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोलर्स का शिकार बनने वाले रियान पराग ने बाहरी किसी भी चीज को खुद पर हावी नहीं होने दिया। आरआर टीम मैनेजमेंट ने हमेशा इस युवा बल्लेबाज को उनके खराब दौर में सपोर्ट किया, लेकिन इस सीजन की कहानी थोड़ी अलग है। रियान को टारगेट करने वाले शायद अब समझ चुके हैं कि आखिर आरआर इस खिलाड़ी को इतना सपोर्ट क्यों करती है।

आईपीएल 2024 में टीम मैनेजमेंट ने रियान पराग के बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करते हुए उन्हें नंबर 4 पर प्रमोट किया है। शायद ये बदलाव घरेलू सर्किट में उनके दमदार प्रदर्शन को देख कर किया गया हो।पिछले कई सीजन रियान पराग के लिए अच्छे नहीं रहे, लेकिन बुधवार को सीजन में पहली हार झेलने के बावजूद राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग और उनकी बेखौफ बल्लेबाजी की फैंस चर्चा कर रहे हैं।

बे समय तक खराब फॉर्म झेल रहे पराग ने पहले घरेलू सर्किट में शानदार प्रदर्शन किया और अब उसे आईपीएल में भी जारी रखा। 43, नाबाद 84, नाबाद 54, 4 और अब 76... ये पिछले पांच मैच में रियान पराग के स्कोर हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर रियान ने सीजन का तीसरा अर्धशतक जड़ा। अब ऑरेंज कैप की रेस में उनसे आगे सिर्फ विराट कोहली ही चल रहे हैं।

खास बात ये है कि इस सीजन में उनकी किस्मत भी उनका पूरा साथ दे रही है। गुजरात के खिलाफ 48 बॉल पर 76 की बेहतरीन पारी खेलने वाले रियान पराग को इस दौरान तीन जीवनदान मिले। आईपीएल 2024 में रियान का बल्ला पूरे कॉन्फिडेंस के साथ गेंदबाजों के लिए आग उगल रहा है। उनका ये दमदार प्रदर्शन देखकर ये कहना गलत नहीं होगा कि ये उनका यह वर्जन 2.0 है।

राशिद की प्रतिबद्धता उन्होंने टी20 लीग में फेंचाइजी का पसंदीदा बनाती है : गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि खेल के सभी पहलुओं के प्रति प्रतिबद्धता राशिद खान को दुनिया भर की टी20 लीग में सबसे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक बनाती है। गुजरात टाइटंस को बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के लिए अंतिम ओवर में 15 और अंतिम गेंद पर दो रन की जरूरत थी और अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद ने 11 गेंद में नाबाद 24 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। उन्होंने अपने चार ओवर में 18 रन देकर एक विकेट भी चटकाया। गावस्कर ने कहा, 'जब जरूरत थी तब उसने (राशिद) ने बल्ले से योगदान दिया। उन्होंने कहा, 'यही कारण है कि उसकी दुनिया भर की फ्रेंचाइजी के बीच इतनी मांग है। वे उसे चाहते हैं क्योंकि उन्हें उसकी प्रतिबद्धता, बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण नजर आता है। गेंदबाजी और

बल्लेबाजी के अलावा राशिद शानदार क्षेत्ररक्षक भी हैं। गावस्कर ने कहा, 'देखिए किस तरह वह क्षेत्ररक्षण में अपना सब कुछ झोंक देता है। गेंदबाज कभी कभी गेंद को रोकने के लिए अपनी गेंदबाजी वाली बांह की तरह कूदने को लेकर चिंतित होते हैं कि अगर उनका कंधा खिसक गया तो करियर पर खतरा बन सकता है।

हार्दिक-क्रूणाल से सौतेले भाई ने की धोखाधड़ी

बिजनेस में वैभव पंड्या ने 4.3 करोड़ रुपए का फ्रॉड किया, पुलिस ने हिरासत में लिया

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और क्रुणाल पंड्या के सौतेले भाई (स्टेप ब्रदर) वैभव पंड्या की एक हाई-प्रोफाइल मामले में गिरफ्तारी की है। कथित तौर पर बिजनेस पार्टनरशिप में वैभव ने पंड्या ब्रदर्स के साथ लगभग 4.3 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 37 साल के वैभव पर एक पार्टनरशिप फर्म से लगभग 4.3 करोड़ रुपए का हेर-फेर करने का आरोप है, जिससे हार्दिक और क्रुणाल पंड्या को काफी नुकसान हुआ है। मुंबई पुलिस की इकोनॉमी ऑफेंस ब्रांच ने वैभव पंड्या पर इसके संबंध में धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप लगा कर उन्हें गिरफ्तार किया है।

तीन साल पहले पॉलिमर का बिजनेस स्थापित किया

वैभव के केस में पैसों का हेरफेर और पार्टनरशिप की शर्तों का उल्लंघन शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों भाईयों ने साथ मिलकर तीन साल पहले पॉलिमर का बिजनेस स्थापित किया था। इसमें क्रिकेटर भाइयों (क्रुणाल और हार्दिक) को 40-40 फीसदी निवेश करना था, जबकि वैभव को 20त्न योगदान

देना था और ऑपरेशन्स भी देखने का जिम्मा भी उन्हीं पर था। प्रोफिट शेयर का बंटवारा भी ऐसे ही तय हुआ था। पंड्या ब्रदर्स ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है।

बिना बताए नई फर्म बनाई, बदनाम करने की धमकी दी

वैभव ने कथित तौर पर अपने सौतेले भाइयों को बताए बिना उसी बिजनेस में एक और फर्म बनाई, और इसी तरह पार्टनरशिप टर्म का उल्लंघन किया। वैभव ने खुद के प्रोफिट का हिस्सा 20 फीसदी से बढ़ाकर 33.3 परसेंट कर दिया। इस कारण, प्रॉफिट शेयर में गिरावट आई, जिससे पंड्या ब्रदर्स को 3 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। वैभव पंड्या ने बिना किसी को बताए पार्टनरशिप फर्म के खाते से 1 करोड़ से ज्यादा की रकम अपने खाते में ट्रांसफर कर ली। ये बात हार्दिक और क्रुणाल पंड्या को समझ आ गई। फिर जब उन्होंने उससे जवाब मांगा तो उसने उन्हें बदनाम करने की धमकी दी। इसके बाद पंड्या ब्रदर्स तुरंत पुलिस के पास पहुंचे और वैभव पंड्या के खिलाफ 4.3 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एथलीट को पुरस्कार राशि देना अच्छा कदम : नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को विश्व एथलेटिक्स के पेरिस ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी खिलाड़ियों को 50,000 डॉलर का पुरस्कार देने के फैसले की प्रशंसा की और साथ ही कहा कि वह चाहेंगे कि अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह का प्रोत्साहन मिले। ओलंपिक खेलों में पहली बार होगा कि इस साल पेरिस खेलों की 48 एथलेटिक्स स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को विश्व एथलेटिक्स द्वारा भारी राशि दी जाएगी। विश्व एथलेटिक्स ने अपने इस दायरे को बढ़ाने का वादा किया है कि 2028 लास एंजिल्स चरण में सभी तीनों पदक विजेताओं को शामिल किया जाएगा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज ने कहा, 'पैसे के मामले में एथलेटिक्स में उस तरह की राशि नहीं है जैसे टेनिस या फुटबॉल और अन्य खेलों में है। उन्होंने कहा, 'विश्व एथलेटिक्स का पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एथलीटों के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा करने का फैसला अच्छी शुरूआत है। यह अच्छा फैसला है। विश्व चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने कहा, 'विश्व एथलेटिक्स बहुत सक्रिय होता जा रहा है। आने

वाले समय में मुझे लगता है कि वे डायमंड लीग जैसी प्रतियोगिताओं में भी वित्तीय प्रोत्साहन देंगे, जो अच्छा होगा। विश्व एथलेटिक्स अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि देना लंबे समय से लंबित था क्योंकि ओलंपिक खेलों में जो भारी राजस्व मिलता है, उसमें ट्रैक एवं फील्ड एथलीट का मुख्य योगदान होता है। को खुद दोहरे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं।

उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से फैसले पर चर्चा नहीं की है जिसके अंतर्गत ओलंपिक खेल आयोजित होते हैं। यह दोनों के बीच तनाव का कारण हो सकता है। को ने बुधवार को वर्चुअल बातचीत में पीटीआई से कहा, 'मुझे नहीं पता, मैंने उनसे (आईओसी) इस बारे में चर्चा नहीं की है। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा ही कहा है कि मैं विकास से हुए लाभ से खिलाड़ियों का फायदा चाहता था। चोपड़ा इससे सहमत हैं और उन्होंने खिलाड़ियों के लिए वित्तीय सुरक्षा की जरूरत पर बात करते हुए कहा, 'अंत में हम जो कमाई करते हैं, वो खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त है। इससे हमें आराम की जिंदगी जीने में मदद मिल रही है, हमारे परिवार को आराम की जिंदगी मिल रही है। चोपड़ा अपना प्रतिस्पर्धी सत्र 10 मई को दोहा डायमंड लीग में शुरू करेंगे। अभी वह ट्रेनिंग के लिए तुर्की में हैं। वह स्विस पर्यटन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के लिए इस साल के शुरू में स्विट्जरलैंड में भी थे जिसमें उन्होंने महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर से मुलाकात की थी।

इस भारतीय ने कहा कि 20 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता से मिलना बहुत ही अद्भुत रहा और इस महान खिलाड़ी ने उन्हें करियर लंबा करने के बारे में भी बताया। चोपड़ा ने कहा, 'बतौर एथलीट, एक महान खिलाड़ी से मिलना शानदार था। मैंने उनसे पूछा कि वह इतने लंबे समय तक खेल में शिखर पर कैसे रहे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी को अपने कार्यक्रम में संतुलन बनाने की जरूरत है कि उसे किस टूर्नामेंट में खेलना चाहिए। चोटों और थकान से बचने के लिए टूर्नामेंट सतर्कता से चुनने चाहिए।

आईपीएल 2024

बीसीसीआई ने संजू सैमसन पर लगाया भारी जुर्माना

नईदिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स टीम को आईपीएल 2024 में अपनी पहली हार का सामना गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में करना पड़ा। संजू सैमसन की कप्तानी में राजस्थान ने इस सीजन के अपने शुरुआती चारों मैचों को शानदार तरीके से अपने नाम किया था, तो वहीं पांचवें मैच में उन्हें आखिरी गेंद पर 3 विकेट से हार मिली। वहीं राजस्थान रॉयल्स टीम के कप्तान संजू सैमसन को इस हार के बाद एक और बड़ा झटका लगा जिसमें उन्हें धीमी ओवर गति की वजह से बीसीसीआई की तरफ से लाखों रुपए के जुर्माने का भी सामना करना पड़ा है। इस मैच में राजस्थान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए थे, तो वहीं गुजरात टाइटंस ने आखिरी गेंद पर चौका लगाने के साथ इस मैच को अपने नाम किया था।

संजू सैमसन पर लगा 12 लाख रुपए का जुर्माना – गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में राजस्थान की टीम तय समय पर अपने 20 ओवरों को पूरा नहीं कर पाई थी, जिसके चलते आखिरी ओवर में वह 30 गज के घेरे के बाहर 5 की जगह सिर्फ 4 फील्डर ही लगा सकी। वहीं मैच खत्म होने के बाद संजू सैमसन को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरफ से स्लो ओवर रेट की गलती के चलते 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

संक्षिप्त समाचार

सैनिक स्कूलों के निजीकरण की खबर पर खरगे ने जताई आपत्ति, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखी चिट्ठी

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर सैनिक स्कूलों के निजीकरण का आरोप लगाया। खरगे ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में बताया है कि सैनिक स्कूलों को निजी हाथों में देने से जुडी यह जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी के जरिए सामने आयी है। खरगे ने कहा कि जो जानकारी सामने आयी है, उसके तहत सरकार ने अब तक ऐसे 40 सैनिक स्कूलों को खोलने को लेकर निजी लोगों के साथ व संस्थाओं के साथ एमओयू किया है। खरगे ने कहा कि इनमें से 62 फीसद से अधिक एमओयू बीजेपी और आरएसएस से जुड़े लोगों के साथ किए गए है। इनमें मुख्य मंत्रियों के परिवार, कई विधायक, भाजपा व आरएसएस पदाधिकारी शामिल है। उन्होंने सरकार के इस कदम को सैन्य बलों के भीतर एक विचारधारा को थोपने की कोशिश बताया है। साथ ही कहा है कि सैन्य बलों को किसी राजनीतिक सोच या विचारधारा से दूर रखने की जरूरत है। ऐसे में राष्ट्रहित को देखते हुए कांग्रेस पार्टी इस पहल को तुंरत वापस लेने की मांग करती है।

हैदराबाद में ऑनलाइन आईपीएल सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस ने सट्टेबाजों से 40 लाख किए बरामद

हैदराबाद। हर साल आईपीएल का गेम होता है और हर साल इस गेम के बढ़ते रोमांच के बीच ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के आरोप कई लोग आते हैं। इस बार भी आईपीएल शुरू हो चुका है और उसके साथ सट्टेबाजी भी। हैदराबाद की साइबराबाद पुलिस ने चार सट्टेबाजों की गिरफ्तारी के साथ एक ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि हैदराबाद के मियापुर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत मातृश्री नगर के एक अपार्टमेंट आईपीएल 2024 में सट्टा लगाने का खेल चल रहा है। इसके बाद पुलिस ने छापा मारकर गिरोह को पकड़ लिया।साइबराबाद पुलिस ने आरोपी व्यक्तियों के कब्जे से 40 लाख भी जब्त किए, इसके अलावा 3.57 लाख के पांच बैंक खाते भी फ्रीज कर दिए। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आलुरु त्रिनाद, मनम राजेश, बोले स्वामी और मार्पेन्ना गणपति राव के रूप में की गई है। यह सभी आरोपी मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैचों पर क्रिकेट लाइव गुरु और लकी ऑनलाइन ऐप के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन किया था।

केरल में ट्रेन की चपेट में आने से 2 की मौत, पुलिस कर रही मामले की जांच

कोट्टायम। केरल के वेल्लोर से एक दर्दनाक खबर सामने आ रही है। बुधवार सुबह यहां वेल्लोर के पास ट्रेन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोट्टायम रेलवे पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब चार बजे हुई। रेलवे पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि वे त्रिवेन्द्रम-मैंगलोर ट्रेन की चपेट में आ गये। दोनों व्यक्तियों की उम्र 19 और 21 साल थी। उनके शव फिलहाल कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं और उनके संबंधित परिवारों द्वारा पहचान की प्रतीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना कैसे हुई इसको लेकर आगे की जांच के बाद ही मिल पाएगा।

तमिलनाडु के तिरुमंगलम में कार और दोपहिया वाहन की हुई भीषण टक्कर

मदुरै (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के तिरुमंगलम से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। आज सुबह तिरुमंगलम के पास शिवराकोट्टई में विरुधुनगर और मदुरै राजमार्ग पर एक कार और दोपहिया वाहन की टक्कर में पांच लोगों की कथित तौर पर मौत हो गई। यह पूरा हादसा सीसीटीवी में कैद हो गया। मदुरै जिले के पुलिस अधीक्षक अरविंद ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना तब हुई जब विरुधुनगर-मदुरै राजमार्ग पर तिरुमंगलम के पास शिवराकोट्टई में एक तेज रफ्तार एसयूवी एक मोपेड से टकरा गई।

यूपी-बिहार में बदले मौसम के तेवर

दिल्ली में बारिश के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में पारा एक बार फिर चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आज और कल यानी शुक्रवार को तापमान में और इजाफा हो सकता है और गर्मी से लोगों को परेशानी उठानी पड़ सकती है।

वहीं, यूपी, बिहार, हरियाणा और पंजाब में गर्मी में राहत मिलने के आसार हैं। हालांकि, दो दिन से लोगों को हवा में गर्माहट महसूस होने लगी है। दिल्ली में दो दिनों से तापमान में इजाफा देखने को मिल रहा है। अब हवा में भी गर्माहट देखने को मिल रही है। बुधवार को दिल्ली के नरेला में तापमान 41.2 डिग्री आंका गया। मौसम विभाग की मानें तो दो दिनों तक यही हाल रहने वाला है और गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

मौसम विभाग की मानें तो 13 अप्रैल को आंधी के साथ दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। वहीं, 14 और 15 अप्रैल

को भी हल्की बारिश और आंधी की संभावना है। इसके चलते तापमान में 5 डिग्री की कमी देखने को मिल सकती है।

दिल्ली में इन दिनों सुबह से ही तेज धूप निकल रही है। इसके चलते दिन के समय लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि, आसमान साफ होने और ठंडी हवा के चलते न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रह रहा है। मानक वेधशाला सफदरजंग के मुताबिक, दिल्ली में बुधवार का दिन सीजन के सबसे गर्म दिन के रूप में रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में बुधवार को अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक है जबकि, यहां पर न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से तीन डिग्री कम है।

दिल्ली में आर्द्रता का स्तर 55 से 26 फीसदी दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों के बीच अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक ही रहने का अनुमान है। इस दौरान लोगों को तेज धूप का सामना करना पड़ेगा। हालांकि शनिवार की शाम के बाद दिल्ली के मौसम पर एक पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिलेगा। इसके चलते तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। रविवार और सोमवार को भी हल्की बूंदाबांदी और तेज हवा का मौसम बना रहने का आसार हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली एनसीआर में 13 से 15 अप्रैल तक मौसम खराब रहेगा। दिल्ली में 13 अप्रैल को 25 से 35 किलोमीटर की रफ्तार वाली हवाओं और गरज चमक के साथ हल्की बारिश देखी जा सकती है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो दिल्ली में 14 अप्रैल को मौसमी गतिविधियां अपने चरम पर होंगी। इस दौरान दिल्ली में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई। साथ ही गरज चमक के साथ बारिश भी होगी। दिल्ली में 15 अप्रैल को भी आंधी बारिश वाला मौसम रहेगा।

यूपी और बिहार के कई जिलों में तापमान में गिरावट देखने को मिली है। यूपी के कई जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, बिहार के 7 जिलों में मौसम विभाग द्वारा बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के कुछ इलाकों में दो दिनों तक हल्की बारिश के आसार हैं। औरंगाबाद, रोहतास, गया, नवादा, जमुई, बांका समेत कई इलाकों में गर्जन के साथ बारिश को अलर्ट जारी किया गया है।

लोकसभा चुनाव से पहले पूर्वोत्तर राज्यों में अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा और कड़ी

अगरतला, एजेंसी। भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के निर्देशों के बाद 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव के दौरान गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए आठ पूर्वोत्तर राज्यों में 5,437 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह बात कही। सेना, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), असम राइफल्स और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी अक्सर पूर्वोत्तर में सीमावर्ती इलाकों का दौरा कर रहे हैं, कई बैठकें कर रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर तैनात अपने सैनिकों को जागरूक कर रहे हैं। 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से बाड़बंदी नहीं की गई है। ईसीआई द्वारा नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षक भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी और समीक्षा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगे गांवों और संकटग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं।

शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि म्यांमार, बांग्लादेश, चीन, भूटान और नेपाल के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर भी विशेष उपाय किए जा रहे हैं। पूर्वी कमान के बीएसएफ एडीजी रवि गांधी अब मिजोरम और असम के सीमावर्ती इलाकों के तीन दिवसीय दौरे पर हैं, जहां उन्हें परिचालन स्थिति के बारे में जानकारी दी गई।

बीएसएफ एडीजी ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ असम के करीमगंज और कछार जिलों में भारत-बांग्लादेश सीमाओं का भी दौरा किया और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान बीएसएफ के कमांडरों और सैनिकों और सुतारकांडी में एकीकृत मुख्य चौकियों (आईसीपी) के अधिकारियों से भी बातचीत की।

पिछले महीने अधिकारी ने त्रिपुरा से लगे भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया।

अन्नामलाई को जोकर कहने पर गरमाई तमिलनाडु की राजनीति, भाजपा नेता ने किया पलटवार

चेन्नई।
तमिलनाडु में आगामी 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों में जुबानी जंग तेज हो गई है और भाषा की शालीनता खत्म हो रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन द्वारा कहने पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई ने बुधवार को पलटवार किया। कोयंबटूर से भाजपा उम्मीदवार अन्नामलाई ने कहा कि परिवार के उपनाम के बिना दयानिधि मारन की कोई हैसियत नहीं है। विगत दिनों एक पत्रिका को दिए साक्षात्कार में द्रमुक नेता दयानिधि मारन ने अन्नामलाई को और अच्छा कहा था। भाजपा नेता के. अन्नामलाई ने द्रमुक नेता मारन पर हमला करते हुए कहा कि परिवार के उपनाम के बिना उन्हें कहीं नौकरी भी नहीं मिलेगी। वह केवल अपने परिवार के दम पर राजनीति में हैं। उन्होंने द्रमुक पर भी निशाना साधा और कहा कि यह देश की सबसे गंदी पार्टी है और इसकी स्थापना की गंदी भाषा पर ही हुई है। यदि आप द्रमुक के इतिहास को देखें तो इस पार्टी ने महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया और नए कार्यकर्ता के प्रति असहिष्णुता दिखाई। वे राजनीतिक शब्दावली में अभद्र भाषा लेकर आए।

छत्तीसगढ़ी एक्टर की सड़क हादसे में मौत

बिलाईगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्रीज से जुड़ी हुई एक बड़ी खबर सामने आ रही है बताया जा रहा है कि एक भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ी कलाकार सूरज मेहर की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि बिलाईगढ़ के पास स्कॉर्पियो और पिकअप में जोरदार टक्कर हुई है। जिसमें छत्तीसगढ़ी एक्टर सवार था, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई है। बतादे की छत्तीसगढ़ी कलाकार सूरज मेहर फिल्मों में विलेन का रोल अदा करता था। बताया जा रहा है कि आज उनकी ओड़ीशा में सगाई थी और सगाई से पहले ही उनकी मौत हो गई है।

खबरें हैं कि हादसे के दौरान सूरज मेहर गाड़ी में सामने वाली सीट पर बैठे हुए थे। इस वक्त दोनों गाड़ियों के बीच टक्कर इतनी जोरदार हुई कि सूरज की मौके पर ही मौत हो गई। वही इस हादसे के बाद सरसीवा की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्कॉर्पियो में फंसे लोगों को निकाल कर अस्पताल भेज दिया है। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

दिल्ली मेट्रो ट्रेन में होली खेलने वाली दोनों लड़कियां गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस ने होली के त्योहार से पहले मेट्रो ट्रेन में होली खेलने और रील बनाने वाली दोनों लड़कियों को विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया। हालांकि उन्हें कुछ ही देर में थाने से ही जमानत भी मिल गई। पुलिस ने बताया कि दोनों लड़कियों के खिलाफ 8 अप्रैल को नेताजी सुभाष प्लेस मेट्रो पुलिस स्टेशन में ढ्ढक्कष्ट की धारा 294 (अश्लील हरकतें और गाने) और मेट्रो रेलवे (संचालन और रखरखाव) अधिनियम की धारा 59 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अश्लील और बेहूदा वीडियो बनाकर वायरल किया

इस बारे में पुलिस उपायुक्त केपीएस मल्होत्रा ने बताया- दिल्ली मेट्रो ट्रेन में अश्लीलता फैलाने और गैरकानूनी गतिविधियों के

सम्बन्ध में एक मेट्रो अधिकारी से शिकायत मिली थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि दो लड़कियों ने ट्रेन में अश्लील और बेहूदा वीडियो बनाते हुए उसे रिकॉर्ड किया और फिर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मल्होत्रा के मुताबिक, जांच के दौरान नोएडा पुलिस ने उस वीडियो को बनाने वाली उन दोनों लड़कियों का पता लगाकर उनसे सम्पर्क किया। जिसके बाद ग्रेटर नोएडा में रहने वाली इन लड़कियों ने 21 मार्च को चलती ट्रेन में रील बनाने की बात मान ली। बाद में कुछ शर्तों के साथ दोनों को पुलिस स्टेशन से ही जमानत भी मिल गई। जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़कियों के खिलाफ यह कार्रवाई तब हुई जब दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने पुलिस को एक पत्र लिखकर उस वायरल वीडियो की गहन जांच करने का अनुरोध किया था। उस वीडियो में दो लड़कियां ट्रेन के अंदर एक-दूसरे पर रंग लगातीं दिखाई दी थीं। इससे पहले, दोनों लड़कियों को नोएडा में चलती स्कूटी पर रंग लगाते और अंतरंग हाव-भाव करते देखा गया था। एक अन्य वीडियो में होली के दौरान स्टंट करते वक्त एक महिला स्कूटी से गिर गई। जिसेक बाद नोएडा पुलिस ने दोनों वीडियो का संज्ञान लिया और तीनों महिलाओं को अश्लीलता और सार्वजनिक स्थान पर उपद्रव करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

प्रॉपर्टी टाइकून पर 12 अरब डॉलर के गबन का आरोप, मिल सकती है मौत की सजा

हनोई, एजेंसी। कई महीनों से वियतनाम में सबसे बड़े धोखेधारी मामले पर सुनवाई चल रही थी। इस मामले में जो मुख्य आरोपी हैं वह एक महिला है जो वर्तमान में वियतनाम की बड़ी प्रॉपर्टी टाइकून मानी जाती है। जिनपर 12.5 अरब डॉलर के गबन का आरोप है।

इस मामले में मुख्य आरोपी को मौत की सजा का सामना करना पड़ सकता है। प्रमुख डेवलपर वान थिन्ह फाट के अध्यक्ष ट्रूओंग माय लैन पर एक दशक से अधिक समय तक नकदी की हेराफेरी करने का आरोप है। ट्रूओंग माय लैन और 85 अन्य लोगों को दक्षिणी बिजनेस हब हो ची मिन्ह सिटी में पांच सप्ताह की सुनवाई के बाद फैसले और सजा का सामना करना पड़ेगा।

ट्रूओंग माय लैन ने सभी आरोपों से किया इनकारत्न ट्रूओंग माय लैन पर लगे आरोपों में रिश्वतखोरी, सत्ता का दुरुपयोग, विनियोजन और बैंकिंग कानून का उल्लंघन शामिल है। वहीं, लैन ने आरोपों से इनकार किया है और अधीनस्थों को दोषी ठहराया है। अभियोजकों ने लैन को मौत की सजा देने की

मांग की है, जो ऐसे मामले में असामान्य रूप से कड़ी सजा है।

इस घोटाले में लगभग 42 हजार पीड़ित शामिलत्न लैन और 85 अन्य लोगों को एक राष्ट्रीय भ्रष्टाचार कार्रवाई के हिस्से के रूप में गिरफ्तार किया गया था। लैन ने पिछले सप्ताह अदालत में अंतिम टिप्पणी में कहा था कि उसके मन में आत्महत्या के विचार आ रहे हैं। पुलिस ने इस घोटाले के लगभग 42,000 पीड़ितों की पहचान की है।

पॉर्न स्टार मामले में ट्रंप की एक बार फिर होगी कोर्ट में पेशी, स्टॉर्मी डेनियल्स और पूर्व राष्ट्रपति होंगे आमने-सामने

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देने का विवाद अबतक नहीं थमा है। जहां ट्रंप नवंबर महीने में होने वाले चुनाव की तैयारी में लगे हुए हैं वहीं एक बार फिर उनको कोर्ट में पेश होना पड़ सकता है। इस मामले को लेकर 15 अप्रैल को एक बार फिर कोर्ट में सुनवाई है।

ट्रम्प ने इस सुनवाई को आगे बढ़ाने के लिए कोर्ट से तीन बार पहले भी अपील कर चुके हैं। वहीं कोर्ट ने उनके सभी अपील को खारिच करते हुए सुनवाई को टालने से मना कर दिया है। बता दें कि ट्रायल 15 अप्रैल को जूरी सलेक्शन के साथ मैनहट्टन में शुरू होने वाला है. यह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति से जुड़ा पहला आपराधिक मुकदमा होगा। वहीं इस मामले में हुई पहले की सुनवाई के दौरान, ट्रंप के वकील एमिल बोवे ने कहा था कि मुकदमे में देरी होनी चाहिए क्योंकि इस मामले की देखरेख कर रहे न्यायमूर्ति जुआन मर्चन ने खुद को इस मुकदमे से अलग करने का अनुरोध किया था जिसपर अभी तक फैसला नहीं सुनाया गया है। ट्रंप द्वारा पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देने का मामला 2016 का है। दरअसल, ट्रंप के इस पोर्न स्टार के साथ रिश्ते होने की बाते सामने आई थी और उनपर आरोप है कि उन्होंने इसको छुपाने के लिए स्टॉर्मी को 1 लाख 30 हजार का भुगतान किया था। स्टॉर्मी ने ही इस बात का खुलासा किया था कि 2006 में ट्रंप और उनका अफेयर चल रहा

था। पोर्न स्टार ने आरोप लगाया था कि ट्रंप ने उन्हें टीवी स्टार बनाने का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए थे। हालांकि, ट्रंप ने इस बात से इनकार किया था। स्टॉर्मी डेनियल्स अमेरिका की एडल्ट फिल्मों में काम करने वाली पोर्न स्टार हैं। स्टॉर्मी उस समय चर्चा में आई, जब उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर उनसे यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया। पोर्न स्टार ने इस बात का खुलासा अपनी किताब फुल डिस्क्लोजर में किया।

पेट दर्द का इलाज करवाने अस्पताल पहुंची महिला, डॉक्टरों ने ब्लड कैंसर बताकर कर दी कीमोथेरेपी

टेक्सास , एजेंसी।
अमेरिका के टेक्सास में दो बच्चों की मां को अस्पताल की भारी गलती के कारण असहनीय पीड़ा से गुजरना पड़ा। अस्पताल वालों ने महिला को ब्लड कैंसर बताकर उसकी कीमोथैरेपी कर दी। महिला को बताया कि उसके पास सिर्फ 15 महीने का वक्त बचा है। हालांकि जब अस्पताल को मालूम हुआ कि महिला को कभी कैंसर था ही नहीं, उन्होंने महिला से माफी मांगी और उसे डिस्चार्ज कर दिया। महिला पेट दर्द का इलाज कराने अस्पताल पहुंची थी।

न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, दो बच्चों की मां लिसा मोंक को पेट दर्द की शिकायत हुई थी। जिसके बाद में उन्हें संदेह था कि उनके गुर्दे पर पथरी हो सकती है। तमाम टेस्ट में जांच में यह सामने आ गया कि महिला को पथरी ही है लेकिन, डॉक्टरों को जांच के बाद एक और बात पता लगी कि महिला ब्लड कैंसर के शुरुआती चरण में है। जब महिला को यह बात बताई गई तो उनके पैरों चले जमीन खिसक गई।

महिला के बयान के हवाले से अखबार ने रिपोर्ट में बताया कि मोंक काफी डर गई थी। उसने अपने दोनों बच्चों को अपनी बीमारी के बारे में बताया। महिला बताती है कि उसे बताया गया कि उसके पास जिंदा बचने के सिर्फ 15 बचे हैं। इसलिए उसने हार मानने के बजाय लड़ने का

फैसला लिया। महिला की दो बार कीमोथेरेपी की गई।

महिला के अनुसार, उसे मार्च 2023 में कीमोथेरेपी के पहले चरण का सामना करना पड़ा। इस दौरान उसके शरीर में कई बदलाव आए। पहले सिर के सारे बाल साफ हो गए। उल्टियां होने लगी। शरीर काफी कमजोर हो गया। महिला की त्वचा काफी सफेद और सूख गई। महिला के अनुसार, जब अप्रैल महीने में उसे दूसरी बार कीमोथेरेपी से पहले जांच से गुजरना पड़ा तो रिपोर्ट में चौंकाने वाले परिणाम सामने आए। अस्पताल के अधिकारियों को मालूम हुआ कि उसे कभी कैंसर था ही नहीं।

अस्पताल वालों ने जानबूझकर की कीमोथेरेपी

महिला ने बताया कि जब उसने पहली बार यह सुना तो उसका पहला रिएक्शन काफी राहत और खुशी लेकर आया। हालांकि अगले ही पल महिला अस्पताल से काफी नाराज भी दिखी कि उनकी लापरवाही से उसे इतनी पीड़ा झेलनी पड़ी। उसके डॉक्टर ने बताया कि पहली पैथोलॉजी रिपोर्ट गलत थी। हालांकि महिला का कहना है कि जब उसने वह सही रिपोर्ट देखी तो वह और भी परेशान करने वाली थी। महिला के मुताबिक, वह रिपोर्ट एक महीने पहले की थी, यानी उस समय की जब उसकी कीमोथेरेपी की जा रही थी। महिला ने इस लापरवाही पर अस्पताल के खिलाफ लीगल ऐक्शन का कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महिला साल 2022 में पेटदर्द की शिकायत पर अस्पताल पहुंची थी। महिला को आशंका थी कि यह किडनी में पथरी की समस्या की वजह से हो सकता है। जांच रिपोर्ट में उसकी किडनी में पथरी का पता भी चला, लेकिन जांच में महिला के स्पलीन (प्लीहा) बढ़ा हुआ पाया गया। इसके बाद बीते साल जनवरी में महिला की स्पलीन की सर्जरी की गई और अतिरिक्त हिस्सों को निकाल दिया गया। सर्जरी से निकाले गए स्पलीन के अतिरिक्त हिस्से को जांच के लिए भेजा गया। तीन पैथोलॉजी लैब की रिपोर्ट में सही-सही जानकारी नहीं मिल पाई तो उसे चौथी लैब में भेजा गया, जहां से कैंसर की पुष्टि हुई।

इसके बाद अस्पताल में महिला की कीमोथैरेपी शुरू हो गई। पहली कीमोथैरेपी के बाद महिला के सारे बाल उड़ गए और दूसरी कीमोथैरेपी में महिला की त्वचा खराब हो गई। अप्रैल में जब महिला एक रुटीन जांच के लिए अस्पताल पहुंची तो महिला को बताया गया कि उसे कैंसर नहीं है और वह ठीक है। इस खबर को सुनकर महिला हैरान रह गई। महिला का कहना है कि अस्पताल ने घोर लापरवाही की। महिला ने बताया कि लैब से रिपोर्ट उसकी दूसरी कीमोथैरेपी होने से पहले ही अस्पताल पहुंच गई थी, लेकिन अस्पताल के डॉक्टरों ने रिपोर्ट देखी ही नहीं और उसकी कीमोथैरेपी कर दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129